धनबाद
सोमवार 09.03.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-16 पृष्ठ- 12
चैत्र कृष्ण पक्ष-6
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

भारत तीसरी बार बना टी-20 विश्व चैंपियन फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया

अहमदाबाद (ईएमएस): भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए आईसीसी टी २० वर्ल्ड कप २०२६ का खिताब अपने नाम कर लिया। अहमदाबाद में रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड की टीम को ९६ रनों से करारी शिकस्त दी और तीसरी बार टी२० विश्व कप की ट्रॉफी जीत ली। इसके साथ ही भारतीय टीम टूर्नामेंट के इतिहास में तीन बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई है। इसके साथ ही अपने घर में टी २० बर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन गई है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को न्यूजीलैंड ने टॉस जीत कर बॉलिंग चुनी। भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सेमसन और अभिषेक शर्मा ने अतिशी बल्लेबाजी करते हुए पावर प्ले में ९२ रन की साझेदारी करते हुए इस बर्ल्ड कप में पावर प्लें में किसी भी टीम द्वारा सबर्से अधिक रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया।

९८ रन के स्कोर पर अभिषक शर्मा के रूप में भारत का पहला विकेट गिरा। अभिषेक ने ५२ रन बनाए इसके बाद क्रीज पर आए ईशान किशन ने संजू सेमसंन के साथ अच्छी साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर १९२ रन तक पहुचाया। इस दौरान ऐसा लग रहा था कि भारत फायनल मैच में २७० रन से अधिक का स्कोर बनाएगा। संजू सेमसन ८९ के निजी स्कोर पर आडट हुए। इसके बाद ईशान किशन ५४ के निजी स्कोर पर आडट हो गए। और कप्तान सूर्यकुमार यादव भी जल्द आउट हो गए। आखिर में शिवम दुबे ने ८ गेंद पर २६ रन बनाकर स्कोर २५५ के पार पहुंचाया। न्यूजीलैंड से जिमी नीशम को ३ विकेट मिले।

२५६ रन का लक्ष्य का पीछा कर रही न्यूजीलैंड ने १२.५ ओवर के बाद १२४ रन बनाकर ६ विकेट गंवा दिए हैं। टिम साइफर्ट फिफ्टी लगाने के बाद आउट हुए। साइफर्ट ने ५२ रन बनाए। उनके अलावा डेरिल मिचेल १७, फिन एलन ९, रचिन रवींद्र १, ग्लेन फिलिप्स ५ और मार्क चापमन ३ रन बनाकर आउट हुए। ▶▶ 8

आज से संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण, संसद में गरमा सकता है पश्चिम बंगाल एसआईआर का मुद्दा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ प्रस्ताव पर हंगामे के आसार

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है और पहले ही दिन लोकसभा में जोरदार हंगामे के संकेत मिल रहे हैं। विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा कराने जा रहा है। इस प्रस्ताव को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने की संभावना है। विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और कांग्रेस के सांसदों को लेकर कुछ गलत दावे भी किए। इसी वजह से कई विपक्षी दलों के नेताओं ने उन्हें हटाने का प्रस्ताव दिया है। नियमों के अनुसार, प्रस्ताव दिए जाने के बाद ओम बिरला ने खुद को कार्यवाही से अलग कर लिया है और कहा गया है कि प्रस्ताव पर फैसला होने के बाद ही वह फिर से सदन की कार्यवाही संभालेंगे।

हालांकि संख्या बल के लिहाज से सरकार मजबूत स्थिति में है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के पास लोकसभा में बहुमत है, इसलिए माना जा रहा है कि यह प्रस्ताव पारित नहीं हो पाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ओम बिरला के समर्थन में सामने आए हैं और कहा है कि उन्होंने हमेशा संविधान और संसदीय लोकतंत्र की भावना के अनुसार काम किया है।

इन मुद्दों के जोरदार तरीके से उठने की संभावना

सत्र के दौरान पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठने की संभावना है। अमेरिका और इस्राइल की तरफ से ईरान पर किए गए हमलों के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे तेल की सप्लाई प्रभावित हो रही है और कच्चे तेल की कीमतें भी बढ़ रही हैं। विपक्ष इस मामले में सरकार की विदेश नीति और रूस से तेल खरीद पर अमेरिका द्वारा दिए गए छूट को लेकर सवाल उठा सकता है। इसके ▶▶ 8

उत्तराखंड में चुनाव से पहले शाह के निशाने पर आई कांग्रेस, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण के मुद्दों पर घेरा

देहरादून (ईएमएस): उत्तराखंड की राजनीति में आगामी विधानसभा चुनावों की तपिश अभी से महसूस होने लगी है। राज्य में सत्ताधारी भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के बीच सीधे मुकाबले की तस्वीर साफ होती दिख रही है। इसी क्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देवभूमि के दौरे के दौरान कांग्रेस पर चौतरफा हमला बोलकर भविष्य की चुनावी जंग का एजेंडा तय कर दिया है। शाह के तेवरों ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में दोनों दलों के बीच आरोपों-प्रत्यारोपों की लड़ाई और अधिक तीखी होने वाली है।

अमित शाह ने अपने संबोधन में ऐतिहासिक संदर्भों से लेकर वर्तमान राजनीतिक स्थितियों तक कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने उत्तराखंड राज्य आंदोलन के काले अध्याय रामपुर तिराहा कांड का जिक्र करते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए। शाह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से छोटे राज्यों के गठन की विरोधी रही है। उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ के निर्माण के समय विपक्षी दल ने यह तर्क दिया था कि छोटे राज्य प्रगति नहीं कर पाएंगे, लेकिन आज ये तीनों राज्य विकास के पथ पर ▶▶ 8

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जावेद सिद्दीकी को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (ईएमएस): नई दिल्ली की एक अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में जावेद सिद्दीकी को दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने यह राहत उनकी पत्नी के गंभीर स्वास्थ्य हालात को देखते हुए दी, जिनका स्टेज-४ ओवेरियन कैंसर का इलाज चल रहा है। यह आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने शनिवार को सुनाया।

अदालत ने कहा कि सिद्दीकी की पत्नी की कीमोथेरेपी चल रही है और इस कठिन समय में उन्हें परिवार के सदस्य के सहयोग की आवश्यकता है। इसी आधार पर अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दो सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की। यहां बताते चलें कि जावेद सिद्दीकी अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन हैं और उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित मामला दर्ज किया गया है, जिसकी जांच केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं। यह मामला लाल किला ब्लास्ट केस से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन से संबंधित बताया जा रहा है।

अदालत ने जमानत देते हुए कई सख्त शर्तें भी लगाई हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जावेद सिद्दीकी बिना अनुमति के दिल्ली- ▶▶ 8

ईरान युद्ध के बीच भारत ले सकता है फैसला, जहाजों की सुरक्षा के लिए नौसेना की तैनाती पर विचार

नई दिल्ली (ईएमएस): पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में उपजे सुरक्षा संकट के बीच भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में फंसे अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाने के संकेत दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, पर्शियन गल्फ में फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय नौसेना की तैनाती पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अगले ४८ घंटों के भीतर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। यदि योजना को हरी झंडी मिलती है, तो भारतीय नौसेना के युद्धपोत इन जहाजों को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित गलियारे से बाहर निकालेंगे।

शिपिंग उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, इस समय पर्शियन गल्फ में फंसे तेल और गैस टैंकरों में लगभग १० प्रतिशत जहाज भारत से संबंधित हैं। इनमें देश की दिग्गज कंपनी शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के वे जहाज भी शामिल हैं, जिनकी कुल माल वहन क्षमता ८ लाख टन (लगभग ६० लाख बैरल तेल) से अधिक है।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन का अनुमान है कि प्रभावित क्षेत्र में लगभग २०,००० नाविक फंसे हुए हैं। चूंकि भारत दुनिया भर में नाविकों का एक प्रमुख स्रोत है, इसलिए इनमें हजारों भारतीय नागरिकों के शामिल होने की प्रबल संभावना है, जो सरकार की चिंता का मुख्य विषय है। उल्लेखनीय है ▶▶ 8

प्रशांत महासागर में 6 रिक्टर तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रशांत महासागर में रविवार को ६ रिक्टर तीव्रता का भूकंप आया। इसकी जानकारी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि भूकंप भारतीय समय के अनुसार दोपहर २.५८ बजे आया। इसकी गहराई १३० किलोमीटर दर्ज की गई। प्रशांत महासागर के किनारे का इलाका 'पैसिफीक रिंग ऑफ फायर' के नाम से जाना जाता है। यह दुनिया का सबसे एक्टिव भूकंपीय क्षेत्र है, जहां पृथ्वी के लगभग ८१ प्रतिशत बड़े भूकंप आते हैं।

बंगाल चुनाव से पहले ममता का बड़ा ऐलान, युवाओं को हर महीने मिलेगा 1500 रुपये बेरोजगारी भत्ता

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच ममता बनर्जी ने बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री ने राज्य के युवाओं को हर महीने १५०० रुपये भत्ता देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करना है। ममता बनर्जी ने यह घोषणा मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विरोध में आयोजित धरना-प्रदर्शन स्थल से ही की। ममता बनर्जी ने बताया कि सरकार पहले इस योजना को १ अप्रैल से लागू करने वाली थी, लेकिन अब इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य के युवाओं को यह एक तरह का उपहार है। इसके तहत लाभार्थियों को अब अप्रैल का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और भुगतान की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाएगी।

कौन होंगे योजना के पात्र

मुख्यमंत्री ने योजना की पात्रता को लेकर भी जानकारी दी। इसके तहत २१ से ४० वर्ष की आयु के युवक और युवतियां आवेदन कर सकेंगे। लाभ पाने के लिए कम से कम माध्यमिक परीक्षा (कक्षा १०वीं) पास होना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो छात्र अभी पढ़ाई कर रहे हैं और छात्रवृत्ति के अलावा किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं, उन्हें भी इस योजना के तहत भत्ता मिल सकेगा।

रोजगार के आंकड़े भी रखे सामने

विपक्ष के आरोपों के बीच ममता बनर्जी ने अपने शासनकाल में रोजगार के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि ▶▶ 8

शिक्षित और सशक्त महिलाएं एक प्रगतिशील राष्ट्र की आधारशिला होती हैं

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने एक्स पर अपने संदेश में लिखा- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! शिक्षित और सशक्त महिलाएं एक प्रगतिशील राष्ट्र की आधारशिला होती हैं।

जब नारी शक्ति अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करती है और साहस के साथ नेतृत्व करती है, तो वह एक अधिक समावेशी और समृद्ध समाज की नींव को मजबूत बनाती है।

उन्होंने आगे लिखा- इस अवसर पर आइए हम यह सामूहिक संकल्प दोहराएं कि ऐसा समाज बनाएंगे जहां हर महिला को आगे बढ़ने और सम्मान, सुरक्षा व स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने के समान अवसर मिलें। साथ मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जहां महिलाओं की आकांक्षाएं और उपलब्धियां एक अधिक समान और न्यायपूर्ण भविष्य का निर्माण करें।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नारी शक्ति को बधाई देते हुए पोस्ट में लिखा कि समाज में नारी शक्ति की बेमिसाल भूमिका के लिए मानवता उनका ऋणी है। पीढ़ियों को पाल-पोसकर बड़ा करना और वैज्ञानिक और आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाना, वे हमारी जिंदगी के हर पहलू में योगदान देती हैं। इसी गहरी कृतज्ञता से प्रेरित होकर पीएम मोदी ने महिला-नेतृत्व वाले विकास की परिकल्पना की है, जहां महिलाएं अब सिर्फ प्रगति की साक्षी नहीं हैं, बल्कि परिवर्तन की वाहक बनकर हमारे देश को महानता की ओर ले जाने वाली अग्रदूत हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैं सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूं, जिनकी शक्ति, समर्पण और दृढ़ संकल्प हमारे राष्ट्र को निरंतर प्रेरित करते हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा- पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम महिलाओं के लिए ज्यादा अवसर पैदा कर रहे हैं और नारी शक्ति को भारत की विकास यात्रा व राष्ट्र निर्माण में और अधिक सार्थक योगदान देने के लिए सक्षम बना रहे हैं। ▶▶ 8

भाजपा के इशारे पर राजनीति न करें राष्ट्रपति मुर्मू के बयान पर बोलीं ममता

बंगाल दौरे के दौरान स्वागत में न पहुंचने को लेकर उठा विवाद, केंद्र ने मांगी रिपोर्ट

कोलकाता (ईएमएस): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के स्वागत के लिए नहीं पहुंचने को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। इस मुद्दे पर राष्ट्रपति मुर्मू की टिप्पणी के बाद ममता बनर्जी ने प्रतिक्रिया स्वरुप कहा है, कि चुनाव के समय उनके लिए ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होना संभव नहीं होता और इस मुद्दे को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। उनका सम्मान सर्वोपरि, लेकिन किसी राजनीतिक दल के इशारे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

दरअसल, हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कोलकाता और राज्य के अन्य कार्यक्रमों के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनके स्वागत के लिए उपस्थित नहीं हुईं। इस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने आश्चर्य जताते हुए कहा था कि ममता बनर्जी उनकी छोटी बहन की तरह हैं और उनके स्वागत के लिए न पहुंचना उन्हें हैरान करता है।

राष्ट्रपति की टिप्पणी के बाद ममता बनर्जी ने कहा ▶▶ 8

सिर्फ वकील नहीं, अब जज बनें महिलाएं, महिला दिवस पर सीजेआई ने दिया समानता का मंत्र

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट में आयोजित इंडियन विमेन इन लॉ के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर की महिला जजों और वकीलों ने हिस्सा लिया। इस ऐतिहासिक मौके पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस नागरत्ना ने कानूनी पेशे में महिलाओं की चुनौतियों और भविष्य पर बेबाक राय रखी।

सीजेआई सूर्यकांत ने कानूनी पेशे में महिलाओं की बहादुरी को सराहा। उन्होंने बताया कि महज एक सदी पहले औपनिवेशिक शासन में महिलाओं को कानून की प्रैक्टिस करने तक की अनुमति नहीं थी। हालांकि, सीजेआई ने ये भी कहा कि संस्थानों में महिलाओं की समान भागीदारी का सफर अभी अधूरा है।

सीजेआई के मुताबिक, कानूनी पेशे ने अनजाने में एक ऐसा माहौल बना दिया है जो महिलाओं पर अदृश्य बोझ डालता है, जिसमें देर रात तक काम, बार-बार पूछे जाने वाले सवाल और परिवार की उम्मीदें शामिल हैं।

बेंच में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी

प्रतिनिधित्व की अहमियत पर जोर देते हुए सीजेआई ने कहा कि बेंच पर बैठने वाली हर महिला एक बड़ा संदेश देती है। उन्होंने हाई कोर्ट के कॉलेजियम से अनुरोध किया कि वो सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर रही उन महिला वकीलों के नामों पर भी विचार करें जो उनके राज्यों से जुड़ी हैं, ताकि उन्हें जज के रूप में प्रमोशन दिया जा सके।

जस्टिस नागरत्ना ने सुनाया किस्सा

जस्टिस नागरत्ना ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए अपने पुराने दिनों का एक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार कोर्ट में पुरुष वकील आगे बढ़ने की होड़ में थे, तब जज ने उन्हें पहले मौका देते हुए विमेंस डे की बधाई दी। जस्टिस नागरत्ना ने तब कहा था कि माय लॉर्ड, मेरी इच्छा है कि हर दिन महिला दिवस हो।

30 प्रतिशत आरक्षण और वर्क-लाइफ बैलेंस की मांग

जस्टिस नागरत्ना ने सरकार और सिस्टम के सामने कुछ ठोस प्रस्ताव रखे। उनके मुताबिक केंद्र और राज्य सरकारों के पैनल वकीलों में कम से कम ३० प्रतिशत महिलाएं होनी चाहिए। उन्होंने हाई कोर्ट को अगले दिन की कॉजलिस्ट शाम ५ बजे तक जारी करने की भी मांगी की, ताकि महिला वकील समय पर घर जाकर तैयारी कर सकें और परिवार को समय दे सकें। जस्टिस नागरत्ना ने प्रस्ताव में कहा कि बड़ी संख्या में महिलाएं बार में आती हैं, लेकिन शादी और बच्चों के बाद वो अपने इस करियर को जारी नहीं रख पातीं। ऐसे में सीनियर वकील ऐसी महिलाओं को सपोर्ट करें। उन्होंने कहा कि हम अपना हक इसलिए मांग रहे हैं क्योंकि हम इसके काबिल और हकदार हैं, न कि सिर्फ इसलिए कि हम महिलाएं हैं।

आंकड़ों में बदलाव की तस्वीर

सम्मेलन में बताया गया कि जिला स्तर पर अब ३७ प्रतिशत न्यायिक अधिकारी महिलाएं हैं, जो एक बड़े बदलाव का संकेत है। जस्टिस लिसा गिल की पदोन्नति के बाद अब देश के तीन हाई कोर्ट्स में महिला मुख्य न्यायाधीश होंगी।

संपादकीय | युद्ध से दुनिया में ऊर्जा संकट गहराएगा?

इस बात की आशंका पहले से ही थी कि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का दायरा दूसरे क्षेत्रों में भी फैलेगा और इससे वैसे देश भी प्रभावित होंगे, जो इस जंग में भागीदार नहीं हैं। दोनों पक्षों के बीच घातक हथियारों के जरिए जारी हमले युद्ध के प्रत्यक्ष स्वरूप हैं, तो इसके समांतर अब ऐसे फैसले भी सामने आने लगे हैं, जो अगर लंबे समय तक टिके, तो इससे दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होगी।

गौरतलब है कि अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी मिसाइलों के जरिए सैन्य हमलों का मोर्चा खोला हुआ है। मगर एक बड़े रणनीतिक फैसले के तहत उसने अपने प्रभाव क्षेत्र में आने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को जिस तरह बंद कर दिया है, अगर जल्द ही उसे खोलने के लिए ठोस प्रयास नहीं हुए, तो कई देशों के सामने ऊर्जा का संकट गहरा सकता है। होर्मुज को एक सबसे महत्त्वपूर्ण समुद्री जलमार्ग माना जाता है, जहां से दुनिया भर में तेल और गैस आपूर्ति का करीब बीस से पच्चीस फीसद हिस्सा गुजरता है।

स्वाभाविक ही इस बात की आशंका अभी से जताई जाने लगी है कि अगर संकट गहराया, तो कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं और इसके बाद हवाई किराए, माल ढुलाई और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही केंद्रीय बैंकों के सामने मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में बदलाव करना एक मजबूरी की नीति बन सकती है। यानी होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के बाधित होने का व्यापक और बहुस्तरीय असर पड़ सकता है। फिलहाल ईरान ने इस रास्ते से सिर्फ चीन को आवाजाही की

अनुमति दी है और कहा है कि अन्य देशों के जहाजों, खासतौर पर इजराइल और अमेरिका के समर्थक देशों के टैंकरों को रास्ता नहीं दिया जाएगा।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि तेल और ऊर्जा के लिए जिन देशों की होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते पर निर्भरता है, वहां ईरान के इस फैसले का क्या प्रभाव पड़ सकता है। निश्चित तौर पर भारत पर भी इसका गंभीर असर पड़ेगा और अभी से इसका हल खोजने की कोशिश शुरू हो गई है, लेकिन जिस रास्ते से भारत अपने चालीस फीसद तेल की आपूर्ति पूरी करता है, उसमें तुरंत इसका नया विकल्प निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी होगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य को एक संकरे समुद्री रास्ते से ज्यादा आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की 'धड़कती नस' और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इसके बाधित होने पर कई देश इसके असर की जद में आएंगे। भारत के पास फिलहाल छह से आठ हफ्ते का तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और इस बीच अगर होर्मुज का रास्ता खोलने के प्रयास सफल नहीं हुए, तो ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रूस से भी तेल खरीदने की कोशिश हो सकती है।

अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी भी हुई तो भारत के आयात खर्च में बड़ा इजाफा हो सकता है और इसके समांतर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर गंभीर असर पड़ेगा। यह समझना मुश्किल नहीं है कि तेल या ऊर्जा के लिए होर्मुज के रास्ते पर निर्भर अन्य देश ईरान के फैसले से किस स्तर तक प्रभावित होंगे। ऐसे में समूचे पश्चिम एशिया में फैल चुके युद्ध को रोकने और तनाव को कम करने के उद्देश्य से इसमें शामिल पक्षों के साथ बिना देरी किए बातचीत की गुंजाइश निकालना सबसे जरूरी और प्राथमिक होना चाहिए।

स्तन कैंसर का बढ़ता खतरा

दुनियाभर में महिलाओं के सामने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। इसमें एक बड़ा खतरा गर्भाशय और स्तन कैंसर के रूप में देखा जा रहा है। बीते तीन दशकों में स्तन कैंसर के मामलों में जिस तरह तेज बढ़ोतरी हुई है, वह बेहद चिंताजनक है। इस संबंध में वाशिंगटन विश्वविद्यालय के 'इंस्टीट्यूट फार हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवेल्यूशन' का जो अध्ययन सामने आया है, वह भयावह तस्वीर सामने रखता है। अध्ययन के मुताबिक, भारत में वर्ष 2023 में कैंसर के दो लाख से अधिक मामले सामने आए। गौरतलब है कि वर्ष 1990 के मुकाबले यह 477 फीसद अधिक है। इससे प्रभावित होने वालों में से एक लाख से अधिक मौत हो गई। इस रोग में इतनी तेज बढ़ोतरी की स्थिति क्यों पैदा हुई, इसे समझने की जरूरत है। इसमें कोई दोराय नहीं कि स्तन कैंसर किसी भी महिला के लिए एक दुस्वप्न की तरह है। इसका उन पर शारीरिक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक स्तर पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। सवाल है कि स्तन कैंसर की रोकथाम के लिए देश भर में समय-समय पर चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान की पहुंच जमीनी स्तर पर लोगों तक क्यों नहीं है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। आमतौर पर निम्न और निम्न मध्य आय वाले देशों की महिलाएं ही इसकी चपेट में आ रही हैं। जबकि उच्च आय वाले देशों में तस्वीर इससे अलग है। भारत में वर्ष 1990 से लेकर वर्ष 2023 के बीच में स्तन कैंसर के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी को अब इसलिए भी गंभीरता से लेने की जरूरत है कि आमतौर पर निम्न आय वर्ग की ही नहीं, सामान्य घरों की महिलाएं भी अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं। वे चिकित्सकों के पास जाने से हिचकिचाती हैं। समुचित चिकित्सा सुविधा देर से मिलने के कारण कई महिलाएं कैंसर के अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती हैं। ऐसी परिस्थिति में उनकी जान बचाने की कोशिशें नाकाम हो जाती हैं। इस लिहाज से देखें, तो स्तन कैंसर पर नियंत्रण के लिए कई स्तरों पर काम करने की जरूरत है। खासतौर पर इस चुनौती से निपटने के लिए इससे संबंधित जरूरी सावधानी बरतने के साथ-साथ समय पर जांच और इलाज कराने के लिए महिलाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाना होगा।

आज का कार्टून

फिनलैंड के राष्ट्रपति ने यूएन में भारत को सीट देने का समर्थन किया

बिना फूफाजी की परमिशन के संभव नहीं!!

संसद में संवाद क्यों हो रहा है कम...

राजनीति में पक्ष और विपक्ष की सीमाओं से मुक्त हर भारतीय नागरिक यह गर्व से स्वीकार करता रहा है कि स्वतंत्र भारत राजनीतिक परिपक्वता का परिचय देता रहा है। इसी कारण इक्कसवीं सदी में भारत की विश्व स्तर पर मान्यता और साख तेजी से बढ़ी है। इसमें हमारे युवाओं और उनको तैयार करने वाली संस्थाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मगर पिछले कुछ समय से जो सियासी माहौल बना है, उसमें जनहित के बजाय दलगत राजनीति के निहित स्वार्थ ज्यादा दिखते हैं। स्वतंत्र भारत में प्रारंभ से ही विकास के कार्यों में दूरदृष्टि-पूर्ण निर्णय लिए गए हैं। जो अच्छा कार्य करते हैं, उनसे ही यह अधिकार पूर्वक पूछा जाता है कि वे और अधिक अच्छा क्यों नहीं कर पा रहे हैं। यह आलोचना नहीं, बल्कि प्रेरणा और इच्छाशक्ति को मजबूती देता है। राजनीतिक दलों की अपनी विचारधारा जो भी हो, वे पक्ष में हों या विपक्ष में, उन्हें देश की प्रगति में आपसी सहयोग और सद्भाव के रास्ते लगातार तलाशते रहना होगा।

जगमोहन सिंह राजपूत

देश की संसद जनता की आकांक्षाओं की वह अभिव्यक्ति है, जो चयनित प्रतिनिधियों में पूर्ण विश्वास प्रकट कर निर्मित की गई है। इसके उत्तरदायित्व में मुख्य रूप से देश के विकास, सुरक्षा और आमजन के कल्याण के लिए नीति निर्माण एवं योजनाएं बनाना है। तकनीकी तरक्की के साथ अब संसद की सारी कार्यवाही सीधे हर घर तक पहुंचती है। अपेक्षा यही की जाती है कि संसद की बैठकों में संवाद और गरिमा के अनुकरणीय स्तर देखने को मिलेंगे। साथ ही इसमें संवेदनशील पारस्परिकता, समय के महत्त्व, जिम्मेदारी का बोध और अध्ययनशीलता जैसे प्रेरक तथा विश्वास उत्पन्न करने वाले तत्त्वों के समावेश की उम्मीद भी की जाती है। संसद के दोनों सदनों में जन प्रतिनिधियों को यह ध्यान रखना होता है कि देश की नई पीढ़ी उनके हर कार्यकलाप, आचार-विचार-व्यवहार को न केवल देखने और महसूस करने में रुचि रखती है, बल्कि उसका अनुसरण भी करना चाहेगी।

स्वतंत्रता के बाद कई वर्षों तक संसद की कार्यवाही सामान्य जन आज की तरह देख तो नहीं सकते थे, लेकिन तब समाचार पत्रों में उससे संबंधित खबरों को तन्मयता से पढ़ा जाता था और उस पर लोग आपस में चर्चा भी करते थे कि संसद देश के भविष्य का निर्माण कर रही है। उस समय काफी हद तक वह सब मिलता था, जो जनता द्वारा चयनित कुशल, सभ्य, संयमित और जवाबदेह प्रतिनिधियों की शिखर संस्था से अपेक्षित होता था। तब देश के हर गांव, कस्बे और शहर में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी घटनाओं की चर्चा होती थी, आजादी पाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वालों को सम्मान पूर्वक एवं गर्व से याद किया जाता था।

मगर देश के वे वरिष्ठजन, जो आज भी संसद की कार्यवाही में रुचि लेते हैं, उसका प्रसारण देखते हैं, उन्हें अब निराशा ही होती होगी। महात्मा गांधी की चर्चा अब कम ही होती है। उन्होंने तत्कालीन संदर्भ में कहा था कि कार्य करने के बाद प्राप्त किए गए अनुभव के बिना दिया गया वक्तव्य परिकर और शालीनता से रहित होगा! इसका अनुभव अब सामान्यजन को लगातार हो रहा है। उनकी अपेक्षाएं अब निराशा में तब्दील होती जा रही हैं। विकास के जो प्रयास हो रहे हैं, उनमें सर्वजन कल्याण की भावना के बजाय चयनात्मक सोच की झलक देखने को मिलती है।

भारत में भी इसकी अपेक्षा थी कि विपक्ष और विशेषकर सत्ता से जनता द्वारा हटाए गए राजनीतिक दल भी लोकतंत्र की मूल भावना के अनुसार जनसेवा तथा जनसंपर्क पर अधिक ध्यान देंगे: सत्ता पक्ष से प्रश्न पूछेंगे, उनकी कमियां निकालेंगे और लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। मगर इस मूल भावना की कमी साफ देखने को मिल रही है। यह सही है कि विपक्ष के अधिकांश राजनीतिक दलों के पास जनता का विश्वास पुनः प्राप्त करने की कोई ठोस रूपरेखा उपलब्ध नहीं है, उनमें शामिल युवा और वरिष्ठ राजनेता भी अपने लिए कोई संभावनाएं नहीं देख पा रहे हैं।

हताशा के इस माहौल में राष्ट्र और नई पीढ़ी के प्रति उत्तरदायित्व का बोध भी कम हो रहा है। संभवतः वे इस सिद्धांत को भी भूल गए हैं कि सत्ता में वापस आने का

रास्ता जनता के दिलों में स्वीकार्यता से होकर गुजरता है और उसे आरोप-प्रत्यारोप के जरिए तलाशने का प्रयास निरर्थक है।

देखा जाए तो जन सामान्य की चर्चाओं में केवल विपक्ष की ही आलोचना होती हो, ऐसा भी नहीं है। आज देश का आम नागरिक जागरूक है, वह स्थिति का विश्लेषण अत्यंत समझदारी और तुलनात्मक रूप से करता है तथा जो इसको समझ सकता है, वही अपने कार्यकलापों में अपेक्षित एवं आवश्यक बदलाव ला सकता है। लोकतंत्र, जनतंत्र या गणतंत्र, मूलभाव को समझने के लिए इनमें से कोई भी विकल्प चुना जाए, उसका आधार जिस शाब्दिक संकल्पना में निहित मिलेगा वह है- संवाद। हर समस्या और वाद-विवाद का समाधान संवाद से ही निकलता है।

जनहित के संकल्प संवाद की सार्थकता में ही निहित हैं। इस समय देश का राजनीतिक वातावरण इस तरह का हो गया है कि लगता है सियासी दल और राजनेता इस पक्ष को भूलते जा रहे हैं। देश के राजनीतिक क्षितिज पर यह शब्द लगभग खो गया है, या यों कहें कि कुछ ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न की जा रही हैं कि सभ्य समाज की आधारभूत संकल्पना 'चर्चा-परिचर्चा' की कोई संभावना ही ना बचे!

अब यह बात भी छिपी नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की प्रगति और साख में जो बढ़ोतरी हुई है, वह कई बड़े देशों की आंख की किरकिरी बन गई है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान जैसे प्रदेशों में किसी भी गांव और कस्बे में जाकर देखा जा सकता है कि वहां सरकारी तंत्र से जुड़ा रहा सम्मानित लोगों का वर्ग एक ही है। पक्ष या विपक्ष में होना एक-दूसरे के प्रति व्यक्तिगत सम्मान तथा सौहार्द में कोई कमी लाए, यह तो सामान्य अपेक्षा ही हो नहीं सकती है।

वरिष्ठ राजनीतिक नेतृत्व को पक्ष-विपक्ष के भेदभाव को भूलकर विद्वत वर्ग और विशेषज्ञों की राय लेकर जनहित में संवादहीनता की इस घुटन से देश को मुक्त करने का हर संभव प्रयास करना होगा। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद स्वतंत्र हुए देशों में शामिल भारत में लोकतंत्र के स्थापित होने और उसके आगे बढ़ने को वैश्विक स्तर पर सम्मान से देखा जाता रहा है। आपातकाल को छोड़कर भारत में व्यक्तिगत हित साधने के लिए संविधान के प्रावधानों को दुरुपयोग करने जैसे अवसर पुनः नहीं आए। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश ने एकजुट होकर लोकतंत्र को पुनः स्थापित कर दिया।

यह भी याद रखना होगा कि देश के सुरक्षा बलों ने संविधान की उस आत्मा का अक्षरशः सम्मान किया है कि सर्वोच्च संस्था तो 'हम, भारत के लोग' में ही निहित है। देश की सुरक्षित रखने के दायित्व का अत्यंत गरिमामय ढंग से पालन हुआ है। देश के सुरक्षा बल किसी भी प्रकार की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा से हमेशा दूर रहे हैं। सकारात्मकता की इस स्थिति के निर्मित होने में देश की ज्ञानार्जन परंपरा, दर्शन, वैचारिकता और वैश्विकता की संस्कृति का अहम योगदान रहा है।

राजनीति में पक्ष और विपक्ष की सीमाओं से मुक्त हर भारतीय नागरिक यह गर्व से स्वीकार करता रहा है कि स्वतंत्र भारत राजनीतिक परिपक्वता का परिचय देता रहा है। इसी कारण इक्कसवीं सदी में भारत की विश्व स्तर पर मान्यता और साख तेजी से बढ़ी है। इसमें हमारे युवाओं और उनको तैयार करने वाली संस्थाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

मगर पिछले कुछ समय से जो सियासी माहौल बना है, उसमें जनहित के बजाय दलगत राजनीति के निहित स्वार्थ ज्यादा दिखते हैं। स्वतंत्र भारत में प्रारंभ से ही विकास के कार्यों में दूरदृष्टि-पूर्ण निर्णय लिए गए हैं। जो अच्छा कार्य करते हैं, उनसे ही यह अधिकार पूर्वक पूछा जाता है कि वे और अधिक अच्छा क्यों नहीं कर पा रहे हैं। यह आलोचना नहीं, बल्कि प्रेरणा और इच्छाशक्ति को मजबूती देता है। राजनीतिक दलों की अपनी विचारधारा जो भी हो, वे पक्ष में हों या विपक्ष में, उन्हें देश की प्रगति में आपसी सहयोग और सद्भाव के रास्ते लगातार तलाशते रहना होगा।

पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी लड़ाई और 'आप' में बगावती सुर

पंजाब भाजपा में गुटबाजी हमेशा से रही है लेकिन चूंकि भाजपा हाईकमान बहुत मजबूत स्थिति में है, इसलिए कोई भी नेता या गुट पार्टी हाईकमान के बारे में खुलकर बोलने की हिम्मत नहीं करता, पंजाब के किसी भी नेता के खिलाफ तो दूर की बात है। हाल ही में अस्तित्व में आए अकाली दल पुनर सुरजीत की गुटबाजी भी लगातार सामने आ रही है और कई बड़े नेता सार्वजनिक रूप से अपनी नाराजगी जाहिर करते रहते हैं और कुछ ने तो पार्टी हाईकमान पर आरोप लगाकर पार्टी से दूरी भी बना ली है।कांग्रेस की स्थिति गुटबाजी के मामले में सबसे खराब है। हालांकि इसके बावजूद सभी नेता पब्लिक में गुटबाजी होने से इंकार करते और इसे विचारधारा का मतभेद बताते रहे हैं।

इकबाल सिंह चन्नी

अब जब पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारी का समय आ गया है और पंजाब के लगभग सभी बड़े राजनीतिक दलों ने अंदर ही अंदर इन चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है, तो उन्होंने अब रैलियां करके चुनावी बिगुल बजाना भी शुरू कर दिया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने मोगा में रैली की और शिरोमणि अकाली दल हर चुनाव क्षेत्र में रैलियां कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने भी 14 मार्च को मोगा में रैली करके चुनाव अभियान शुरू करने का ऐलान कर दिया है। इसी सिलसिले में कांग्रेस पार्टी ने भी बरनाला में बड़ी रैली करके चुनाव अभियान शुरू किया। वैसे तो सभी राजनीतिक दल रैलियां कर रहे हैं लेकिन कांग्रेस की रैली थोड़ी अलग थी, जब मंच से बोलते हुए पार्टी के बड़े नेता राहुल गांधी ने भरे पंडाल में यह कहकर सबको चौंका दिया कि पंजाब के नेताओं को एक टीम की तरह काम करना होगा, नहीं तो उन्हें रिजर्व बैंचर की लाइन में खड़ा कर दिया जाएगा। राहुल गांधी के इस बयान से लीडरशिप को शर्मिंदा होना पड़ा और राहुल गांधी ने पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी होने की बात पर मुहर लगा दी। राजनेताओं द्वारा गुट बनाना और एक-दूसरे को आगे बढ़ाना आम बात है लेकिन जब यह गुटबाजी पार्टी का अनुशासन तोड़ती है और

पार्टी के लिए नुकसानदायक साबित होती है तथा पार्टी की टॉप लीडरशिप के लिए सिरदर्द, शर्मिंदगी और इक्षचता का कारण बन जाती है, खासकर जब उस राज्य के आम चुनाव पास हों, तो बड़े नेता इस अनचाही हरकत को रोकने की हर मुमकिन कोशिश करते हैं। इसी वजह से, पंजाब की 2 बड़ी और राष्ट्रीय पार्टियों (कांग्रेस व आप) का हाईकमान इस समय ऐसी ही कोशिशें कर रहा है कि कांग्रेस पार्टी की स्टेट लीडरशिप की अंदरूनी गुटबाजी और आप की स्टेट लीडरशिप में बागी आवाजों को कैसे खत्म किया जाए। यहां तक कि पंजाब की दूसरी पार्टियां, चाहे वह भाजपा हो, अकाली दल हो या नई बनी अकाली दल पुनर सुरजीत हो, इससे बची नहीं हैं। लेकिन इन पार्टियों की हालत कांग्रेस और आप से काफी अलग है क्योंकि अकाली दल बादल का विरोध करने वाले सभी नेताओं ने उसे छोड़ दिया है, जिससे उसमें विरोध या गुटबाजी लगभग खत्म हो गई है। इस पार्टी के सभी नेता सुखबीर सिंह बादल को पार्टी का सुप्रीम लीडर मान चुके हैं।

हालांकि पंजाब भाजपा में गुटबाजी हमेशा से रही है लेकिन चूंकि भाजपा हाईकमान बहुत मजबूत स्थिति में है, इसलिए कोई भी नेता या गुट पार्टी हाईकमान के बारे में खुलकर बोलने की हिम्मत नहीं करता, पंजाब के किसी भी नेता के खिलाफ तो दूर की बात है। हाल ही में अस्तित्व में आए अकाली दल पुनर सुरजीत की गुटबाजी भी लगातार सामने आ रही है और कई बड़े नेता सार्वजनिक रूप से अपनी नाराजगी जाहिर करते रहते हैं और कुछ ने तो पार्टी हाईकमान पर आरोप लगाकर पार्टी से दूरी भी बना ली है।कांग्रेस की स्थिति गुटबाजी के मामले में सबसे खराब है। हालांकि इसके बावजूद सभी नेता पब्लिक में गुटबाजी होने से इंकार करते और इसे विचारधारा का मतभेद बताते रहे हैं। चाहे वह राजा वड़िंग हों, चरणजीत सिंह चन्नी, प्रताप सिंह बाजवा, सुखजिंदर सिंह रंधावा, परगट सिंह, राणा गुरजीत सिंह या भारत भूषण आशु हों। लेकिन बरनाला रैली के दौरान राहुल गांधी की पंजाब कांग्रेस के नेताओं को टीम बनाने की चेतावनी ने साबित कर दिया कि पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी बर्दाश्त की हद पार कर चुकी है।

आप एक नई पार्टी होने के नाते, कुछ समय पहले तक एक अनुशासित पार्टी के तौर पर जानी जाती थी और पार्टी का कोई भी नेता पार्टी में गुटबाजी करने की हिम्मत नहीं करता था। पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल जो भी फैसला लेते थे, वह आखिरी होता था, इसीलिए अगर कोई जरा भी असहमति दिखाता, तो उसे पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता था, चाहे वह प्रशांत किशोर हों, कुमार विश्वास या योगेंद्र यादव। इसी तरह पंजाब के नेताओं को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। लेकिन अब दिल्ली चुनाव हारने के बाद इस पार्टी के हालात भी बदल गए हैं। पार्टी हाईकमान में 2 गुटों की बातों के बीच कई नेता बगावत की आड़ में खुलकर बोलने लगे हैं और पार्टी सुप्रीमो कोई एक्शन लेने की हिम्मत नहीं दिखा रहे, चाहे वह मालविंदर सिंह कंग जैसे बड़े नेता हों या पार्टी के सीनियर प्रवक्ता अहबाब सिंह ग्रेवाल या रविंदरपाल सिंह मल्होत्रा, जो खुलेआम पार्टी के अन्य नेताओं पर माइनिंग और भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। इसी तरह पंजाब कांग्रेस के नेता उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं और गुटबाजी के कारण वे लंबे समय से पार्टी की हार का कारण बने हुए हैं लेकिन पार्टी हाईकमान इनमें से किसी के भी खिलाफ कोई एक्शन लेने से बच रहा है। हालांकि नवजोत कौर सिद्धू को पार्टी से निकाल दिया गया है लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया। लेकिन राहुल गांधी के घोर विरोध के बाद पंजाब कांग्रेस नेतृत्व एक टीम की तरह काम करने की बजाय चुप्पाचप बैठ गया है। अगर दोनों पार्टियों का हाईकमान समय रहते इसे रोकने में कामयाब नहीं होता, तो दोनों पार्टियों को नुकसान होना तय है।

पुलिसअपराधी के बीच मुठभेड़, प्रिंस खान गैंग का शूटर गोली लगने से घायल, एसआई को भी लगी गोली

धनबाद (कासं) : धनबाद शहर के भुइफोड स्थित धनबाद पब्लिक स्कूल के पास पुलिस और

अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में मोस्टवांटेड कुख्यात अपराधी हैदर अली उर्फ प्रिंस खान गैंग का एक शूटर सुदिष्ट ओझा को गोली लगने से वह घायल हो गया है, उसे दोनों पैर में गोली लगी है। वहीं इस मुठभेड़ में सरायढेला थाना में पदस्थापित एसआई बालमुकुंद सिंह भी घायल हो गए हैं। दोनों घायलों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को इलाके में रंगदारी (लेवी) वसूलने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने बम और गोली चलाकर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले के बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से प्रिंस खान गैंग का एक शूटर घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। वहीं इस दौरान एक एसआई भी घायल हो गए जिन्हें तुरंत इलाज के लिए निजी अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर फरार अपराधी की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

वहीं मौके पर मौजूद एसएसपी प्रभात कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अपराधी रंगदारी लेने आए थे। इसी दौरान पुलिस को इसकी सूचना मिली जिसके बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। घेराबंदी के दौरान आरोपी भागने की कोशिश करने लगा। उसके पास हथियार था और उसने पहले फायरिंग की जिसमें एक सबइंस्पेक्टर बालमुकुंद के हाथ में गोली लग गई। आरोपी के पास दो बम थे जिसमें एक बम पुलिस के ऊपर फेंका गया, जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की जिसमें आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी।

एसएसपी ने बताया कि मौके पर दो अपराधी थे जिनमें से एक घायल हुआ है, जबकि दूसरा भागने में सफल रहा। फरार आरोपी की तलाश के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। मौके से एक जिंदा बम भी बरामद किया गया है। जांच के लिए एफएसएल की टीम बुलाई गई है।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर में आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ हुई। कलश यात्रा कथा व्यास सुरेंद्र हरिदास जी महाराज के सान्निध्य में कथा स्थल से गाजेबाजे के साथ आरंभ हुई। सिर पर कलश लेकर सैकड़ों महिलाएं कुसमाटांड़. गांव के समीप स्थित खुदिया नदी पहुंची, जहां कलश में जल भरकर पुनः कथा स्थल पहुंची। साथ में सैकड़ों की संख्या में पुरुष, युवा एवं बच्चे भी शामिल थे। कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु रंग-बिरंगे पताका लिए जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। कथा के प्रथम दिन कथा व्यास सुरेन्द्र हरिदास ने कहा कि सत्य से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

आज के समय में लोग अक्सर यह सोचते हैं कि यदि हम पूरी ईमानदारी और सत्य के मार्ग पर चलेंगे तो हमारा व्यापार कैंसे चलेगा, लाभ कैंसे होगा और प्रतिस्पर्धा में हम कैंसे टिक पाएंगे। असत्य कुछ समय के लिए लाभ अवश्य दे सकता है, लेकिन वह स्थायी नहीं होता। झूठ और छल की नींव पर खड़ा हुआ व्यापार या संबंध अधिक समय तक नहीं टिकता।

उन्होंने कहा कि एपस्टीन फाइल में उन लोगों का नाम आया है, जिनको बहुत सारे लोग अपना आदर्श मानते थे। इसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। ऐसे मामलों से हमें यह सीख मिलती है कि केवल प्रसिद्धि, पद या धन किसी को महान नहीं बनाते। चरित्र, नैतिकता और सत्य ही किसी व्यक्ति की वास्तविक पहचान होते हैं। कथा प्रतिदिन अपराह्न ३ बजे से शाम ७ बजे तक होगी। इसका समापन १५ मार्च को होगा। कथा सुनने बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए हुए थे। आयोजन को सफल बनाने में विमल चन्द्र दे, पद्दा दे, संजय अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, प्रदीप बंसल, कांता बंसल, सुमित मित्तल, सचिन दे आदि सक्रिय हैं।

महिला दिवस पर विधायक रागिनी व मेयर संजीव ने महिलाओं को किया सम्मानित

धनबाद (कासं) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धनबाद स्थित सिंह मेंशन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धनबाद के महापौर संजीव सिंह एवं झरिया विधायक रागिनी सिंह ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएँ, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सम्मानित महिलाओं के कार्यों की सराहना करते हुए अतिथियों ने कहा कि आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर समाज और देश को नई दिशा दे रही हैं।

इस मौके पर महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, सामाजिक भागीदारी और महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज में महिलाओं को बराबरी का सम्मान और अवसर मिलना अत्यंत आवश्यक है, तभी समाज का समग्र विकास संभव है।

मौके पर मेयर संजीव सिंह ने कहा कि महिलाएँ समाज की शक्ति और प्रेरणा का स्रोत हैं। आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता से देश और समाज को आगे बढ़ा रही हैं। धनबाद नगर निगम भी महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य करता रहेगा।

विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति है। महिलाओं को सम्मान और अवसर देने से समाज और अधिक मजबूत और विकसित बनता है।

ओल्ड एज होम में महिला वृद्धजनों को किया गया सम्मानित

धनबाद (कासं) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम एवं ओल्ड एज होम में सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आश्रम में आश्रित महिला वृद्धजनों को आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी की पत्नी निसात परवीन, कार्यकारी अध्यक्ष बी सुधीर की पत्नी बी ज्योति, कोषाध्यक्ष ओमकार मिश्रा की पत्नी उमा मिश्रा, नीरजा राय, सुधा मिश्रा,काजल कुमारी शिवानी देवी ने समस्त महिला वृद्धजनों को केक काटकर खिलाया एवं सम्मानित किया। साथ ही समाजसेवी रामनाथ मिश्रा की पत्नी का जन्मदिन भी मनाया गया।

सभी लोगों ने वृद्धजनों के संग भोजन का आनंद उठाया और उनका आशीर्वाद लिया। अध्यक्ष नौशाद गद्दी ने कहा कि घर की संपन्नता, समाज का कल्याण और देश के विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सम्मान कार्यक्रम में आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी, बी सुधीर, ओमकार मिश्रा, संस्कार ज्ञानपीठ के संस्थापक भुरूस कुमार राय, रामनाथ मिश्रा, डॉ मुकेश कुमार राय,मनीष कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृ वंदन कार्यक्रम आयोजित

बलियापुर (ससे) : अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शिशु विद्या मंदिर बलियापुर में मातृ वंदन का कार्यक्रम रखा गया, जिसका विधिवत् उदघाटन मुख्य अतिथि प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उसके बाद बच्चों ने पुष्प, अक्षत, प्रदीप और लड्डू से थाली को सजाया। सभी छात्र छात्राओं ने अपने माताओं को टीका लगाया और पुष्प अक्षत से मातृ पूजन वंदन किया। उसके बाद माताओं को मीठा खिलाकर आशीर्वाद लिया। तथा विद्यालय की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्र छात्राओं ने आकर्षक गीत नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी ने सभी माताओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं घर परिवार सम्हालने के साथ सामाजिक, आर्थिक एवं राज्य और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रही है। चाहे वो शिक्षा का क्षेत्र हो, खेल का क्षेत्र हो, सेना से लेकर राष्ट्रपति तक हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही महिलाओं को उच्च स्थान दिया गया है। इसलिए कहा गया है यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः । जिसका अर्थ है जहाँ नारी का सम्मान और पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं। यह सूक्ति नारी शक्ति के महत्व को रेखांकित करती है।

कार्यक्रम के बाद विद्यालय की ओर से सभी माताओं और बच्चों को स्वादिष्ट भोजन कराया। इस कार्यक्रम में प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी, प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक, वरीय शिक्षक स्वपन कुमार महतो, संयोजक रामानुज प्रसाद सिंह, प्राचार्य राकेश कुमार राय, शिक्षक मुकेश महतो, दिलीप मंडल, गोराचंद भट्टाचार्य, बैद्यनाथ रजक, विक्रम चालक, सुभाष सर, सुमन सर, अंजना मेम, सफ़क नाज, नीता कुमारी, नेहा कुमारी, मीरा महतो, आदि उपस्थित थे।

पार्षद निरुपमा ने महिलाओं को सशक्त बनने का दिया संदेश

कतरास (ससे) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वार्ड संख्या ५ के नवनिर्वाचित पार्षद निरुपमा देवी ने क्षेत्र की महिलाओं को बधाई देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज की महिलाएँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और समाज के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। निरुपमा देवी ने कहा कि महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएँ मजबूत होंगी तभी परिवार, समाज और देश मजबूत बनेगा। उन्होंने सभी महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वह अपने वार्ड के विकास के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगी तथा महिलाओं और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास करेंगी।

जेनरल हॉस्पिटल में महिला सम्मान समारोह का आयोजित

बलियापुर (ससे) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नवविहान लाइवलीहुड फाउंडेशन द्वारा बलियापुर जनरल हॉस्पिटल में एक भव्य महिला सम्मान समारोह एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सम्मान के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना तथा ग्रामीण महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बलियापुर की प्रखंड उपप्रमुख माननीय आशा देवी उपस्थित रहीं। नवविहान के मुख्य सलाहकार अशोक रावानी ने उन्हें बुके देकर सम्मानित किया और कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अस्पताल की महिला डॉक्टरों, नर्सों एवं विभिन्न गांवों से आई ग्रामीण महिलाओं को सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में उपप्रमुख आशा देवी ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार नवविहान लाइवलीहुड फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण महिलाओं के बीच सैनिटरी नैपकिन का वितरण कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है, वह एक अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सजग होंगी, तभी एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण संभव होगा।

इस अवसर पर जया महतो, शिक्षक स्वपन कुमार महतो, अशोक रावानी तथा तामिन परवीन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण ही समाज की वास्तविक प्रगति का आधार है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. प्रीति, बाला देवी, सुमित्रा देवी, बरखा कुमारी, संगीता, पूर्णिमा, भानु, शिवानी, आशा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

रेल का कमान महिला रेलकर्मियों के हाथों

धनबाद (कासं) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धनबाद मंडल द्वारा विशेष तैयारी की गई धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों के बुकिंग कार्यालय, टिकट चेर्किंग से लेकर सुरक्षा की व्यवस्था एवं ट्रेनों के परिचालन तक की बागडोर महिलाएं द्वारा संभाली गई।

सशक्त महिला सुरक्षित समाज की आधारशिला : न्यायाधीश

धनबाद (कासं) : अज्ञानता परेशानी का कारण बन सकती है, लेकिन जागरूकता न्याय का मार्ग प्रशस्त करती है। इसी उद्देश्य के साथ सिविल कोर्ट धनबाद स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। वहीं, जिले के हर प्रखंड व पंचायत में प्राधिकार के पैरालीगल वालंटियर्स के द्वारा भी जागरूकता कार्यक्रम चलाई गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम मे महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनी प्रावधानों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनों ने बताया कि शिविर में महिलाओं को घरेलू हिंसा, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह निषेध, महिला हेल्पलाइन तथा निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित एवं सशक्त समाज के लिए महिलाओं का सशक्त ,शिक्षित व जागरुक होना अत्यंत आवश्यक है। सशक्त महिला ही सुरक्षित समाज की आधारशिला होती है। कार्यक्रम में अधिकार मित्रों, पारा विधिक स्वयंसेवकों एवं स्थानीय महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

जलसहियाओं ने महिला दिवस मनाईं

धनबाद (कासं) : दजलसहिया अधिकार मंच बाघमारा प्रखंड की ओर से महेशपुर २ पंचायत सचिवालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर महेशपुर २ पंचायत के मुखिया संध्या देवी को जिला अध्यक्ष जया देवी ने बैच लगाकर सम्मानित की तथा बारी बारी से बाघमारा प्रखंड की जलसहिया ने बुके एवं माला पहनाकर सम्मानित किया है। महेशपुर २ पंचायत के मुखिया संध्या देवी ने सभी जलसहियाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिला दिवस है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में उच्च पद पर आसीन हैं। सरकार के द्वारा महिलाओं को हर क्षेत्र में जिम्मेदारी दी है चाहे वह आंगनबाड़ी के सेविका, सहायिका, स्वास्थ्य सहिया, एएनएम जलसहिया, सहायता समूह जैसी स्थान पर महिलाएं जिम्मेदारी से काम कर रही है। आज के दिन महिला कम नही है आने वाला समय में महिलाओं के लिए सरकार और अच्छा कार्य करेगी जिससे महिला सशक्त बनेंगी। मंच के जिला अध्यक्ष जया देवी ने सभी जलसहिया को महिला दिवस पर बधाई देते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की। इस अवसर पर बाघमारा प्रखंड के विभिन्न पंचायत टुण्डू मधुबन बाँसजोडा निचितपुर १ सिनीडीह बरोरा की जलसहिया शामिल हुए। मौके पर किरण देवी, जया देवी, दिव्या देवी, सुमिता देवी, बीना देवी, लक्ष्मी देवी, रेखा देवी, कलावती देवी, लीलावती देवी, पुष्पा देवी आदि मौजूद रहीं।

मंईयां सम्मान योजना सरकार की बड़ी देन : मथुरा महतो

गोविन्दपुर (ससे) : सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने महिलाओं का अभूतपूर्व सम्मान किया है। मंईयां सम्मान योजना सरकार की बड़ी देन है। वह विश्व महिला दिवस पर जिप सदस्य एवं झामूमो नेत्री लक्ष्मी मुर्मू द्वारा नया प्राथमिक विद्यालय गहिरा में आयोजित नारी दिवस समारोह को मुख्य अतिथि पद से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहां की सामान्य सीट से जिप सदस्य बनकर लक्ष्मी मुर्मू ने अपना जनाधार प्रदर्शित किया है। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि केंद्र सरकार के असहयोग के कारण विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित है। काफी प्रयास कर उन्होंने आरएस मोर कॉलेज में पीजी की पढ़ाई शुरू कराई है। श्रीमती मुर्मू ने सभी का स्वागत किया और आदिवासी राष्ट्रपति की बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा सम्मान नहीं दिए जाने पर आक्रोश जताया। इस अवसर पर महिलाओं को सम्मानित किया गया। मौके पर गिरिडीह की जिप उपाध्यक्ष गिरिडीह उषा देवी, एएसआई बसंती केरकेट्टा, राजेश ठाकुर, नसीमा खातून, कृष्णा टुडू, कृष्णा महतो, सफीक अंसारी, मुख्तार अंसारी, रोशन परवीन, जाबा मांझी, पारस हांसदा, साजदा खातून, सुमन देवी, आसमा खातून, ज्योति देवी , रीता देवी, सुबेदा बीबी, जहरन बीबी, रसीदा बीबी, भारती सोरेन, मेहनती देवी, कलावती दवी, सुनील टुडू, सलीम अंसारी आदि मौजूद थे।

बेटा-बेटी में भेदभाव की मानसिकता समाप्त करनी होगी : उपायुक्त

बोकारो (ससे): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शिबू सोरेन समृति भवन (टाउन हॉल) सभागार में आयोजित महोत्सव में अपने संबोधन में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि समाज में वास्तविक बदलाव तभी संभव है जब महिलाएं और बेटियां आगे आकर नेतृत्व की भूमिका निभाएं।

उपायुक्त ने कहा कि समाज में परिवर्तन की प्रक्रिया लंबी होती है। लगभग १०० वर्ष पहले तक सती प्रथा जैसी कुप्रथा समाज में सामान्य बात मानी जाती थी, लेकिन सामूहिक प्रयासों और जागरूकता के कारण उसे समाप्त कर इतिहास बना दिया गया। उसी प्रकार अब बेटा और बेटी में भेदभाव करने वाली मानसिकता को भी समाज से खत्म करना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक सोच में बदलाव नहीं आएगा, तब तक वास्तविक समानता संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। प्रशासन ने बाल विवाह के खिलाफ अभियान, बधाई हो बेटी हुई है जैसे सकारात्मक संदेश देने वाले कार्यक्रम तथा पंचायतों और अन्य संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण जैसी योजनाओं ने महिलाओं को आगे आने का अवसर दिया है।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि कई जगहों पर अभी भी महिलाओं को केवल औपचारिक रूप से पद मिल जाता है, लेकिन निर्णय लेने की शक्ति पुरुषों के हाथ में रहती है। मुखिया पति जैसी प्रवृत्तियां इसी सोच का उदाहरण हैं, जिसे बदलना जरूरी है।

उपायुक्त ने कहा कि अब समय आ गया है कि महिलाएं खुद आगे बढ़कर जिम्मेदारी की कमान संभालें। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से महिलाओं के उत्थान और सम्मान की नई शुरुआत की गई है। जिला प्रशासन ने मंईयां सम्मान से उत्थान - आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है।

उन्होंने कहा कि बेटियों का जन्म केवल शादी के लिए नहीं हुआ है। वे समाज, राज्य और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली मानव संसाधन हैं। इसलिए परिवार और समाज को चाहिए कि वे बेटियों को शिक्षा, अवसर और प्रोत्साहन दें, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें।

उपायुक्त ने कहा कि समाज में सम्मान और समानता की भावना को मजबूत करने के लिए छोटे-छोटे बदलाव भी महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि घरों के बाहर लगे बोर्ड पर पत्नी का नाम पहले लिखाने जैसी पहल से भी सम्मान का संदेश दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेटियां अपनी पसंद का पहनावा पहनें और अपनी जिंदगी से जुड़े फैसले खुद लें। किसी महिला के पति के निधन के बाद वह बिंदी लगाए या न लगाए, यह उसका व्यक्तिगत निर्णय होना चाहिए और समाज को उसका सम्मान करना चाहिए।

अंत में उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें और ऐसा वातावरण बनाएं, जहां महिलाएं सम्मान, आत्मविश्वास और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सकें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं का मिला सम्मान

बोकारो (ससे):अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस २०२६ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीसी अजय नाथ झा, एसपी हरविंदर सिंह, डीडीसी शताब्दी मजूमदार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने महिला कर्मचारियों को उनके योगदान और मेहनत के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर हेल्थ विभाग से कंचन (जिला डेटा प्रबंधक) और सुनीता लाखड़ा (सीएचओ,चास), शिक्षा विभाग से ममता कुमारी और नमिता कुमारी (दोनों शिक्षक), एसएचजी/सामाजिक सुरक्षा से प्रमिला देवी और कल्पना देवी (दोनों एसएचजी सदस्य), सामाजिक सुरक्षा विभाग से ट्विंकल (अकाउंट क्लर्क), चंदा रानी (सीडीपीओ) और बालिका कुमारी (सेविका), कृषि विभाग से वर्षा रानी (क्लर्क), पशुपालन विभाग से चारु चंद्रा (ऑपरेटर), परिवहन विभाग से रितु कुमारी (ऑपरेटर), जिला खेल कार्यालय से आशा किरण बरला (अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स खिलाड़ी) और पुलिस विभाग से सुष्मा कुमारी तथा सुनील लिंडा (दोनों थाना प्रभारी, चास) आदि को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने महिलाओं के योगदान, मेहनत और समाज में उनके सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयासों को सराहा।

वेदांता ने महिलाओं की भागीदारी 35% तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया

नई दिल्ली (ससे): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वेदांता ग्रुप ने संगठन के सभी स्तरों पर महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाकर ३५ प्रतिशत तक करने का लक्ष्य तय किया है। इसके साथ ही कंपनी ने एक राष्ट्रव्यापी अभियान और लिंक्डइन के माध्यम से विशेष हायरिंग ड्राइव शुरू की है, जिसके तहत महिलाओं को खनन, धातु, तेल एवं गैस, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

उद्योग से जुड़े हालिया सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष २०२३-२४ में विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्यक्ष रोजगार में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग १८ प्रतिशत रही, जबकि खनन और धातु जैसे मुख्य क्षेत्रों में यह आंकड़ा अभी भी लगभग ६ प्रतिशत ही है। ऐसे में वेदांता का यह अभियान उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। अभियान इस बात को रेखांकित करता है कि भारत औद्योगिक विकास के एक महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन, ईवी सप्लाई चेन और उन्नत विनिर्माण में देश की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। धातु, खनिज, तेल एवं गैस और ऊर्जा जैसे क्षेत्र इस विकास के केंद्र में हैं, लेकिन इन क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सीमित है।

वेदांता समूह में वर्तमान में महिलाओं की हिस्सेदारी कुल कार्यबल का लगभग २३ प्रतिशत है, जो उद्योग के औसत से काफी अधिक है। कंपनी का कहना है कि ६ प्रतिशत पर्याप्त नहीं है और २३ प्रतिशत केवल शुरुआत है। इसी सोच के साथ कंपनी आने वाले वर्षों में इस भागीदारी को बढ़ाकर ३५ प्रतिशत और आगे चलकर ५० प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखती है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए प्रिया अग्रवाल हेब्बर, नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, वेदांता लिमिटेड और चेयरपर्सन, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने कहा,भारत की विकास आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए देश की प्रतिभा को समान अवसर देना आवश्यक है। वेदांता में आज महिलाएं हमारे कुल कार्यबल का २३ प्रतिशत हैं, लेकिन यह केवल शुरुआत है। हमारा लक्ष्य इसे ३५ प्रतिशत और आगे चलकर ५० प्रतिशत तक पहुंचाने का है। हम केवल प्रतिनिधित्व नहीं बढ़ा रहे हैं, बल्कि ऐसी प्रणालियाँ और तकनीक विकसित कर रहे हैं, जिससे महिलाएं मुख्य औद्योगिक क्षेत्रों में आगे बढ़ सकें।

वेदांता की समावेशन रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उन्नत तकनीक का उपयोग है। ऑटोमेशन, डिजिटल ऑपरेशंस सेंटर और रिमोट मॉनिटरिंग जैसी तकनीकों के माध्यम से कार्यस्थलों को अधिक सुरक्षित और कौशल-आधारित बनाया जा रहा है, जहां प्रदर्शन का मूल्यांकन क्षमता के आधार पर किया जाता है, न कि लिंग के आधार पर। वेदांता ग्रुप ने महिलाओं के लिए अग्रिम पंक्ति के औद्योगिक कार्यों में भी नए अवसर खोले हैं। ओडिशा के झारसुगुड़ा स्थित वेदांता एल्युमिनियम स्मेल्टर में पूरी तरह महिलाओं की एक टीम उत्पादन लाइन संचालित कर रही है। इसके अलावा कई स्थानों पर महिलाएं बिजली उत्पादन, सुरक्षा संचालन और लोकोमोटिव प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की जिम्मेदारी भी निभा रही हैं।

कंपनी महिलाओं को कार्यस्थल पर आगे बढ़ने के लिए विभिन्न पहल भी कर रही है, जिनमें मातृत्व अवकाश के बाद रिटर्नशिप कार्यक्रम, फ्लेक्सिबल कार्य व्यवस्था, नेतृत्व विकास कार्यक्रम और आधुनिक टाउनशिप में आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा बाल देखभाल जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहा क्षी-ींढहशऊेश अभियान महिला इंजीनियरों, भूवैज्ञानिकों, डेटा वैज्ञानिकों और अन्य पेशेवरों को वेदांता के विभिन्न व्यवसायों में अवसरों के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस पहल के माध्यम से कंपनी यह संदेश देना चाहती है कि भारत के औद्योगिक भविष्य के निर्माण में महिलाओं की भूमिका बेहद ईएसएल स्टील में हम एक ऐसे कार्यस्थल के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं जहां महिलाएं सुरक्षित, सम्मानजनक और समान अवसरों के साथ आगे बढ़ सकें। हमें विश्वास है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी न केवल संगठन को मजबूत बनाती है बल्कि उद्योग के समग्र विकास को भी नई दिशा देती है।

महिलाएं हर क्षेत्र में सशक्त और सक्षम हैं : पुलिस अधीक्षक

बोकारो (ससे): पुलिस अधीक्षक श्री हरविंदर सिंह के नेतृत्व में महिला पुलिस कर्मियों में चास थाना प्रभारी श्रीमती सुषमा कुमारी, सेक्टर ६ थाना प्रभारी सुश्री संगीता कुमारी और चास महिला थाना प्रभारी सुनीला लिंडा और नगर महिला पुलिस मीरा लकड़ा के साथ कई महिला पुलिस कर्मियों ने शहर के विभिन्न चौक चौराहों एवं अन्य स्थानों पर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाकर वाहनों की जांच की और लोगों को सुरक्षा का संदेश दिया। इस दौरान महिला पुलिस कर्मियों ने नया मोड़ बिरसा चेक पोस्ट एवं चास चेक पोस्ट सहित कई प्रमुख जगहों पर वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों की जांच की गई तथा नियम तोड़ने वालों को चेतावनी दी गई।

इस मौके पर *बोकारो पुलिस अधीक्षक महोदय श्री हरविंदर सिंह ने सभी महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर महिला पुलिसकर्मियों को आगे रखकर यह विशेष जांच अभियान चलाया गया है, ताकि समाज में यह संदेश जाए कि महिलाएं हर क्षेत्र में सशक्त और सक्षम हैं। उन्होंने बोकारो वासियों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या पुलिस सहायता के लिए तुरंत ११२ नंबर पर सूचना दें। झारखंड पुलिस का लक्ष्य सेवा ही लक्ष्य है और बोकारो पुलिस हमेशा जनता की सेवा में तत्पर है।

महिला महोत्सव सप्ताह के तहत पिंक ऑटो जागरूकता रथ को दिखाई गई हरी झंडी

बोकारो (ससे): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित महिला महोत्सव सप्ताह के तहत शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) परिसर से पिंक ऑटो जागरूकता रथ को जिला प्रशासन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर डीसी अजय नाथ झा, एसपी हरविंदर सिंह, डीडीसी शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर मेनका, एसडीओ चास प्रांजल ढ़ांडा, वन पदाधिकारी संदीप शिंदे सहित अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना है। पिंक ऑटो जागरूकता रथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर महिलाओं से जुड़े अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देगा।

अधिकारियों ने कहा कि महिला महोत्सव सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को जागरूक और सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पिंक ऑटो रथ के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक महिला सुरक्षा और सम्मान का संदेश पहुंचाया जाएगा।

चिरेका में 69वां आल इंडिया रेलवे क्रिकेट पुरुष चैंपियनशिप का प्रारंभ

चित्तरंजन (ससे): चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) खेलकूद संगठन द्वारा आयोजित ६९वीं ऑल इंडिया रेलवे क्रिकेट (पुरुष) चैंपियनशिप २०२५-२६ (लीग स्टेज) का उद्घाटन आज, ०८ मार्च, २०२६ को डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (ओवल ग्राउंड) में हुआ। श्री मोहित चंद्रा, महाप्रबंधक एवं संरक्षक चिरेका खेलकूद संगठन ने समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में यह चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। इस समारोह में श्री ए. के.मेश्राम,अध्यक्ष, चिरेका खेल कूद संगठन, श्री हरीश मित्तल,महासचिव, चिरेका खेल कूद संगठन, के साथ- साथ चिरेका के विभिन्न विभाग के प्रधान अधिकारी, वरीय अधिकारी, क्रिकेटर और विभिन्न जोनों एवं उत्पादन इकाइयों के अधिकारी, चिरेका खेलकूद संगठन के अधिकारी उपस्थित थे। चैंपियनशिप ०८ मार्च, २०२६ से १६ मार्च, २०२६ तक जारी रहेगी । मैच डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (ओवल ग्राउंड), डिविजनल रेलवे ग्राउंड/ईस्टर्न रेलवे/आसनसोल और इठउ बर्नपुर में खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप में मेज़बान चिरेका समेत भारतीय रेल के विभिन्न जोनों एवं उत्पादन इकाइयों के ०८ टीमें हिस्सा ले रही है ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर चास में एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में *विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और समाज में महिलाओं की भूमिका, चुनौतियों तथा उपलब्धियों पर अपने विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर मुख्य पैनलिस्ट के रूप में सुश्री प्रांजल डांढ़ा (एसडीएम, चास), डॉ. रश्मि मेधा (मेडिकल ऑफिसर), सुश्री अलका मिश्रा (पत्रकार), संगीता (थाना प्रभारी, सेक्टर-६), चांदिनी यादव (व्लॉगर), डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसल, पम्मी झा (बीएलओ) तथा सुधा कुमारी उपस्थित रहीं।

सभी वक्ताओं ने *अपने जीवन संघर्ष, कार्यक्षेत्र के अनुभव तथा महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन डीसीएलआर चास श्री प्रभाष दत्ता द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को सम्मानित किया गया तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

भाजपाइयों ने ममता बनर्जी का पुतला फूंका

बलियापुर (ससे) : बंगाल में राष्ट्रपति के कार्यक्रम को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार द्वारा नजरअंदाज किए जाने तथा राष्ट्रपति पर गलत बयानबाजी के विरुद्ध धनबाद भाजपा ग्रामीण की ओर से बलियापुर के भाजपाईयों ने बलियापुर बाजार चौक पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरुद्ध जमकर नारे लगाए। मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, भाजपा नेता जगदीश रवानी, डॉ निशि महतो, नगर अध्यक्ष संजू महतो, मंडल अध्यक्ष विद्युत चक्रवर्ती, निताई रजवार, शैलेश सिंह, अरविंद खत्री, रामदेव पांडेय, आशीष मुखर्जी, विजय गोराई, शैलेन मंडल, मनबोध रवानी, गोउर मंडल, धनंजय मंडल, दीपक गोप, विश्वनाथ गोराई, संजय महतो, राजेश मुखर्जी,शशि सिंह, लखेश्वर मरांडी, आदि थे।

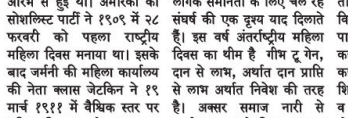

महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना ही महिला दिवस का उद्देश्य : पूनम किंडो

धनबाद (कासं) : संत अंथोनी चर्च धनबाद में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी महिलाओं को लाल गुलाब का पुष्प देकर सम्मान के साथ सामूहिक प्रार्थना सभा में प्रवेश कराया गया। मधुर गीत प्रस्तुति द्वारा ईश्वर को उनकी सारी आशीष एवं आज के विशेष दिन के लिए धन्यवाद दिया गया। सामुहिक प्रार्थना सभा के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का परिचय देते हुए जोशी पूनम किंडो, सहायक प्रध्यापिका, एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय धनबाद ने कहा कि महिलाओं के सम्मान नारी शक्ति व समानता के महत्व को और भी अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए प्रत्येक वर्ष ८ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया जाता है। यह केवल एक उत्सव मात्र नहीं है, इसका मुख्य उद्देश्य है महिलाओं और पुरुषों में समानता लाना और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत २०वीं सदी के आरंभ से हुई थी। अमेरिका की सोशलिस्ट पार्टी ने १९०९ में २८ फरवरी को पहला राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया था। इसके बाद जर्मनी की महिला कार्यालय की नेता क्लास जेटकिन ने १९ मार्च १९११ में वैश्विक स्तर पर महिला दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। संयुक्त राष्ट्र ने १९७५ में ८ मार्च को आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की घोषणा की तथा इस दिवस के लिए विशेष तीन रंग बैंगनी, हरा और सफेद चयनित किया गया। बैंगनी रंग न्याय, गरिमा और अपने उद्देश्य के प्रति वफादार होने का प्रतीक है, हरा रंग आशा का प्रतीक है और सफेद रंग पवित्रता का प्रतिनिधित्व करता है। ये रंग लैंगिक समानता के लिए चल रहे संघर्ष की एक दृश्य याद दिलाते हैं। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का थीम है गीभ टू गेन, दान से लाभ, अर्थात दान प्राप्ति से लाभ अर्थात निवेश की तरह है। अक्सर समाज नारी से उम्मीद करता है कि वह त्याग करें लेकिन एक नया नजरिया से अर्थात दान से लाभ हो। जब समाज एक स्त्री को उसका अधिकार देता है तो बदले में एक सशक्त और न्यायपूर्ण समाज पाता है। जिसका सीधा अर्थ है अगर आप समाज में सुख शांति और समृद्धि पाना चाहते हैं तो महिलाओं को उनका हक और सम्मान देना शुरू कीजिए। जब एक परिवार अपनी बेटी को समय, शिक्षा और भरोसा देता है तो बदले में नारी समाज को एक विजनरी लीडर के रूप में वापस पाता है। श्रीमती किंडो ने आगे कहा कि महात्मा गांधी ने भी कहा था कि यदि एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार व समाज शिक्षित और उन्नत होता है। कहने का तात्पर्य यह है कि महिलाओं की भूमिका परिवार और समाज तथा देश निर्माण में अति महत्वपूर्ण है। क्योंकि अगर पुरुष आकाश है तो महिला धरती है यह हमें समझना होगा।

प्रार्थना सभा को संबोधित करते हुए फादर आमातुस कुजूर ने अपने उपदेश में कहा कि ८ मार्च पूरे विश्व के लिए एक बहुत ही शुभ दिवस है। आज हमारे प्रार्थना सभा में जितनी भी महिलाएं मौजूद हैं अथवा किन्ही कारणों से नहीं भी आ सकी हैं हम उन सभी के लिए विशेष तौर पर प्रार्थना करेंगे। महिलाओं के बिना यह दुनिया अधूरी है यह एक बहुत बड़ा सत्य है।

प्रार्थना सभा के अंत में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाने के लिए कार्मेल स्कूल की सिस्टर एवं मिशन ऑफ चैरिटी सिस्टरों द्वारा अलवीना केरकेट्टा, एडविन किंडो, रजनी एक्का, सरोज पन्ना तथा रिषु सुरीन को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सरोज पन्ना ने सर्वप्रथम परमेश्वर तथा वहां उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद दिया साथ ही ईश्वर से महिलाओं के लिए बुद्धि शक्ति एवं अनुग्रह प्रधान करने की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिशिर प्रभात तिर्की, एतवा टूटी, मनोज लौरंगा, प्रवीन लौंगा आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हर घर में जागे महिला सशक्तिकरण की रोशनी, हर दिन बने वुमन डेः डीडीसी

बोकारो (ससे): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने अपने संबोधन में कहा कि घरों में सभी सदस्यों बेटा - बेटी, ननद आदि को महिलाओं को प्रेरित करना चाहिए कि वे आकांक्षी और सशक्त बनें। उन्होंने कहा कि बच्चों को यह समझाना बेहद जरूरी है कि मम्मी केवल रोटी बनाने के लिए नहीं हैं और पापा केवल पैसे कमाने के लिए नहीं हैं। डीडीसी ने जोर देकर कहा कि मुखिया पति जैसे प्रवृत्तियों को समाप्त करना होगा और हर दिन हर घर में महिलाओं के योगदान का सम्मान करते हुए वुमन डे सेलिब्रेट करना चाहिए।

उन्होंने परिवार और समाज से अपील की कि वे बेटियों को उनके सपनों और अधिकारों के लिए प्रेरित करें और महिलाओं के महत्व को हर कदम पर महसूस कराएं। उनका संदेश था कि महिला सशक्तिकरण केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि हर घर में रोजाना निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

साइबर ठगी के दो मामलों में पुलिस ने किया दो आरोपियों को गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : साइबर ठगी के दो अलगअलग मामलों में धनबाद पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। करीब ५० लाख रुपये की ठगी के मामले में पुलिस ने कर्नाटक के शिमोगा जिले से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरे मामले में ढाई करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन के आरोप में एक व्यक्ति को सरायढेला थाना क्षेत्र से पकड़ा गया है।

रविवार को धनबाद साइबर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि जनवरी माह में

भुईफोड़ मंदिर, धनबाद निवासी अभय कुमार अग्रवाल ने साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि व्हाट्सएप चैट के माध्यम से हिलटॉप राइजिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का डायरेक्टर बनकर ठगों ने उनसे ५० लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। यह राशि इस्लामिक कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के खाते में भेजी गई थी, जो आईसीआईसीआई बैंक में संचालित है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। टीम में साइबर डीएसपी संजीव कुमार समेत साइबर थाना के अधिकारियों को शामिल किया गया और जांच के लिए कर्नाटक भेजा गया। कार्रवाई के दौरान टीम ने कर्नाटक के शिमोगा जिला स्थित होसानगरा, चर्च रोड निवासी मोहम्मद अफसर (४१) को गिरफ्तार कर लिया। वह इस्लामिक सोसाइटी लिमिटेड के संयुक्त खाता धारकों में से एक है। हालांकि इस खाते में दो अन्य पार्टनर भी शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है।

वहीं दूसरे मामले में पुलिस ने सरायढेला थाना क्षेत्र से मनीष सिंह (५०) को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने बैंक ऑफ बड़ौदा में फर्जी कंपनियों के नाम से करंट अकाउंट खुलवाकर मात्र एक सप्ताह में करीब ढाई करोड़ रुपये का अवैध तरीके से ट्रांसफर करवाया। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दोनों मामलों को धनबाद पुलिस साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी उपलब्धि मान रही है और आगे की जांच जारी है।

पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया बाहा पर्व

कतरास (ससे) : क्षेत्र में आदिवासी समुदाय द्वारा पारंपरिक आस्था और उत्साह के साथ बाहा पर्व (फूलों का त्योहार) मनाया गया। इस अवसर पर रतिलाल टुडु के आवास परिसर में विशेष पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। पर्व के दौरान पाहन (पुजारी) ने सरना स्थल पर साल के फूल और प्रकृति की विधिवत पूजा की। बाहा पर्व को वसंत तु के आगमन और प्रकृति के प्रति आस्था के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान पारंपरिक रीतिरिवाजों के साथ पूजाअर्चना की जाती है और समुदाय के लोग प्रकृति से समृद्धि और सुखशांति की कामना करते हैं। रतिलाल टुडु ने बताया कि बाहा पूजा झारखंड

की आदिवासी परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पर्व आमतौर पर फागुन या चैत्र महीने में मनाया जाता है, जब पेड़ों पर फूल खिलने लगते हैं। इस अवसर पर पाहन जाहेरथान (पवित्र उपवन) में सरना मां को साल के फूल अर्पित कर पूजा करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह पर्व आदिवासी संस्कृति, प्रकृति के प्रति आस्था और प्रेम का प्रतीक है। पर्व के दौरान ढोलनगाड़ों की थाप पर पारंपरिक नृत्य और गीतों का भी आयोजन किया जाता है, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो उठता है।

आदिवासी समुदाय द्वारा सरहुल और टुसू परब जैसे त्योहार भी पूरे उत्साह और परंपरागत तरीके से मनाए जाते हैं, जो उनकी संस्कृति और प्रकृति के प्रति गहरी आस्था को दर्शाते हैं। इस मौके पर झामुमो के वरीय नेता पहुंचकर भोजन का आनंद उठाया।

आरपीएफ ने अवैध पटाखा किया जब्त, एक गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद रेल मंडल में रेल सुरक्षा बल

(आरपीएफ) ने ऑपरेशन सतर्क के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या २ पर चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को भारी मात्रा में अवैध और ज्वलनशील पटाखों के साथ गिरफ्तार किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में आरपीएफ पोस्ट धनबाद और सीआईबी धनबाद की संयुक्त स्पेशल टास्क टीम गश्त पर थी। इसी दौरान टीम ने गाड़ी गंगा सतलज एक्सप्रेस के सामान्य कोच की ओर बढ़ रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। वह व्यक्ति नीलेहरे रंग का प्लास्टिक बोरा और पीठ पर गहरा नीला पिट्ठू बैग लेकर तेजी से ट्रेन की ओर जा रहा था।

संदेह होने पर जब टीम ने उसे रोककर पूछताछ की, तो उसने अपनी पहचान गगन कुमार (३०), निवासी जिला कैमूर (बिहार) के रूप में दी। उसके पास मौजूद बोरे और बैग की तलाशी लेने पर भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांडों के कीमती पटाखे बरामद हुए। तलाशी के दौरान पुलिस को कुल १० अलगअलग प्रकार के हाईडिसिबल और मल्टीकलर पटाखे मिले, जिनमें किंग १२० मल्टी कलर शॉट्स , ब्लू बर्ड्स ३० और दबंग का धमाका जैसे ब्रांड शामिल थे। पटाखों का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग २८ हजार आंकी गई।

पटाखों के परिवहन के संबंध में आरोपी कोई भी वैध कागजात पेश नहीं कर सका। ट्रेन में ज्वलनशील पदार्थ ले जाना यात्रियों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इसे देखते हुए आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और पटाखों को जब्त कर लिया गया।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे ट्रेन में किसी भी प्रकार का ज्वलनशील पदार्थ या विस्फोटक लेकर यात्रा न करें। यह न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि रेल यात्रा को असुरक्षित भी बनाता है।

सिलेंडर ब्लास्ट होने से लगी आग लाखों की संपत्ति खाक, एक झुलसा

धनबाद (कासं) : झरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बस्ताकोला माइंस रेस्क्यू स्टेशन के समीप एक घर में सिलेंडर ब्लास्ट होने से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि नीचे तल्ले में बने सोफा गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण यह घटना घटी। घटना में मकान मालिक राजू अग्रवाल गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जबकि एक अन्य व्यक्ति के भी झुलसने की बात कही जा रही है। वहीं आग की चपेट में आने से एक मवेशी के भी झुलसने की सूचना है। घटना स्थल से कुछ ही कदम की दूरी पर इंडियन रसोई गैस की एजेंसी और उसका गोदाम भी मौजूद है, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। वहीं, सूचना मिलते ही माइंस रेस्क्यू टीम और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। साथ ही घटना की सूचना पर दमकल विभाग की छह गाड़ियां भी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर धार्मिक अनुष्ठान शुरू

कतरास (ससे) : नेशनल अंगार पथरा, पथल कोठी कतरास में

शिव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर पूजाअर्चना कर रहे हैं।

अनुष्ठान के दूसरे दिन वेदी पूजन, अन्नाधिवास, पुष्प अधिवास, शंकर अधिवास, सज्जा अधिवास तथा हवन पूजन जैसे धार्मिक कार्यक्रम विधिविधान के साथ संपन्न किए गए।

कार्यक्रम के तहत सोमवार को मंदिर में भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके साथ ही अखंड हरि कीर्तन का शुभारंभ होगा, जिसमें श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ भाग लेंगे।

वहीं मंगलवार को अखंड हरि कीर्तन की पूर्णाहुति के बाद शाम ४ बजे से महाभोग प्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है। यज्ञाचार्य योगेंद्र पांडेय, यजमान राजाराम यादव, कमला यादव, महेंद्र यादव, जीतेश प्रकाश व संतोष सिंह, सत्येंद्र यादव, देवनंदन लाल, चंद्रदीप यादव, माधो सिंह, अनिल कुमार जैन, शिवकुमार गुप्ता, मनोज बाउरी, अजय यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जीटी रोड किनारे मिला मृत हिरण, इलाके में हड़कंप

धनबाद (कासं) : चिरकुंडा थाना क्षेत्र के गांजा गली के सामने जीटी रोड किनारे सुबह एक हिरण का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे पड़े हिरण को देखा तो उसके पेट फटे होने की बात सामने आई, जिसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह जब लोग जीटी रोड से गुजर रहे थे, तभी उनकी नजर सड़क किनारे पड़े एक हिरण पर पड़ी। पास जाकर देखने पर पता चला कि हिरण का पेट फटा हुआ है और उसकी मौत हो चुकी है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तरहतरह की चर्चाएं शुरू हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हिरण मैथन हिरण पार्क का हो सकता है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले पार्क से हिरणों को वहां से

हटाया गया था। ऐसे में यह हिरण चिरकुंडा तक कैसे पहुंचा, यह लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने तुरंत चिरकुंडा पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। फिलहाल हिरण की मौत किस कारण से हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। कुछ लोग इसे किसी तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से हुई मौत बता रहे हैं, तो कुछ लोग अन्य कारणों की भी आशंका जता रहे हैं। मामले को लेकर वन विभाग की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, ताकि पूरे मामले की सही जानकारी सामने आ सके।

श्री श्याम खाटू मंदिर निर्माण को ले निकाली गई संकल्प यात्रा

कतरास (ससे) : श्री श्याम खाटू मंदिर के भव्य निर्माण को लेकर कतरास में रविवार को भक्ति और उत्साह के बीच भव्य संकल्प यात्रा निकाली गई। श्री श्याम शरणम् सेवा ट्रस्ट, कतरास के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा में सैकड़ों श्याम भक्तों ने भाग लिया। यात्रा गाजेबाजे और जय श्री श्याम के जयकारों के साथ पूरे क्षेत्र में निकाली गई। आयोजकों ने बताया कि मंदिर निर्माण के संकल्प के साथ कार्यक्रम की शुरुआत राजस्थान के सूरजगढ़ से लाए गए पावन निशान के साथ की गई। सबसे पहले गंगा गौशाला में निशान की विधिवत पूजाअर्चना की गई। इसके बाद सूर्य मंदिर के समीप श्री श्याम ध्वज की स्थापना की गई। निशान

यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर भक्तों और स्थानीय लोगों द्वारा श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्याम भक्तों ने जयकारों के साथ वातावरण को भक्तिमय कर दिया।

महिला दिवस पर महिलओं को किया गया सम्मानित

धनबाद (कासं) : भूली शिवपुरी स्थित लविना मांटेसरी कैम्पस में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन। कार्यक्रम में समाज को अपनी शक्ति और कार्यों से नई ऊर्जा नई दिशा दिखाने वाली महिला कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, नारी शक्ति जन सुविधा केंद्र की केंद्रीय अध्यक्ष लक्ष्मी देवी शामिल हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता रूपेश कुमार ने किया और संचालन पूर्व पार्षद रंजीत कुमार ने किया।

कार्यक्रम में अतिथियों ने महिलाओं को अंगवस्त्र ओढ़ाकर और स्मार पत्र के साथ मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया।

विधायक मथुरा महतो सहित महिला नेत्री लक्ष्मी देवी ने महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम

में मुख्य रूप से ज्योति सिंह, सुधा सिंह, सोनी तिवारी, रीना भारती, मुन्नी देवी, बंदना गुप्ता, माजदा खान, रौशनी टोपना, प्राची देवी, कोमल देवी, अनामिका कुमारी, रेखा चौहान, अनीता कुमारी, बिजली देवी, पूजा देवी, गंगोत्री सिंह, धात्री कश्यप, रीना देवी, दीपा सोनी, आरती बाउरी, नूतन झा, संध्या देवी, आशा देवी, उर्मिला देवी, प्रेमशिला देवी, सावित्री देवी, रीना मुखर्जी आदि शामिल थी।

पत्रकार सुभाष मिश्रा के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

धनबाद (कासं) : जिला शतरंज संघ ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। श्रद्धांजलि सभा पंडित

क्लीनिक रोड स्थित बाबूजी क दालान भुवनेश्वरी अपार्टमेंट में आयोजित की गई। सर्वप्रथम स्व. मिश्रा के तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया। सभा में उपस्थित धनबाद जिला शतरंज संघ के संरक्षक अरविंद कुमार सिन्हा ने स्व. मिश्रा बारे में कहा की धनबाद जिला शतरंज संघ के एक अभिन्न अंग थे तथा शतरंज खेल के जानकार थे। संघ के महासचिव मुकेश कुमार ने स्व. मिश्रा के दिवंगत आत्मा के लिए ईश्वर से कामना करते हुए कहा की स्व.मिश्रा धनबाद जिला शतरंज संघ के साथ हमेशा खड़ा रहे तथा शतरंज के बहुत अच्छे खिलाड़ी थे।

श्रद्धांजलि सभा में संघ के अध्यक्ष महेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष पंकज कुमार, कार्यकारी सदस्य सुखमय मुखर्जी आदि उपस्थित थे।

विधायक चन्द्रदेव ने तालाब जीर्णोद्धार कार्य का किया शिलान्यास

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो ने रविवार को आमटाल पंचायत बड़ा तालाब व पोखर

तालाब जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया। उक्त दोनों तालाबों का जीर्णोद्धार का कार्य डीएमएफटी फंड से किया जाएगा। आमटाल पहुंचने पर आमटाल के ग्रामीणों ने विधायक श्री महतो का गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। विधायक श्री महतो ने सरकार की सभी योजनाओं को जनजन तक पहुंचाने की जरूरत बताया। कहा कि आमटाल से बेड़ा कोलियरी तक जाने वाली सड़क का जल्द निर्माण होगा। मौके पर भाकपा माले के वरिष्ठ नेता प्रहलाद महतो, आनंदमयी पाल, मुखिया संजय गोराई, विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता, डॉ राजेश सिंह, भारत महतो, असित चटर्जी, सुजीत चंद्रा, लालू महतो, समीर मांझी, भोलानाथ पाल, बबलू बाउरी आदि थे।

महिला दिवस के मौके पर रक्तदान व सम्मान समारोह का आयोजन

धनबाद (कासं) : महिला दिवस के अवसर पर नेताजी सुभास चंद्र बोस समिति श्यामनगर मे रक्तदान सह महिला सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला दिवस महिला के शक्ति के संघर्ष और सफलता को दर्शाता है और उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रेरित करता है। आज इसी उपलक्ष्य में नेताजी सुभास चंद्र बोस समिति ने रक्तदान महादान का कार्यक्रम के साथ साथ महिला सम्मान भी रखा। क्यूंकि एक राष्ट्र निर्माण मे महिलाओ का भी एक बड़ा योगदान रहा है।

रक्तदान समारोह मे भूली से रेमा सिंह, अरुणा कुमारी, मो. इम्तिहान अंसारी मौजूद रही और अपने हाथों से रक्तदाता एवं रक्तदात्रियों को पौधा, मोमेंटो एवं प्रसशित पत्र देकर

सम्मान और उनकी हौसला आफजाई। साथ ही ब्लड कोर्डिनेटर सुदीप पांडेय ने रक्तदाताओं को रक्त सम्बंधित जानकारी भी दी। कुल ३० यूनिट रक्त संग्रह किया गया।साथ ही संस्था के मीडिया प्रभारी नीलकमल खावस ने बताया की रक्तदान करने से हम तीन लोगो की जान बच सकता है। आज के इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति के संयोजक राजेंद्र प्रसाद साहू, अध्यक्ष राकेश कांति बिस्वास, रोटी बैंक युथ क्लब के अध्यक्ष रवि शेखर, सचिव दिलबाग़ सिंह, नीलकमल खवास,सोनू कुमार, प्रदीप कुमार,राजीव बनर्जी, मुकेश कुमार, संदीप साव, सुजल साव, शुभम साव, रिंकल साथ ही महिलाओ मे अंकिता बिस्वास, अर्पिता विश्वास, पूर्णिमा विश्वास, मंजू सिंह, देबजानी मुखर्जी, पम्पा बैनर्जी ने अपना अहम योगदान दी।

महिला सशक्तिकरण समाज की प्रगति की आधारशिला : विधायक रागिनी

धनबाद/झरिया (कासं) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर झरिया के जेलगोरा गेस्ट हाउस में अखिल भारतीय धारी विकास मंच द्वारा प्रतिभा सम्मान सह मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व यदुराम ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झरिया की विधायक रागिनी सिंह उपस्थित हुई। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर आयोजन समिति के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक रागिनी सिंह ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाशाली महिलाओं एवं सामाजिक

कार्यकर्ताओं को शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने वालों में शिक्षा, समाज सेवा, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। अपने संबोधन में विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं बल्कि महिलाओं के सम्मान, उनके अधिकारों और उनके योगदान को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, राजनीति, प्रशासन, खेल, विज्ञान और व्यवसाय सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परचम लहरा रही हैं । उन्होंने कहा कि समाज के विकास और राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं को सम्मान और अवसर देने से ही एक सशक्त और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रोत्साहित करने और उनकी प्रतिभा को मंच देने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करते हैं।

विधायक रागिनी सिंह ने इस सराहनीय पहल के लिए आयोजन समिति और अखिल भारतीय धारी विकास मंच के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में प्रेरणा और जागरूकता का संदेश देते हैं तथा नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी समाजहित में इस तरह के आयोजन करते रहने का संकल्प लिया।

दुबई में सोना अंतरराष्ट्रीय भाव से सस्ता, ट्रेडर्स दे रहे भारी छूट

नई दिल्ली (ईएमएस): पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव का असर अब वैश्विक सोना बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण दुबई में सोने की ट्रेडिंग प्रभावित हुई है, जिसके चलते वहां सोना अंतरराष्ट्रीय कीमतों की तुलना में भारी छूट पर बिक रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार दुबई के ट्रेडर्स वैश्विक बेंचमार्क कीमत से करीब ३० डॉलर प्रति औंस तक का डिस्काउंट दे रहे हैं, जो भारतीय मुद्रा में लगभग २,७०० से २,८०० रुपये के बराबर है।

जानकारी के मुताबिक दुबई में ८ मार्च की सुबह सोने का भाव लगभग ५,१७३.७३ डॉलर प्रति औंस दर्ज किया गया। एक औंस में लगभग २८.३४ ग्राम सोना होता है। हालांकि इस कीमत पर भी ट्रेडर्स अतिरिक्त डिस्काउंट दे रहे हैं, क्योंकि मौजूदा हालात में सोने की शिपमेंट और सप्लाई चेन बाधित हो गई है।

दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण कई देशों के एयरस्पेस आंशिक रूप से बंद हो गए हैं और कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सोने की अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट आमतौर पर यात्री विमानों के कार्गो होल्ड के जरिए की जाती है।

उड़ानों पर प्रतिबंध लगने से दुबई जैसे बड़े बुलियन ट्रेडिंग हब से सोने का निर्यात प्रभावित हुआ है। इसके चलते सोने की खेप समय पर दूसरे देशों तक नहीं पहुंच पा रही है।

शिपिंग और इंश्योरेंस लागत में बढ़ोतरी के साथ-साथ डिलीवरी में अनिश्चितता भी बढ़ गई है। ऐसे में कई अंतरराष्ट्रीय खरीदार नए ऑर्डर देने से हिचकिचा रहे हैं। व्यापारियों के सामने स्टोरेज और फाइनेंसिंग की लागत तेजी से बढ़ने का दबाव है। इसी कारण वे अपने पास मौजूद सोने के स्टॉक को निकालने के लिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों से कम दर पर बिक्री करने को मजबूर हो रहे हैं।

दुबई लंबे समय से वैश्विक सोना व्यापार का एक प्रमुख केंद्र रहा है। यहां सोने की रिफाइनिंग, ट्रेडिंग और एक्सपोर्ट बड़े पैमाने पर होता है। स्विट्जरलैंड, ब्रिटेन और कई अफ्रीकी देशों से आने वाले सोने की खेप भी अक्सर दुबई के जरिए एशियाई बाजारों तक पहुंचती है। मौजूदा संघर्ष के चलते इस पूरी सप्लाई चेन पर असर पड़ा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर वैश्विक सोना बाजार पर और गहरा हो सकता है। भारत जैसे बड़े उपभोक्ता देश भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में फिलहाल स्थिति गंभीर नहीं मानी जा रही है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार देश में जनवरी के दौरान सोने का आयात अपेक्षाकृत अधिक हुआ था, जिससे बाजार में फिलहाल पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। हालांकि कुछ कार्गो शिपमेंट में देरी के कारण अल्पकालिक तौर पर भौतिक सोने की उपलब्धता में हल्की कमी देखी जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दुबई से सोने की सप्लाई में व्यवधान कई महीनों तक जारी रहता है तो भारत में सोने की कीमतों और उपलब्धता दोनों पर दबाव बढ़ सकता है। फिलहाल बाजार की नजर पश्चिम एशिया की स्थिति पर टिकी हुई है, क्योंकि वहां के घटनाक्रम से ही आने वाले समय में सोने के वैश्विक कारोबार की दिशा तय होगी।

रोहित पवार ने प्रफुल्ल पटेल को दी चुनौती

मुंबई,(ईएमएस): मुंबई में एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने एक बार फिर कथित विमान दुर्घटना में हुई अजित पवार की मौत को लेकर सवाल उठाए हैं। इस बार उन्होंने वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल को खुली चुनौती देते हुए पूरे मामले पर सार्वजनिक स्पष्टीकरण देने को कहा है।

रोहित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि प्रफुल्ल पटेल को लोगों को बताना चाहिए कि वह स्वार्थी हैं या फिर अजित दादा के सच्चे समर्थक। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस निजी कंपनी के विमान हादसे में अजित पवार की मौत हुई, उसके मालिक के परिवार के कार्यक्रम में प्रफुल्ल पटेल शामिल हुए थे। पोस्ट में रोहित पवार ने लिखा कि वीएसआर कंपनी के मालिक वी.के. सिंह के बेटे रोहित सिंह के राजस्थान में हुए विवाह समारोह में प्रफुल्ल पटेल शामिल हुए थे या नहीं, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि वे वहां नए थे, तो उस समारोह में कौन-कौन से नेता मौजूद थे और वे किस राजनीतिक दल से जुड़े थे, इसकी जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से ज्यादा बुद्धिमानः राहुल गांधी

नई दिल्ली,(ईएमएस) : राहुल गांधी ने कहा है कि वह ऐसे परिवार में पले-बढ़े हैं जहां महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे छात्राओं से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से ज्यादा समझदार और दूरगामी सोच रखने वाली होती हैं।

वीडियो में राहुल गांधी ने बताया कि कुछ दिन पहले केरल में दोपहर के भोजन के दौरान उनकी कुछ छात्राओं से मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा कि छात्राओं के सपनों, जिज्ञासाओं और आत्मविश्वास से काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं अपनी क्षमता को पहचानती हैं और खुले मन से आगे बढ़ती हैं, तो वे समाज में असाधारण बदलाव ला सकती हैं। राहुल ने यह भी लिखा कि हर महिला अद्वितीय होती है और उनकी संवेदनशीलता, समझ व भावनात्मक बुद्धिमत्ता समाज को संतुलन और दिशा देती है।

सांसद राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं को समाज के प्रतिबंधात्मक मानदंडों से बंधे रहने के बजाय अपनी पहचान, व्यक्तित्व और आकांक्षाओं के अनुसार आगे बढ़ने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए। बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी कहा, कि उनके परिवार में उनकी दादी इंदिरा गांधी परिवार की मुखिया थीं। राहुल ने कहा कि उनके परिवार में महिलाओं की संख्या हमेशा पुरुषों से ज्यादा रही है। उन्होंने दावा किया कि महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से ज्यादा बुद्धिमान होती हैं।

उनके अनुसार पुरुष अक्सर जल्दबाजी करते हैं और छोटी-छोटी बातों में उलझ जाते हैं, जबकि महिलाएं दूरगामी सोच रखती हैं और प्रत्यक्ष शक्ति के बजाय अप्रत्यक्ष शक्ति का प्रयोग करती हैं, जो अधिक प्रभावी होती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी शक्ति, साहस और सपने समाज को सकारात्मक भविष्य की ओर ले जाते हैं।

बुजुर्ग महिलाओं को 2,500 रुपये, विवाह में सोने की अंगूठी

चेन्नई,(ईएमएस): तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच अभिनेता-नेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई बड़े वादों की घोषणा की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मामल्लापुरम में आयोजित समारोह में विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए हर महीने २,५०० रुपये की आर्थिक सहायता, साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, विवाह के लिए आठ ग्राम सोना और सिल्क साड़ी देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि राज्य में जन्मे प्रत्येक बच्चे को सरकार की ओर से एक सोने की अंगूठी दी जाएगी, जो परिवार और बच्चों की भलाई का प्रतीक होगी।

विजय ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की और सार्वजनिक परिवहन में स्मार्ट पैनिक बटन लगाने की योजना भी साझा की। इसके अलावा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेज न्याय सुनिश्चित करने के लिए अंजलाई अम्मल फास्ट-ट्रैक अदालत का गठन किया जाएगा। राज्यभर में ५०० विशेष सुरक्षा टीमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करेंगी। उन्होंने 'कामराज शिक्षा आश्वासन स्कीम' के तहत कक्षा १ से १२ तक के छात्रों की शिक्षा बिना रुकावट पूरी करने की गारंटी देने की घोषणा की। इसके लिए परिवारों को सालाना १५,००० रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को ५ लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता देने का भी वादा किया गया। विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए अक्षापूर्णी सुपर ६ स्कीम के तहत साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देने, और शादी में महिलाओं की मदद के लिए अन्नन सीर योजना लागू करने की बात कही।

फिल्म अभिनेता कमल हासन ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के लिए लिखा ओपन पत्र

नई दिल्ली,(ईएमएस): फिल्म अभिनेता कमल हासन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक ओपन पत्र लिखा है। पत्र में हासन ने ट्रंप को अपने देश पर ध्यान देने की नसीहत दी है। कमल हासन ने ट्रम्प की उस नसीहत पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने भारत को रुस से तेल खरीदने की अस्थायी छूट दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमल हासन ने एक्स पर लिखा- सेवा में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। माननीय राष्ट्रपति जी, हम भारत के लोग एक आजाद और अपने फैसले खुद लेने वाले देश के नागरिक हैं। अब हम किसी दूसरे देश से आदेश नहीं लेते। कृपया अपने काम से काम रखिए। देशों के बीच आपसी सम्मान ही दुनिया में शांति बनाए रखने का सही तरीका है। हम आपके देश और वहां के लोगों के लिए शांति और तरक्की की कामना करते हैं। कमल हासन- एक प्राउड भारतीय नागरिक। संस्थापक- मक्कल नीधि माइअम। बता दें मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की २०फीसदी तेल सप्लाई होती है। ऐसे में भारत में भी तेल के दाम बढ़ने का अनुमान था। इसी बीच अमेरिका ने भारत को ३ अप्रैल तक रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट दी है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है।

कमल हासन की पोस्ट सामने आने के बाद कई यूजर्स सवाल उठा रहे हैं कि वह किस हैसियत से इंडिया की तरफ से बयान दे रहे हैं। कई लोग इसे ड्रामा बता रहे हैं तो कुछ का कहना है कि भारत को किसी भी देश की तरफ से कोई आदेश नहीं दिया गया है, जैसा कि कमल ने पोस्ट में कहा है।

चारधाम यात्रा में बाहरी व्यावसायिक वाहनों की मनमानी पर रोक, ट्रिप कार्ड से कसेगा शिकंजा

देहरादून(ईएमएस): उत्तराखंड में आगामी चारधाम यात्रा को सुव्यवस्थित करने और बाहरी राज्यों के व्यावसायिक वाहनों की मनमानी पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। अब ऑल इंडिया परमिट वाले बाहरी व्यावसायिक वाहनों के लिए ग्रीन कार्ड के साथ-साथ ट्रिप कार्ड रखना अनिवार्य होगा। इस नए नियम के तहत वाहन चालकों को यात्रियों का संपूर्ण विवरण उपलब्ध कराना होगा, अन्यथा उन्हें चेक पोस्ट से वापस लौटा दिया जाएगा।

आरटीओ प्रशासन ने केंद्र सरकार द्वारा अखिल भारतीय पर्यटक यान (परमिट) के नियमों में किए गए संशोधनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए हैं। नई गाइडलाइन के अनुसार, ट्रिप कार्ड यात्रियों और चालक की पूरी कुंडली खंगालेगा। इसमें चालक का नाम, यात्रियों के नाम और उनके स्थायी पते का विस्तृत ब्यौरा दर्ज करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही, उत्तराखंड की सीमा में प्रवेश करने से पहले जिस राज्य में अंतिम टोल कटा है, उसकी पर्ची और यात्रियों के ठहरने के लिए बुक किए गए होटल का विवरण भी दिखाना होगा। इस व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अब बाहरी राज्य के व्यावसायिक वाहन चारधाम रूट पर लगातार अपनी मनमानी नहीं चला सकेंगे। नए नियमों के मुताबिक, ६० दिन की अवधि पूरी करने के बाद वाहन को अनिवार्य रूप से एक बार अपने मूल राज्य वापस लौटना होगा।

यदि कोई वाहन चालक ऐसा नहीं करता है, तो इसे परमिट शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित वाहन के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभी तक की व्यवस्था में बाहरी राज्यों के वाहन स्वामी केवल ग्रीन कार्ड बनवाकर छह महीने तक लगातार उत्तराखंड के यात्रा रूटों पर वाहन संचालित करते थे और कपाट बंद होने के बाद ही वापस लौटते थे। इससे स्थानीय वाहन स्वामियों के रोजगार पर असर पड़ता था। अब ट्रिप कार्ड की अनिवार्यता और ६० दिन की समय सीमा लागू होने से बाहरी वाहनों की बेलगाम आवाजाही पर रोक लगेगी, जिसका सीधा लाभ उत्तराखंड के स्थानीय व्यावसायिक वाहन चालकों और मालिकों को मिलेगा। उनकी आय में वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक यात्रा रूट पर बनाए गए चेक पोस्ट पर इन दस्तावेजों की गहनता से जांच की जाएगी। आरटीओ प्रशासन ने एआरटीओ को निर्देश दिए हैं कि इन नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों या कर्मियों के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। इस पहल का उद्देश्य यात्रा को सुरक्षित बनाना और परिवहन व्यवस्था में पारदर्शिता लाना है।

खौफनाक मंजर के बीच अपने घर पहुंचना किसी बड़ी राहत से कम नहीं

नई दिल्ली,(ईएमएस): दुबई में छुट्टियां बिताने गईं एक्ट्रेस सुभाश्री गांगुली अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण करीब एक हफ्ते तक वहां फंसी रहने के बाद भारत लौट आई हैं। बेटे युवान के स्कूल की छुट्टियों का आनंद लेने गई एक्ट्रेस को वहां युद्ध जैसे हालात और एयरस्पेस की पाबंदियों का सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की स्थिति 'बहुत डरावनी' थी। वह मानसिक रूप से इतनी परेशान दिखीं कि उन्होंने ज्यादा बात करने से इनकार कर दिया और कहा कि मुश्किल समय में फैंस के प्यार और दुआओं ने ही उन्हें हिम्मत दी। सफर में आई रुकावटों के बीच घर पहुंचना उनके लिए किसी बड़ी राहत से कम नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुभाश्री ही नहीं, एक्ट्रेस सोनल चौहान भी इस संकट के बीच दुबई में फंसी हुई थीं। हालात इतने बिगड़ गए थे कि फ्लाइट्स लगातार कैंसिल हो रही थीं और घर लौटने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था।

ऐसे में सोनल ने सीधे पीएम मोदी से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए मदद की गुहार लगाई। उन्होंने अपनी पोस्ट में सरकार से रास्ता दिखाने और सुरक्षित वापसी की विनती की। उनकी इस अपील पर सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया, जहां कुछ लोगों ने उनके प्रति सहानुभूति दिखाई, वहीं कुछ ने पीएम को टैग करने पर उन्हें ट्रोल भी किया। खैर ३ मार्च को वह मुंबई लौट आईं और इंस्टाग्राम पर 'आई एम कमिंग होम' गाने के साथ अपनी खुशी जाहिर की।

बता दें दुबई में चल रहे संकट की चपेट में सिर्फ ये दो अभिनेत्रियां ही नहीं, बल्कि खेल और सिनेमा जगत की कई और हस्तियां भी थीं।

बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु, ईशा गुप्ता, अजीत कुमार और एरिका फर्नांडिस यहां फंसी गई थीं, जिन्हें फ्लाइट्स बंद होने के कारण वहां रुकना पड़ा। धीरे-धीरे हालात संभलने पर इन सभी ने सोशल मीडिया के जरिए अपने सुरक्षित घर पहुंचने की जानकारी साझा की और फैंस को राहत दी। यह पूरा हफ्ता इन सितारों और उनके परिवारों के लिए बेहद तनावपूर्ण रहा, लेकिन सरकार की सक्रियता और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के दोबारा शुरू होने से आखिरकार सब सुरक्षित अपने मुल्क लौट आए हैं।

पंजाब सरकार ने महिलाओं को प्रतिमाह हजार रुपये देने का किया ऐलान

चंडीगढ़,(ईएमएस): पंजाब विधानसभा में राज्य सरकार ने वित्त वर्ष २०२६-२७ के लिए २,६०,४३७ करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह बजट मां-बेटियों को समर्पित है और सरकार की गारंटियों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पंजाब सरकार ने आगामी २०२७ विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। बजट में हर महिला को १००० रुपये प्रति माह देने की योजना के लिए प्रावधान रखा गया है। यह वादा आम आदमी पार्टी ने २०२२ के विधानसभा चुनाव के दौरान किया था। वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए कहा, कि वर्ष २०२६-२७ में शिक्षा क्षेत्र के लिए १९,२७९ करोड़ का बजट रखा गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब ७ प्रतिशत अधिक है। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकारी अस्पतालों में करीब ३०० करोड़ रुपये के आधुनिक चिकित्सा उपकरण और मशीनें खरीदी जा रही हैं।

सरकार ने राज्य के २३ जिला अस्पतालों और ४२ उप-डिवीजनल अस्पतालों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए कई सुधारात्मक कदम उठाए हैं। इन अस्पतालों में स्वच्छता, मरीजों की सुविधाओं और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार किया गया है। इसके साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विशेष विंग स्थापित किए जा रहे हैं।

राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए आम आदमी क्लीनिक का विस्तार किया जाएगा। चालू वर्ष में १०० नए क्लीनिक शुरू किए जा रहे हैं, जबकि वित्त वर्ष २०२६-२७ में १४३ और क्लीनिक स्थापित करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा ३०८ सहायक स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड कर आम आदमी क्लीनिक में बदला जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के पांच साल के कार्यकाल में राज्य में कुल १,४३२ आम आदमी क्लीनिक स्थापित हो जाएं। इस योजना के लिए वर्ष २०२६-२७ में ₹३५१ करोड़ का बजट प्रस्तावित किया गया है।

सरकार का कहना है कि इन योजनाओं से राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार होगा तथा आम लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

बजट पेश करने से पहले हरपाल चीमा ने अपनी माता मंजीत कौर का आशीर्वाद लिया और स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह तथा संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर को नमन किया। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से मुलाकात की। बजट दस्तावेज को पारंपरिक फुलकारी कवर में प्रस्तुत किया गया।

युद्ध गप्प विरुद्ध पोस्टर लगा कांग्रेस ने आप को घेरा

जालंधर,(ईएमएस): जालंधर में कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ चुनावी प्रचार तेज करते हुए युद्ध गप्प विरुद्ध अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत नकोदर और शाहकोट समेत कई इलाकों में पोस्टर लगाए गए हैं, जो राजनीतिक चर्चा का केंद्र बने हुए हैं।

पोस्टरों में स्पष्ट रूप से लिखा गया है युद्ध गप्प विरुद्ध और पंजाब सरकार पर महिलाओं के लिए किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया गया है। इन पोस्टरों में अखबार पकड़े एक महिला की तस्वीर दिखाई गई है, जबकि नकोदर क्षेत्र में लगे पोस्टरों पर शाहकोट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हरदेव सिंह लाडी शेरोवालिया और नवजोत सिंह दहिया की तस्वीरें भी शामिल हैं।

हाईकोर्ट ने दिया विदेशी जहाज को गिरफ्तार करने का आदेश

नई दिल्ली,(ईएमएस): आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने विशाखापट्टनम पोर्ट पर खड़े विदेशी बल्क कैरियर एमवी पोलर स्टार को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई लातवियाई शिप मैनेजमेंट कंपनी द्वारा जहाज मालिकों के खिलाफ बकाया भुगतान के विवाद के चलते हुई। कंपनी का दावा है कि जहाज मालिक ने मैनेजमेंट कॉन्ट्रैक्ट के तहत देय रकम का भुगतान नहीं किया, जो करीब ८.३३ लाख डॉलर (७.६ करोड़ रुपए से ज्यादा है। कोर्ट ने एडमिरल्टी जूरिस्डिक्शन का इस्तेमाल करते हुए जहाज को तब तक डिटेन रखने का निर्देश दिया जब तक मालिक दावा राशि जमा या स्वीकार्य सिक्योरिटी पेश नहीं करते।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री कानून के मुताबिक जहाज की गिरफ्तारी का मतलब यह नहीं कि जहाज को जब्त कर लिया गया है, बल्कि उसे बंदरगाह से बाहर निकलने की इजाजत नहीं दी जाती है। यह कदम विवादित राशि की वसूली के लिए उठाया जाता है। जहाजों का ऑपरेशन महंगे और दैनिक रूप से लाखों डॉलर का होता है, इसलिए डिटेंशन मालिकों पर वित्तीय दबाव डालता है। इस मामले में कोर्ट ने साफ किया कि जहाज का पूरा ढांचा, इंजन, मशीनरी, उपकरण, फर्नीचर, ईंधन और अन्य तकनीकी सामान अरेस्ट के दायरे में होंगे, हालांकि कार्गो की लोडिंग और अनलोडिंग जारी रह सकती है।

विदेशी जहाज पर भारत का कानून कैसे लागू होता है, यह समुद्री कानून के सिद्धांतों के तहत समझा जा सकता है। जब कोई विदेशी जहाज किसी देश के पोर्ट या सीमा में प्रवेश करता है, तो वह अस्थायी रूप से उस देश के कानून के अधीन हो जाता है। इसके तहत जहाज पर मौजूद लोग स्थानीय नियमों का पालन करने के लिए बाध्य होते हैं और यदि जहाज से संबंधित कोई विवाद होता है तो स्थानीय कोर्ट कार्रवाई कर सकती है। एमवी पोलर स्टार के विशाखापत्तनम पोर्ट पहुंचते ही यह जहाज भारत के कानून के दायरे में आ गया। इस विवाद की शुरुआत एक शिप मैनेजमेंट एग्रीमेंट से हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक लातविया की डॉनस शिप मैनेजमेंट सिया ने ५ सितंबर २०२४ को जहाज के मालिकों के साथ समझौता किया था। समझौते के मुताबिक कंपनी जहाज के संचालन, क्रू की भर्ती, तकनीकी रखरखाव, मशीनरी खरीद और सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करती। इसके एवज में मालिक को प्रति माह १७,५०० डॉलर की मैनेजमेंट फीस और अन्य संचालन खर्च चुकाने थे।

कंपनी का आरोप है कि मालिक लगातार भुगतान में चूक करते रहे और अक्टूबर २०२५ में हुए सेटलमेंट एग्रीमेंट के बावजूद भी पहली किस्त का भुगतान नहीं हुआ। वर्तमान में बकाया राशि ८,३३,१४८ डॉलर बताई गई है, जिसमें मैनेजमेंट फीस, ऑपरेशन खर्च और कानूनी खर्च शामिल हैं।

कंपनी ने कोर्ट को बताया कि भुगतान के लिए कई बार ईमेल भेजे गए, लेकिन कोई ठोस जवाब नहीं मिला। इसलिए जहाज के भारत पहुंचते ही कोर्ट से अरेस्ट का आदेश लिया गया। अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार में जहाजों की गिरफ्तारी एक महत्वपूर्ण कानूनी उपाय है। दुनिया का करीब ९० फीसदी व्यापार समुद्री मार्गों से होता है, और यह नियम तय करता है कि सेवा देने वाली कंपनियों को समय पर भुगतान मिले और कॉन्ट्रैक्ट का पालन हो।

निशांत कुमार ने जेडीयू की सदस्यता ग्रहण की

पटना (एजेंसी): मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने आखिरकार जेडीयू ज्वाइन कर ली. पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें (निशांत कुमार) पार्टी की सदस्यता दिलाई. तो वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने निशांत कुमार को पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया. इस दौरान निशांत कुमार ने दोनों वरिष्ठ नेताओं के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया. पार्टी की सदस्यता लेने के बाद निशांत कुमार ने सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह पार्टी को आगे बढ़ाने का पूरा प्रयास करेंगे.

जेडीयू ज्वाइन करने के बाद निशांत कुमार ने कहा कि मेरे पिता जी ने राज्यसभा जाने का निर्णय लिया है, ये उनका निजी फैसला है. मैं उसे स्वीकार करता हूं, आदर करता हूं. हम सब नीतीश कुमार के निर्देशन में काम करेंगे. आपका जो विश्वास, पार्टी ने और जनता ने जो मुझपर विश्वास किया है, मैं उस पर खरा उतरने का काम करूंगा. पापा ने जो २० साल में किया, उसे जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश करूंगा और जनता के हृदय में अपना घर करने की कोशिश करूंगा. मेरे पिताजी ने जो २० साल में किया है, वह सबको याद रहेगा. मुझे गर्व है, जो भी पिताजी ने २० वर्षों में किया है. सारे बिहारवासियों, देशवासियों, सबको मेरे पिता जी पर गर्व है.

मंच पर जेडीयू के सारे बड़े नेता मौजूद थे, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद नहीं थे. इसको लेकर भी अटकलबाजी देखने को मिल सकती है. कुछ लोगों का मानना है कि नीतीश कुमार परिवारवाद के सख्त खिलाफ हैं और नहीं चाहते थे कि निशांत पार्टी ज्वाइन करें. हालांकि, निशांत कुमार ने साफ कहा कि पिता जी ने राज्यसभा जाने का निर्णय खुद से लिया है और वह उनके फैसले का सम्मान करते हैं. नीतीश कुमार के काफी करीबी रहे आरसीपी सिंह ने एक्स पर पोस्ट करके लिखा कि प्रिय निशांत आपको सक्रिय राजनीति में आने के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद.

जॉबी जॉर्ज को दो साल की जेल

कोच्चि(ईएमएस): कोच्चि की एक कोर्ट ने केरल के फिल्म प्रोड्यूसर जॉबी जॉर्ज को धोखाधड़ी के दो मामलों में दो-दो साल की जेल की सजा सुनाई है। एडिशनल सेशंस कोर्ट के जज सबरीनाथन पी ने जॉबी जॉर्ज (४९) को विदेश में नौकरी और बिजनेस के मौके दिलाने के दो मामलों में दोषी पाया। कोर्ट ने प्रोड्यूसर जॉबी जॉर्ज की मां एलिस जॉर्ज और पत्नी सुनीमोल को शनिवार को दोनों मामलों में बरी कर दिया गया। जॉर्ज कई मलयालम फिल्मों के प्रोड्यूसर हैं, जिनमें 'किष्किंधा कंदम', 'कावल' और 'शायलॉक' शामिल हैं। जॉबी जॉर्ज को बीजू वर्गीस और डार्ली बीजू नाम के एक कपल को धोखा देने का दोषी पाया गया। प्रोड्यूसर ने उन्हें लंदन में बिजनेस शुरू करने में मदद करने का वादा किया था।

शंकराचार्य पर केस कराने वाले ब्रह्मचारी पर ट्रेन में हमला, नाक काटने की कोशिश

प्रयागराज(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले में सिराथू रेलवे स्टेशन के पास एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ कानूनी मोर्चा खोलने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी पर चलती ट्रेन में जानलेवा हमला किया गया है। हमलावरों ने धारदार हथियार से उनके चेहरे पर कई वार किए और उनकी नाक काटने की कोशिश की। लहूलुहान हालत में आशुतोष ब्रह्मचारी ने किसी तरह ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर अपनी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार, आशुतोष ब्रह्मचारी ट्रेन के जरिए प्रयागराज की ओर जा रहे थे। जैसे ही ट्रेन सिराथू स्टेशन के पास पहुंची, पहले से घात लगाकर बैठे अज्ञात हमलावरों ने उन पर धावा बोल दिया। चश्मदीदों के मुताबिक, हमलावर पूरी तैयारी के साथ आए थे। उन्होंने आशुतोष को घेर लिया और सीधे उनके चेहरे को निशाना बनाना शुरू कर दिया। हमले का मुख्य उद्देश्य उनकी नाक काटना था, जिससे उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। अचानक हुए इस हमले से बोगी में अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए पीड़ित भागकर टॉयलेट में घुस गए और अंदर से कुंडी लगा ली। हमलावरों ने दरवाजा तोड़ने का भी प्रयास किया, लेकिन यात्रियों के शोर मचाने और सक्रिय होने के कारण वे मौके से फरार हो गए। प्रयागराज पहुंचने पर पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी और प्राथमिक उपचार कराया। आशुतोष ब्रह्मचारी ने इस हमले के पीछे एक गहरी साजिश का आरोप लगाया है। पुलिस को दी गई अपनी तहरीर में उन्होंने ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानन्द और उनके अन्य सहयोगियों को नामजद किया है। आशुतोष का दावा है कि चूंकि उन्होंने शंकराचार्य के विरुद्ध न्यायालय में कानूनी कार्यवाही शुरू की है, इसलिए उनकी जान लेने और उन्हें विद्रूप करने की यह योजना बनाई गई थी। उन्होंने बताया कि उन्हें काफी समय से धमकियां भी मिल रही थीं। फिलहाल, प्रयागराज पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। चूंकि घटना स्थल कौशाम्बी के सिराथू के पास का है, इसलिए राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और स्थानीय पुलिस संयुक्त रूप से सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन में मौजूद यात्रियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और साक्ष्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद से धार्मिक और राजनीतिक हलकों में तनाव का माहौल है।

बिग बी अमिताभ ने अयोध्या में किया भारी निवेश

अयोध्या,(ईएमएस) : बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन का नाम सुनते ही ज्यादातर लोग फ़िल्मों, दमदार डायलॉग के बारे में सोचते हैं, लेकिन हाल ही में इस बार अमिताभ किसी फ़िल्म या टेलीविज़न शो को लेकर नहीं बल्कि अपने बिज़नेस को लेकर खबरों में बने हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिग बी ने अयोध्या में एक और बड़ी प्रॉपर्टी खरीदी है। यह सिर्फ़ ज़मीन खरीदने के बारे में नहीं है बल्कि असल में इससे यह दिखाता है कि कैसे भारत के सबसे मशहूर एक्टर में से एक लंबे समय के इन्वेस्टमेंट की प्लानिंग कर रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अमिताभ बच्चन ने रियल एस्टेट कंपनी से अयोध्या में करीब ३५ करोड़ में २.६७ एकड़ जमीन खरीदी है। जमीन का यह टुकड़ा ७५ एकड़ के बड़े लग्ज़री लैंड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट द सरयू के पास है। यह ट्रांज़ैक्शन के मैनेजिंग डायरेक्टर ने किया जो बच्चन के कई बिज़नेस इन्वेस्टमेंट को मैनेज करता है। असल में यह नई खरीदारी मंदिर शहर में उनका तीसरा इन्वेस्टमेंट है और फर्म के साथ कुल मिलाकर चौथी प्लॉटेड डेवलपमेंट खरीदारी है। पिछले कुछ सालों में, अमिताभ ने धीरे-धीरे शहर में अपनी प्रॉपर्टी की पहुंच बढ़ाई है। २०२४ में, उन्होंने सरयू प्रोजेक्ट में करीब १४.५ करोड़ कीमत का १०,००० स्क्वायरफिट का प्लॉट खरीदा था। २०२५ में उन्होंने सरयू प्रोजेक्ट के पास करीब ४० करोड़ में २५,००० स्क्वायरफिट जमीन का टुकड़ा खरीदा था। अब उन्होंने उसी डेवलपमेंट के पास करीब ३५ करोड़ में २.६७ एकड़ ज़मीन खरीदी है।

इन इन्वेस्टमेंट से पता चलता है कि अमिताभ बच्चन को अयोध्या के प्रॉपर्टी मार्केट में लंबे समय का मज़बूत पोटेंशियल दिखता है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड आइकॉन ने एक और प्रोजेक्ट सोल डे अलीबाग में भी इन्वेस्ट किया है, जहां उन्होंने लगभग १० करोड़ की कीमत का १०,००० स्क्वायरफिट जमीन का टुकड़ा खरीदा है। यह इन्वेस्टमेंट दिखाता है कि एक्टर कैसे धीरे-धीरे अलग-अलग जगहों पर अपने लग्ज़री रियल-एस्टेट पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई कर रहे हैं। अयोध्या तेज़ी से भारत के सबसे चर्चित रियल-एस्टेट डेस्टिनेशन में से एक बन गया है। हर साल लाखों तीर्थयात्रियों और टूरिस्ट के शहर में आने की उम्मीद है, जिससे होटल, जमीन के डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर की भारी डिमांड पैदा हुई है।

मौसम ने बिखेरे रंग कहीं गर्मी, कहीं बारिश

नई दिल्ली(ईएमएस) : रंगों से भरा होली पर्व का उत्सव अब समाप्त हो गया है। इसके साथ ही मौसम ने अपने रंग बिखेरना शुरु कर दिया है। देश में इस वक्त तीन तरह की मौसमी रंग दिखाई दे रहे हैं। एक वो इलाका है जहां रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है तो दूसरा वो क्षेत्र है जहां बारिश हो रही है और तीसरे इलाके में बर्फबारी की संभावना है। महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्य भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) की चपेट में हैं।

सीएम कुर्सी छोड़ने से पहले नीतीश 10 मार्च से समृद्धि यात्रा और प्रगति यात्रा निकालेंगे

पटना,(ईएमएस): बिहार के सीएम नीतीश कुमार १० मार्च से सीमांचल और कोसी क्षेत्र के विकास कार्यों का जायजा लेने 'समृद्धि यात्रा' और 'प्रगति यात्रा' पर निकलेंगे। इस यात्रा में उनका मुख्य पड़ाव मधेपुरा होगा, जहां वे तीन दिनों तक रुकेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत १० मार्च को सुपौल से होगी, जिसके बाद सीएम मधेपुरा पहुंचेंगे। मधेपुरा में वे नवनिर्मित पुलिस लाइन का लोकार्पण करेंगे। अपनी इस सघन यात्रा में सीएम नीतीश सीमांचल के छह प्रमुख जिलों मधेपुरा, किशनगंज, अररिया, कटिहार, पूर्णिया और सहरसा के साथ खगड़िया का भी दौरा करेंगे।

जानकारी के मुताबिक ११ मार्च को वे किशनगंज और अररिया में प्रगति यात्रा के तहत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करेंगे, जबकि १२ मार्च को कटिहार और पूर्णिया में उनके कार्यक्रम तय है। यात्रा के अंतिम चरण में १३ मार्च को वे मधेपुरा से सहरसा और खगड़िया के लिए रवाना होंगे। सीएम की इस यात्रा का उद्देश्य जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को देखना और जनता से सीधे संवाद करना है।

बता दें बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की चर्चाओं के बीच उनके पुत्र निशांत कुमार रविवार को आधिकारिक तौर पर जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ग्रहण करेंगे। पटना स्थित पार्टी कार्यालय में उनके भव्य स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जानकारी के मुताबिक पार्टी में शामिल होने के तुरंत बाद निशांत भी बिहार के विभिन्न क्षेत्रों के व्यापक दौरे पर निकलेंगे, जिसका उद्देश्य सीधे जनता से संवाद स्थापित करना और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करना है।

निशांत की एंट्री को नीतीश कुमार की विरासत संभालने के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी के अंदर उन्हें सीएम बनाने की मांग पहले ही उठ चुकी है, हालांकि सूत्रों का दावा है कि उनकी शुरुआती 'लॉन्चिंग' डिप्टी सीएम और गृह मंत्री जैसे अहम पदों के साथ हो सकती है। सत्ता परिवर्तन के इस दौर में निशांत का सक्रिय राजनीति में आना न केवल जेडीयू के भविष्य को नई दिशा देगा, बल्कि बिहार के आगामी राजनीतिक समीकरणों को भी पूरी तरह से बदल सकता है।

पेड़ से टकराई यूपी पुलिस की गाड़ी, चार घायल

मुंगेर (ईएमएस): बिहार के मुंगेर जिले के शामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत घपरी मोड़ के समीप शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया।

इस दुर्घटना में उत्तर प्रदेश पुलिस के चार जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के बांस थाना की एक पुलिस टीम सरकारी कार्य से मुंगेर से जमुई की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक को अचानक झपकी आ जाने के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे एक विशाल पेड़ से जा टकराया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पुलिस वाहन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी में सवार चारों पुलिसकर्मी-नीरज राय, अभिजीत उपाध्याय, संजीत सिंह और जयप्रकाश यादव-वाहन के अंदर ही फंस गए और लहूलुहान हो गए। घटना की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही शामपुर ११२ की टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला।

सभी घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत अनुमंडल अस्पताल हवेली खड़गपुर में भर्ती कराया गया। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि प्राथमिक जांच में नीरज राय और जयप्रकाश यादव की स्थिति काफी नाजुक पाई गई।

प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए इन दोनों को सदर अस्पताल मुंगेर रेफर कर दिया गया है। वहीं, अभिजीत उपाध्याय और संजीत सिंह का इलाज अनुमंडल अस्पताल में ही चल रहा है, जहां उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

हादसे की खबर मिलते ही शामपुर थाना की पुलिस टीम अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। विभागीय स्तर पर भी इस घटना की जानकारी उत्तर प्रदेश के संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है। प्रारंभिक जांच में मानवीय चूक और चालक की थकान को दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है।

प्रेमिका ने देवर के साथ मिलकर की थी प्रेमी की हत्या

पटना (एजेंसी): पटना के परसा बाजार थाना क्षेत्र में एक साल पहले मिले अज्ञात युवक के शव मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि युवक की हत्या उसकी प्रेमिका ने अपने देवर और उसके दोस्त के साथ मिलकर की थी। मृतक महिला को न्यूड वीडियो भेजकर ब्लैकमेल कर रहा था. दरअसल, १८ मार्च २०२५ को परसा बाजार थाना अंतर्गत पलंग गांव के पास एक युवक का शव बरामद हुआ था. शव पर धारदार हथियार के कई निशान थे और गला रेतकर हत्या की गई थी. उस समय मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी. मामले की जांच के बाद पुलिस ने मृतक की पहचान जहानाबाद के महादेव शाह के रूप में की. पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस ने मृतक की प्रेमिका पुष्पा देवी, उसके देवर आलोक कुमार और ऑटो चालक सन्नी कुमार को गिरफ्तार किया है. इस मामले में एक अन्य आरोपी फिलहाल फरार है. आरोपी आलोक कुमार गांव में निजी मेडिकल क्लिनिक चलाता था. घटना के बाद उसने क्लिनिक बंद कर दिया और पटना आकर महेंद्रू इलाके में रहकर दारोगा की तैयारी करने लगा. पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि मृतक महादेव शाह शादी के बाद भी उसकी भाभी को न्यूड वीडियो और तस्वीर भेजकर ब्लैकमेल करता था और संबंध बनाने का दबाव बना रहा था.

जहां बेटी सुरक्षित, वहां प्रगति सुनिश्चित : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी): 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की 'नारी शक्ति' के नाम एक पाती सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को अपनी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। सीएम योगी की पाती में प्रदेश की नारी शक्ति को याद करते हुए उन्होंने कहा है कि सशक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

मुख्यमंत्री ने लिखा २०१७ से पहले महिलाओं के साथ अपराध आम बात थी. आज प्रदेश में बेटियां सुरक्षित हैं. स्पष्ट नीति और साफ नीयत से यह संभव हुआ है. बेटियां रात की पाली में भी काम कर रही हैं. मिशन शक्ति,एंटी रोमियो अभियानों ने अपराधियों के मन में डर पैदा किया है. जहां बेटियां सुरक्षित और सम्मानित होती हैं, वहां समाज सतत प्रगति करता है.

आज छात्राओं के ड्रॉपआउट रेट,मातृ मृत्यु दर,शिशु मृत्यु दर में अभूतपूर्व आई गिरावट आई है. शिक्षा से रोजगार तक बेटियों को समान अवसर मिल रहा है. यूपी की नारी शक्ति आज स्वावलंबन का नया अध्याय रच रही है.

बीसी सखी, लक्ष्मी दीदी, ड्रोन दीदी, स्वास्थ्य सखी, सूर्य सखी परिवार के साथ प्रदेश को सशक्त कर रहीं हैं. सीएम योगी ने लिखा नारी का सम्मान समस्त समाज के लिए सर्वोपरि हो. स्मरण रहे माँ एवं मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है. नारी का सम्मान समस्त समाज के लिए सर्वोपरि होना चाहिए.

महिला दिवस पर 5 हजार बेटियों को नौकरी का तोहफा

लखनऊ (एजेंसी): महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार एक बड़ा कदम उठाया. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लखनऊ में 'पिंक रोजगार महाकुंभ २०२६' का आयोजन किया. इस रोजगार मेले में हजारों महिलाओं को सीधे नौकरी पाने का मौका मिला. सीएम योगी ने नारी शक्ति अवॉर्ड सौंपा. इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि आज बेटी के जन्म पर खुशी होती है.

पिंक रोजगार महाकुंभ का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया. शुभारंभ के बाद कुछ प्रमुख कंपनियों के लिए चयनित युवतियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण भी किया. इस अवसर पर श्रम एवं सेवायोजन विभाग के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, राज्य मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी, प्रमुख सचिव डॉ. एमके शन्मुगा व निदेशक नेहा प्रकाश शामिल रहे.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस २०२६ के अवसर पर पिंक रोजगार महाकुंभ २०२६ में ५,००० महिलाओं को रोजगार के ऑफर दिए गए. रोजगार उपलब्ध कराने वाले प्लेटफॉर्म 'रोजगार संगम पोर्टल' के मोबाइल ऐप की लॉन्चिंग, ९४ नव-नियुक्त मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्रों का वितरण, उत्कृष्ट महिला कार्मिकों और मेधावी बालिकाओं का सम्मान एवं नारी शक्ति अवॉर्ड, कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थी बालिकाओं को चेक बांटे गए. आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के बीमा प्रीमियम और साड़ी/वर्दी हेतु ₹३,८४९ लाख की धनराशि का डीबीटी अंतरण कार्यक्रम है.

राजधानी और प्रदेश से आईटीआई, डिप्लोमा, मेडिकल व अन्य शैक्षिक योग्यता धारक युवतियों को विदेश में नौकरी का अवसर मिला. गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के समागार में रविवार को पिंक रोजगार महाकुंभ लगा. यहां विदेश की तीन प्रमुख कंपनियों में करीब १७१ पदों पर युवतियों का १.१५ लाख महीने तक की सैलरी पर सिलेक्शन होगा. पिंक रोजगार महाकुंभ में ५० से ज्यादा कंपनियां शामिल होंगी. इनमें खाली १००० सीटों पर करीब ५००० युवतियों को मौके पर नौकरी देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

रोजगार महाकुंभ में शामिल होने वाली प्रत्येक युवतियों का संगम पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जरूरी है. जिन युवतियों ने अभी तक पंजीकरण नहीं करा सकी हैं. रोजगार महाकुंभ में साक्षात्कार देने के दौरान जरूरी दस्तावेज का होना जरूरी है. ऐसे में सभी युवतियों से अपील है कि अपने साथ-जरूरी दस्तावेज और उसकी फोटो कॉपी, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड साथ लाएं.

मौलाना को अटल चौक पर फांसी दो

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश में उस वक्त बवाल मच गया, जब बिहार के मौलाना अब्दुल्ला सलीम ने एक मजहबी जलसे में सीएम योगी आदित्यनाथ की मां के खिलाफ अभद्र और भड़काऊ टिप्पणी कर दी. अब लखनऊ में मौलाना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं. यहां हजरतगंज में युवाओं ने न सिर्फ प्रदर्शन किया, बल्कि विधानसभा के सामने अब होर्डिंग भी लगाई गई है.

इस होर्डिंग में लिखा गया, 'योगी जी की मां का अपमान नहीं सहेगा हिंदू समाज'. इतना ही नहीं होर्डिंग में ये भी लिखा गया, 'मौलाना को अटल चौक पर फांसी दो'. इससे पहले लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर युवाओं और छात्र नेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों ने मौलाना अब्दुल्ला सलीम का पुतला भी फूंका. इसके साथ ही उन्होंने शासन-प्रशासन से आरोपी मौलाना की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की. हालात को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा.

प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा है कि अगर अगले चार दिनों के भीतर आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होगी तो यह आंदोलन सिर्फ लखनऊ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे यूपी में उग्र प्रदर्शन किए जाएंगे. इन प्रदर्शनकारियों ने सीएम योगी की मां की सुरक्षा बढ़ाने की भी मांग की. काफी देर तक चले हंगामे और नारेबाजी के बीच पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की.

अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि कानून सम्मत कार्रवाई की जा रही है और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा. अधिकारियों के इस आश्वासन पर प्रदर्शनकारी शांत हुए, हालांकि, उन्होंने साफ कर दिया कि जब तक आरोपी मौलाना की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक वे शांत नहीं बैठेंगे.

दरअसल, रमजान के पवित्र महीने के दौरान बिहार में एक मजहबी जलसे का आयोजन किया गया था. जिसमें तकरीर करते हुए जाने-माने मौलाना अब्दुल्ला सलीम ने भाषाई मर्यादा की सारी हदें पार कर दी. जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ. वायरल वीडियो में मौलाना उत्तर प्रदेश में गौकशी के खिलाफ लागू सख्त कानूनों की आलोचना करते दिखे. इतना ही नहीं उन्होंने सीएम योगी की बुजुर्ग माता जी के लिए अपशब्दों का प्रयोग भी किया.

उन्होंने अपने शर्मनाक वाक्यों को कई बार दोहराया. वायरल वीडियो पर कई यूजर्स ने तीखी प्रतिक्रिया दी.

गाय के मांस से आय करने वालों को कभी माफ नहीं करेगा सनातन समाज

लालगंज /रायबरेली(ईएमएस) : ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार को लालगंज पहुंचे। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने मीडिया और अनुयायियों को संबोधित किया। बृजेंद्र नगर के दुर्गा माता मंदिर परिसर में शंकराचार्य ने कहा कि जो व्यक्ति गौ माता को मानता है वह उस पर अत्याचार नहीं कर सकता। जो ऐसा करता है, वह किसी भी दशा में हिंदू नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि गाय के मांस से आय करने वालों को सनातन समाज कभी माफ नहीं करेगा।

उन्होंने प्रयागराज में बटुकों के साथ हुई मारपीट और उनकी चोटी खींचने की घटना पर भी प्रतिक्रिया दी। कहा कि बटुकों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले दोषियों के खिलाफ सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा कोई विधर्मी करता तो समझ में आता, लेकिन जो खुद को हिंदू कहते हैं और हिंदुओं के वोट से सत्ता में आते हैं, उन्हीं के शासन में ऐसी घटनाएं होना चिंताजनक है। शंकराचार्य ने कहा कि चोटी सनातन धर्म की ध्वजा के समान है। चोटी खींचना सनातन धर्म की ध्वजा पर प्रहार करने जैसा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि ऐसी घटनाओं पर कार्रवाई नहीं होती और पुलिस भी ऐसा करती है या उसका समर्थन होता है, तो वहां हिंदुओं की सरकार कैसे मानी जा सकती है। उन्होंने कहा कि गौ प्रतिष्ठा को लेकर धर्मयुद्ध का शंखनाद चल रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी ११ मार्च को लखनऊ के मान्यवर कांशीराम जी सांस्कृतिक स्थल पर गौ माता को राज्य माता और राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर कार्यक्रम होगा। उन्होंने लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेसी नेता महेश प्रसाद शर्मा ने किया।

किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बोलीं- अपनी आय के स्रोतों को विविध और बहुआयामी बनाना आज की सबसे बड़ी जरूरत

रांची (एजेंसी): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रांची के नामकुम स्थित राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान में दो दिवसीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि किसानों के लिए अपनी आय के स्रोतों को विविध और बहुआयामी बनाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।उन्होंने कहा कि विशेष रूप से महिला किसान न केवल अपने परिवार और समाज बल्कि पूरे झारखंड और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उद्यमी के रूप में बनाई नई पहचान

उन्होंने कहा कि झारखंड की महिला किसानों ने अपनी मेहनत और संघर्ष के बल पर कृषि और उससे जुड़े व्यवसायों को विकसित कर उद्यमी के रूप में नई पहचान बनाई है। ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना इसका एक बड़ा उदाहरण है, जो महिलाओं के प्रति सरकार की संकल्पबद्धता को दर्शाता है।

योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबुबकर सिद्दिकी ने किसानों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और उनसे इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। आईसीएआर-एनआईएसए के निदेशक अभिजीत कर ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि ग्रामोद्योग, चक्रीय कृषि और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर किसानों की आय और आजीविका को मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि संस्थान किसानों के हित में नई तकनीकों और अनुसंधान पर लगातार काम कर रहा है।

प्रदर्शनी में लगाए गए हैं 40 स्टॉल

किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी में लगभग ४० स्टॉल लगाए गए, जिनमें विभिन्न कृषि संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों, सरकारी विभागों, किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों और निजी संस्थाओं ने भाग लिया। इन स्टॉलों में आधुनिक कृषि तकनीक, कृषि यंत्र, उद्यान और पशुपालन से जुड़े उत्पादों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस मेले में १५०० से अधिक प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

राष्ट्रपति का अपमान कर ममता बनर्जी ने पार की सारी हदें, भाजपा ने किया पुतला दहन

रांची (एजेंसी): भाजपा एसटी मोर्चा द्वारा प्रदेश भर के सभी जिलों में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन कर टीएमसी सरकार के विरोध में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के अपमान पर टीएमसी सरकार की कड़ी आलोचना की। भाजपा रांची महानगर एसटी मोर्चा द्वारा अल्बर्ट चौक पर ममता बनर्जी का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा कि देश की राष्ट्रपति के साथ हुआ व्यवहार बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। यह न केवल देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है, बल्कि पूरे आदिवासी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य भी है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एवं अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में शामिल होने सिलीगुड़ी के फांसीदेवा पहुंची थीं। लेकिन तय प्रोटोकॉल के बावजूद पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से मुख्यमंत्री या कोई मंत्री कार्यक्रम में मौजूद नहीं था। इतना ही नहीं कार्यक्रम स्थल भी छोटा होने के कारण बड़ी संख्या में लोग सम्मेलन में शामिल नहीं हो सके, जिस पर राष्ट्रपति ने भी नाराजगी जताई। समीर उरांव ने कहा कि यह घटना टीएमसी सरकार की मानसिकता को दर्शाती है, जो आदिवासी समाज के सम्मान और देश की संवैधानिक मर्यादाओं की लगातार अनदेखी कर रही है। भाजपा इस तरह के अपमान को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी और राज्य सरकार से इस पर जवाब और माफी की मांग करती है।

विरोध प्रदर्शन में आरती कुजूर, अशोक बड़ाइक, रवि मुंडा, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, राजू सिंह, संजय टोप्पो, अजीत कच्छप, नरेश पाहन, संजीव चौधरी, बालसाय महतो, गुंथरा उरांव, आनंद वर्मा, अशोक मिश्रा, रणधीर सिंह, कुंदन सिंह, सुभाष अग्रवाल, राम लगन राम, शंकर करमाली सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रांची में 'जल महोत्सव पखवाड़ा' का शुभारंभ, उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मान

रांची (एजेंसी): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को रांची जिला अंतर्गत हॉकी स्टेडियम सभागार में 'जल महोत्सव पखवाड़ा' का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपविकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। यह पखवाड़ा ८ मार्च से २२ मार्च २०२६ तक जिले में विभिन्न जागरूकता एवं सहभागिता कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उपविकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाले प्रतिदिन के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी। उन्होंने दोनों प्रमंडलों के कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि अपने-अपने प्रमंडल से पांच-पांच ऐसी महिलाओं का चयन करें, जिन्होंने पखवाड़े के दौरान जल संरक्षण और जनजागरूकता से जुड़ी उत्कृष्ट गतिविधियां की हों। चयनित महिलाओं को २२ मार्च २०२६ को जिला एवं राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर विभिन्न पंचायतों से आए मुखिया एवं जलसहिया दीदियों ने अपने-अपने पंचायत और गांवों में जल संरक्षण तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए गए सराहनीय कार्यों के अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम के दौरान उपविक्रय आयुक्त द्वारा जल जीवन मिशन के तहत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए एक मुखिया और चार जलसहिया दीदियों को शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महिला दिवस पर रांची रेल मंडल की पहल महिला कर्मियों ने चलाई स्पेशल ट्रेन

रांची (एजेंसी): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रांची रेल मंडल ने एक अनोखी पहल की है। जिसके तहत एक ट्रेन का परिचालन महिला कर्मियों ने किया। ८ मार्च को रांची से इरगांव तक चलाई गई महिला स्पेशल ट्रेन की पूरी जिम्मेदारी महिला रेलकर्मियों ने संभाली। रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या १ ए से इस ट्रेन को रवाना किया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर पर उत्साह देखने को मिला। रेलवे अधिकारियों और यात्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए महिला कर्मियों का उत्साह बढ़ाने का काम किया।

विशेष ट्रेन की कमान लोको पायलट दीपाली के हाथों में थी। वह पिछले कई सालों से ट्रेन चला रही है। वहीं लोगों को समय से उनके डेस्टिनेशन तक भी पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ ट्रेन का संचालन किया। वहीं ट्रेन में तैनात गार्ड, टिकट चेकर (टीटीई), सफाई कर्मी और सुरक्षा कर्मियों की जिम्मेदारी भी महिलाओं ने ही निभाई। रेलवे के लगभग सभी महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी महिलाओं के हाथों में रही। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि महिला दिवस के अवसर पर इस तरह की पहल का उद्देश्य महिलाओं की क्षमता, दक्षता और आत्मनिर्भरता को सामने लाना है। यह कार्यक्रम केवल एक सम्मान से बढ़कर समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व को दर्शाने का प्रयास भी है। रांची मंडल की सीनियर डीसीएम सह सीपीआरओ शुचि सिंह ने कहा कि यह सभी के लिए गर्व की बात है कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर नया मुकाम हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब घर की सीमा से बाहर निकलकर समाज और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

अपने-अपने निकाय क्षेत्रों के नरेंद्र मोदी बने निकाय जनप्रतिनिधि:आदित्य साहू

रांची (एजेंसी): नगर निकाय चुनाव में जीत से लबरेज प्रदेश भाजपा के द्वारा नव निर्वाचित निकाय जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित किया प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू की अध्यक्षता में राजधानी रांची सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रांची, मेदिनीनगर और आदित्यपुर नगर निगम के विजयी महापौर, लोहरदगा, गुमला, मिहिजाम और चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष और खूंटी, लातेहार, डोमचांच, जामताड़ा, महगामा नगर पंचायत के अध्यक्ष सहित ३८७ पार्षद भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सह सांसद अरुण सिंह, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के सांसद और विधायक ने निर्वाचित निकाय जनप्रतिनिधियों को अंगवस्त्र ,पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री सहित सभी नेताओं ने हॉल में पुष्प वर्षा कर जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया। वहीं महिला दिवस के अवसर पर सभी मंचस्थ नेताओं ने महिला जन प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं और बधाई भी दी।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने सभी जनप्रतिनिधियों को जीत की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी जन प्रतिनिधि पार्टी के विचारों, नीतियों, कार्यक्रमों को जन तक पहुंचाने हेतु, गरीब, झुग्गी झोपड़ियों तक विकास की योजनाओं को शत प्रतिशत पहुंचाने के लिए अपने अपने नगर निकाय के नरेंद्र मोदी बने। झारखंड में संपन्न निकाय चुनाव भाजपा के संघर्षों और न्यायालय के दबाओं का परिणाम है, अन्यथा राज्य सरकार निकाय चुनाव कराना ही नहीं चाहती थी। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव के परिणाम भाजपा के पक्ष में हैं। और आगे भी यह जीत का सिलसिला रुकना नहीं चाहिए। राज्य की आदिवासी, दलित, महिला और युवा विरोधी सरकार को हटाकर ही हम चैन से बैठेंगे। झारखंड में नया सबेरा लाना अभी बाकी है, निकाय चुनाव परिणाम ने अंगड़ाई ली है।

पृष्ठ एक का शेषांश

भारत तीसरी बार बना---

इसके बाद सातवे विकेट के लिए कप्तान सैंटनर ने ४७ रन की पारी खेली । न्यूज़ीलैंड की पूरी टीम १९ ओवर १५९ के स्कोर पर आलआउट हो गई। भारत की और से जसप्रीत बुमराह ने सर्वाधिक ४ विकेट लिए अक्षर पटेल ने ३ और हार्दिक पंड्या अभिषेक शर्मा एवं वरुण चक्रवर्ती को १-१ विकेट मिले।

आज से संसद के---

अलावा पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष संशोधन में करीब ६० लाख नाम हटाए जाने का मुद्दा भी संसद में गरमा सकता है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद इस मामले को जोरदार तरीके से उठाने की तैयारी में हैं। वहीं भाजपा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की पश्चिम बंगाल यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल उल्लंघन के मुद्दे को उठा सकती है। सरकार इस सत्र में बिजली संशोधन विधेयक समेत कई लंबित विधेयकों को भी पास कराने की कोशिश करेगी। वहीं सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही की शुरुआत शिलांग से सांसद रहे रिक्की सिंगकोन के निधन पर श्रद्धांजलि के साथ हो सकती है, जिसके कारण प्रश्नकाल स्थगित होने की भी संभावना है।

उत्तराखंड में चुनाव से---

तेजी से अग्रसर है। केंद्रीय गृह मंत्री ने भाजपा सरकार द्वारा लिए गए कड़े निर्णयों, जैसे समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और मतांतरण विरोधी कानून का उल्लेख करते हुए कांग्रेस के नजरिए पर प्रहार किया। उन्होंने जनसभा में मौजूद जनता से सीधा सवाल किया कि उन्हें विकास वाली सरकार चाहिए या मुगलपरस्त मानसिकता वाली कांग्रेस। इसके साथ ही उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के मुद्दे पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी निशाने पर लिया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में--

एनसीआर क्षेत्र से बाहर नहीं जा सकेंगे। इसके अलावा उन्हें अपना मोबाइल फोन हमेशा सक्रिय रखना होगा और अपना पासपोर्ट अदालत में जमा करना होगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान वह मामले से जुड़े किसी भी गवाह या शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं करेंगे। यदि इन शर्तों का उल्लंघन होता है तो जमानत रद्द की जा सकती है।

ईरान युद्ध के बीच---

कि भारतीय नौसेना पहले भी ऑपरेशन संकल्प जैसे अभियानों के माध्यम से समुद्री लुटेरों और विद्रोहियों से व्यापारिक जहाजों की रक्षा कर चुकी है। वर्तमान स्थिति में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन का वह बयान राहत देने वाला माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा कि ईरान तब तक हमला नहीं करेगा जब तक पड़ोसी देश पहल न करें। हालांकि, ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबज़ादेह ने स्पष्ट किया है कि वे भारतीय जहाजों को नहीं रोक रहे हैं, लेकिन उन्होंने हिंद महासागर में ईरानी जहाजों की सुरक्षा पर सवाल भी उठाए हैं। भारत ने तेल आपूर्ति की सुरक्षा के लिए भी वैकल्पिक रणनीतियां तैयार कर ली हैं।

बंगाल चुनाव से पहले---

पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष संशोधन में करीब ४० प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य में लगभग ४० लाख लोगों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें से करीब १० लाख लोगों को रोजगार मिल चुका है। उन्होंने बताया कि उत्कर्ष बांग्ला के तहत प्रशिक्षित युवाओं का डेटा उद्योगपतियों की वेबसाइटों से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें रोजगार मिलने में आसानी हुई है। ममता बनर्जी ने भूमिहीन किसानों के लिए भी ४००० रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पहले यह लाभ केवल सीमित जमीन वाले किसानों को मिलता था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा प्रवासी श्रमिकों को राज्य के भीतर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया गया है।

शिक्षित और सशक्त महिलाएं---

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पोस्ट में लिखा- प्रत्येक क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दे रही देश की नारी शक्ति को नमन। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पोस्ट में लिखा- नारी शौर्य है, साहस है, शक्ति है। नारी देवी है, दुर्गा है, ईश्वर की भक्ति है। देवीस्वरूपा नारी को कोटि-कोटि प्रणाम। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी मातृशक्ति को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

भाजपा के इशारे---

कि वह राष्ट्रपति का सम्मान करती हैं, लेकिन चुनावी माहौल में उनकी प्राथमिकता जनता के बीच रहना और उनके अधिकारों के लिए काम करना है। उन्होंने कहा, अगर आप साल में एक बार आती हैं तो मैं आपका स्वागत कर सकती हूं, लेकिन यदि आप चुनाव के दौरान आती हैं तो मेरे लिए कार्यक्रमों में शामिल होना संभव नहीं होगा। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल को बदनाम करने के लिए राष्ट्रपति का इस्तेमाल कर रही है।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति के कार्यक्रम पर विवाद को लेकर कांग्रेस ने जताई चिंता

रांची (एजेंसी): पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम को लेकर हुए विवाद पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा और सम्मान बनाए रखना सभी सरकारों और राजनीतिक दलों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के दौरान प्रोटोकॉल से जुड़ी किसी प्रकार की चूक हुई है, तो उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। जिससे कि सच्चाई सामने आ सके और भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो।

राष्ट्रपति पूरे देश की प्रतिनिधि

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पूरे देश की प्रतिनिधि होती हैं और उनका पद संविधान की सर्वोच्च गरिमा का प्रतीक है। ऐसे में उनसे जुड़े किसी भी कार्यक्रम में निर्धारित प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन होना जरूरी है। कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर अनावश्यक राजनीतिक टकराव और बयानबाजी से बचना चाहिए। संवैधानिक पदों से जुड़े मामलों को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से इस मामले में संयम और जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करने की अपील की।

देश कई चुनौतियों का कर रहा सामना

राकेश सिन्हा ने कहा कि वर्तमान समय में देश कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में राजनीतिक दलों को आपसी आरोप-प्रत्यारोप में उलझने की बजाय लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से संविधान, लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान की पक्षधर रही है।

रांची में वाइन शॉप पर आयकर का छापा

रांची (एजेंसी): राजधानी रांची के अरगोड़ा चौक स्थित एक वाइन शॉप पर रविवार को आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की। अधिकारियों की टीम दुकान पर पहुंचकर आय-व्यय से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग के अधिकारी अचानक अरगोड़ा चौक स्थित शराब दुकान पर पहुंचे और वहां मौजूद कागजात तथा हिसाब-किताब से जुड़े दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी। टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि दुकान के आय और खर्च का विवरण नियमों के अनुरूप है या नहीं। छापेमारी के दौरान दुकान के कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है। वहीं मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ भी जुट गई। फिलहाल आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है और अधिकारियों की ओर से अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

मानदेय और नियमितीकरण की मांग पर मनरेगा कर्मियों का आंदोलन

9–11 तक सांकेतिक हड़ताल, 12 से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

रांची (एजेंसी): झारखंड में लंबित मानदेय भुगतान और नियमितीकरण की मांग को लेकर मनरेगा कर्मियों ने आंदोलन का एलान किया है। झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के आह्वान पर राज्यभर के मनरेगा कर्मी ९, १० और ११ मार्च २०२६ को सांकेतिक हड़ताल पर रहेंगे। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि इस दौरान सरकार की ओर से उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो १२ मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिरुद्ध पांडेय ने बताया कि राज्य में कार्यरत मनरेगा कर्मियों को पिछले छह माह से अधिक समय से मानदेय नहीं मिला है, जिसके कारण वे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। कई कर्मियों के सामने परिवार चलाने तक की समस्या खड़ी हो गई है। कार्य स्थल पर भी जाना मुश्किल हो रहा है।

संघ के प्रदेश महामंत्री दीपक महतो ने कहा कि वर्ष २०२४ की हड़ताल के दौरान सरकार के साथ हुए लिखित समझौते को अब तक लागू नहीं किया गया है।

ग्रामीण विकास विभाग के साथ हुई वार्ता और राज्य मनरेगा परिषद के प्रस्तावों पर भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

प्रमुख मांगें- नियमितीकरण के लिए स्पष्ट एवं पारदर्शी नीति का निर्माण।

राज्य मनरेगा कोषांग में कार्यरत पदाधिकारियों के समरूप वेतन संरचना (ग्रेड-पे) लागू करना।

सामाजिक सुरक्षा नीति (स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मृत्यु मुआवजा) लागू करना।

कई माह से लंबित बकाया मानदेय का अविलंब भुगतान।

मृत मनरेगा कर्मियों के आश्रितों को समुचित आर्थिक सहायता और लाभ

मानदेय भुगतान की समयबद्ध और सुनिश्चित व्यवस्था।

अनावश्यक कार्यभार और अव्यावहारिक लक्ष्य निर्धारण पर रोक।

डायबिटीज की शुरूआत में हमारा मुंह भी देता है वार्निंग साइन

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज एक क्रॉनिक डिसीज है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को तेजी से प्रभावित कर रही है। ब्लडस्ट्रीम में ग्लूकोज के निर्माण के कारण ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि के कई लक्षण हो सकते हैं। वैसे तो डायबिटीज के कुछ लक्षण साफ नजर आते हैं और अधिकतर लोग इनके बारे में जानते भी हैं। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता। विशेषज्ञों के अनुसार, डायबिटीज की शुरूआत ज्यादा भूख लगने, बार-बार पेशाब आने, थकान और चिडचिड़ेपन से होती है। इन मुख्य संकेतों के अलावा हमारा मुंह भी 3 वार्निंग साइन देता है। एक व्यक्ति की ओरल हेल्थ से उनके ब्लड शुगर लेवल सहित स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ पता चल सकता है। आपकी मदद के लिए हम यहां आपको ऐसे ही 3 प्रमुख लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

सूखा हुआ गला

सूखा हुआ मुंह टाइप-1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों के सामान्य और शुरूआती लक्षणों में से एक है। इसमें व्यक्ति का मुंह जरूरत से ज्यादा सूखने लगता है और उसकी प्यास भी बढ़ जाती है। हालात ऐसे बन जाते हैं कि वह एक बार में गैलेन पानी तक पी लेता है। हालांकि, ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि व्यक्ति को क्यों प्यासा महसूस कराती है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन कई सिद्धांतों के अनुसार, मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए ली जाने वाली कुछ दवाओं के कारण ऐसा हो सकता है। सूखे हुए मुंह के लक्षणों में जीभ में सूखापन, मुंह में नमी की कमी, फटे होंठ, मुंह में छाले और चबाने में कठिनाई जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

दांतों का खराब होना

डायबिटीज के रोगी में मसूड़ों की बीमारी के चलते दांत खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। मसूड़ों के चारों तरफ प्लाक बनने से दांतों के बीच गैप आ जाता है, जिससे आसपास की पकड़ ढीली होने लगती है और दांत खराब हो जाते हैं। कई शोधों से पता चलता है कि अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की तुलना में डायबिटीज रोगियों के दांत दोगुना टूटते हैं। वद्धावस्था और उन लोगों में जोखिम ज्यादा खतरनाक है, जो ओरल हेल्थ की देखभाल नहीं करते। सूजे हुए मसूड़े या दांत में दर्द हो , तो यह आपके दांतों के खराब होने का लक्षण है। ओरल हेल्थ से जुड़ी जटिलताओं से बचने के लिए डायबिटीज रोगी को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना चाहिए। मधुमेह के ज्यादातर मामलों में लोग केवल पैर और आंखों की देखभाल पर ध्यान देते हैं। ऐसे में डेंटल केयर को कई बार दरकिनार कर दिया जाता है, जो मौखिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मसूड़े का रोग

मुंह के सूखने पर दांतों के आसपास और मसूड़ों के नीचे लार का उत्पादन प्रभावित होता है। नतीजा, शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे कीटाणु और प्लैग का निर्माण होता है। यह आपके मसूड़ों को परेशान करने के साथ मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न और दांतों के झड़ने का कारण बनता है। अनियंत्रित मधुमेह के मामलों में मसूड़ों की बीमारी ज्यादा आम है। यह बीमारी इस बात का संकेत है कि आपका ब्लड शुगर लेवल खराब है और आपको इस पर ध्यान देना चाहिए। गले में खराश, मसूड़ों में खून आना, संवेदनशील दांत, सांस की दुर्गंध, मुंह में खराब स्वाद आना मसूड़ों की बीमारी के लक्षण देखे गए हैं।

वजन घटाने में मदद कर सकता है एक गिलास दूध

दूध पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं, यह बात तो हम सब जानते हैं। पर क्या आपको पता है रोजाना एक गिलास दूध पीने से आप अपना कई किलो वजन भी कम कर सकते हैं। जी हां आइए जानते हैं कैसे दूध का सेवन करने से व्यक्ति घटा सकता है अपना कई किलो वजन और डाइट में इसे शामिल करने से व्यक्ति को होते हैं क्या-क्या फायदे।

दूध में प्रोसेन, एल्बिनिन और ग्लोबुलिन जैसे प्रोटीन प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के हंगर हार्मोन को रेगुलेट करने का काम करते हैं। दूध का सेवन करने से पेट जल्दी तृप्त हो जाता है। इतना ही नहीं दूध भूख बढ़ाने वाले हार्मोन घ्रेलनि के स्तर को कम करते हुए, भूख कम करने वाले हार्मोन जैसे जीएलपी -1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कम कैलोरी का सेवन करता है और उसे अपना वजन कम करने में सहायता मिलती है। न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट के अनुसार सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफैन, मैग्नीशियम और मेलाटोनिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो नींद की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। ये सभी पोषक तत्व मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ाकर नसों और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने का काम करते हैं। चूंकि दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए यह वजन घटाने और मांसपेशियों के निर्माण में भी बेहद सहायक है। दूध जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ चयापचय में सुधार करके व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। जिसकी वजह से कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है और व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दूध पीने के फायदे -

वजन कम करने में मददगार

दूध में मौजूद कैल्शियम न सिर्फ हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद करता है बल्कि यह वजन कम करने में भी मदद कर सकता है। सेहत पर हुए कुछ अध्ययनों के अनुसार, कैल्शियम और विटामिन डी शरीर का चयापचय बढ़ाकर कैलोरी जलाने में मदद करती है। इसके अलावा दूध में मौजूद संयुग्मित लिनोलेनिक एसिड फेट को बर्न करने में भी मददगार होते हैं।

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। यही वजह है कि रोजाना इसे डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म दूध से करने से शरीर दिनभर ऊर्जावान बना रहता है। इसके साथ ही

ये मांसपेशियों के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है।

कब्ज की समस्या

अगर आपको कब्ज की समस्या है तो गर्म दूध पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। ये पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जिन्हें कब्ज की समस्या है वो गर्म दूध को दवा के तौर पर अपना सकते हैं।

अनिंद्रा की समस्या

रात में दूध पीने का ये सबसे बड़ा फायदा है। कई ऐसे अध्ययन सामने आए हैं जिनके अनुसार, रात को सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीने से नींद अच्छी और भरपूर आती है।

ब्लड प्रेशर

दूध पीने के फायदे में रक्तचाप को नियंत्रित करना भी शामिल है। जी हां, लो-फैट मिल्क का सेवन करने से हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

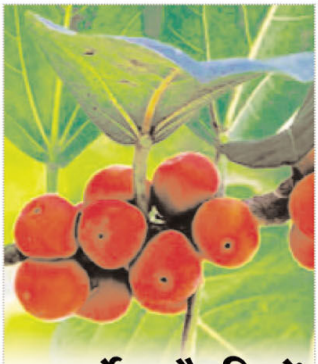

आयुर्वेद औषधियों में होता है बरगद के फल का प्रयोग

बरगद के फल खनिज लवणों, एंटीऑक्सीडेंट और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होते हैं जो उच्च रक्तचाप से लेकर कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम को कम करने में सहायक है। इस पेड़ से मिलने वाले लाभों के बारे में हमें आयुर्वेदिक डॉक्टर ने विस्तार से जानकारी दी है। आज हम आपको इस पेड़ से होने वाले कई फायदों के बारे में बता रहे हैं।

इम्यूनिटी बूस्टर

बरगद का फल फल एक इम्यूनिटी बूस्टर है। इम्यूनिटी बढ़ाने में बरगद का फल काफी फायदेमंद होता है। यह आपको कई बीमारियों से बचाता है और आपको खांसी, जुकाम, फ्लू आदि से भी दूर रखता है। आयुर्वेद में इस पेड़ को वट वृक्ष के नाम से जाना जाता है। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र के वैद्य डॉ.शरद कुलकर्णी ख्रट्ट (इभफ),(घ्द्धक) ने हमसे बातचीत में बताया बरगद के पेड़ से मिलने वाली हर एक चीज का प्रयोग प्राचीन काल से ही कई तरह की औषधि के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि बरगद के फल से लेकर इसकी छाल, पत्ते, दूध और बीजों का भी कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जाता है।

बरगद के फल के पोषक तत्व

इसका वानस्पतिक नाम फिकस बेंगालेंसिस है। इस पेड़ के फल में भरपूर मात्रा में कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट, शुगर, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी1, विटामिन बी3 होता है। इसके अलावा इसकी पत्तियों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है। बरगद में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है।

दिल के लिए फायदेमंद

बरगद के पेड़ के फल पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, ओमेगा 3 और 6 से भरपूर होते हैं, जो स्वस्थ दिल के लिए बहुत जरूरी हैं। दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक आमतौर पर तब होता है जब मानव शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है जिसके टलते शरीर की धमनियां काम करना बंद कर देती हैं। सोडियम का हाई लेवल धमनियों को श्रिंक यानी संकुचित करता है और पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की स्पीड को धीमा कर देता है। डॉ. के अनुसार, बरगद के फल में मौजूद पोटैशियम सोडियम के स्तर को कम करने में कारगर होता है। इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो रक्तचाप को कम करते हैं और कोरोनरी हृदय रोग को रोकने के लिए उपयोगी होते हैं।

मधुमेह में लाभदायक

डॉ.ने बताया कि अगर डायबिटीज के रोगी हर रोज बरगद के फल के चूर्ण का सेवन करें तो उन्हें इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मधुमेह के मरीज चाहें तो बाजार से इसका पाउडर ले सकते हैं या फिर घर पर इसका उबला हुआ पानी पी सकते हैं।

पेट के रोग को दूर करता है

अगर आप डायरिया और पेचिश से परेशान हैं तो बरगद के पत्तों की कलियां बहुत फायदेमंद होती हैं। आयुर्वेद में इसका उपयोग पुराने दस्त और पेचिश के इलाज के लिए किया जाता है।

इन समस्याओं से भी दिलाता राहत

आयुर्वेद में स्किन डिसीज यानी चर्म रोगों के इलाज के लिए भी बरगद के पेड़ की छाल और पत्तों का प्रयोग किया जाता है। जोड़ों के दर्द को भी कम करने में बरगद के पत्तों का पानी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको इसके पाउडर को गर्म पानी में मिलाना है और फिर उस पानी में पैर डालने हैं, इससे आपका दर्द कम हो जाएगा।

पसीने के चलते पैरों में होता है इन्फेक्शन

गर्मियों के मौसम में अक्सर मोजे पहनने के बाद उन्हें उतारते ही बदबू का अहसास होता है। ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। इसके अतिरिक्त पसीने की वजह से कई लोगों के तलवों अंगुलियों के निचले हिस्से से खाल उतरने लगती है या खाल नम हो जाती है, यह एक प्रकार का संक्रमण है जिसे एथलीट फुट कहा जाता है। लेकिन इस इन्फेक्शन में पैर एथलीट के पैरों की तरह मजबूत नहीं होते, बल्कि सडने लगते हैं और ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। यह एक तरह का दाद है जो पैर की उंगलियों से शुरू होकर पूरे शरीर में फैल सकता है। इस संक्रमण में पैर और तलवे की त्वचा सडने लगती है। पसीने में तर मोजे और जूते को पहनने से गर्मियों में पैरों में दाद की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। जूते पहनने के बाद पैरों से लगातार पसीना आता है। इसी पसीने में बैक्टीरिया पनपते हैं। पैरों से निकली डेड स्किन के साथ मिलकर ये बैक्टीरिया दुर्गंध पैदा करते हैं। अगर किसी के पैरों से बहुत दुर्गंध आ रही हो तो इसका मतलब है कि उसके पैरों में बड़ी संख्या में बैक्टीरिया फैल चुका है।

पैर शरीर के उन अंगों में से एक है, जहां सबसे ज्यादा पसीना आता है। ऐसे में लोग जूते के साथ मोजे पहनते हैं। मोजे को धोने से पसीना भी धुल जाता है और पैरों में बैक्टीरिया और फंगस नहीं फैलता। लेकिन यदि कोई एक ही मोजे को बार-बार पहने या बिना मोजे के जूता पहने तो जूते में पसीना जमा होने लगता है। जिसके चलते बैक्टीरिया और फंगस बढने लगते हैं। इस इन्फेक्शन की वजह से ये फंगस पैरों में दाद-खाज की वजह बन जाते हैं। इसके अलावा कभी भी एक ही मोजा बार-बार बिना धुले न पहनें। मोजे को धुलने के बाद भी अच्छे से डिसइंफेक्टेड करना जरूरी है। धोते हुए ध्यान रखें कि मोजे से डिटर्जेंट अच्छी तरह से निकल जाए नहीं तो ये रैशेज और जलन का कारण हो सकता है। मोजे पहनते हुए ख्याल रखें कि वह पूरी तरह से सूखें हों और उनमें थोड़ी भी नमी न हो। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि पसीने की नमी कई तरह के इन्फेक्शन का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है कि समय-समय पर तलवों तक खुली हवा पहुंचे और वह सूखे रहें।

इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि सप्ताह में कम से कम एक दिन जूते-मोजे की जगह सैंडल या चप्पल पहन कर बाहर निकलें और यदि घर पर हों तो स्लीपर पहनने की कोशिश करें। टाइट जुराब ब्लड सर्कुलेशन को धीमा कर देते हैं। इसके अलावा टाइट मोजे बॉडी हीट को भी बाहर नहीं आने देते, जिससे ओवरहीटिंग की समस्या हो सकती है। पैरों को भी ब्रीथ करने की जरूरत होती है। इसलिए पैरों को समय-समय पर खुले रखना और लूज जुराब पहनना जरूरी है। अपने पैरों के साइज से थोड़े बड़े और कॉटन के मोजे पहनें।

मोजे बस इतने टाइट होने चाहिए, जिससे स्किन पर निशान न पड़ें। अगर मोजे से स्किन पर निशान पड़ता है तो इसका मतलब है कि आपको इससे बड़े साइज के मोजे लेने की जरूरत है।

आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आपकी मदद कर सकती हैं आंखों के योग की क्रियाएं

अगर काम के कारण आपकी आंखों में दर्द और थकान रहती है, तो फेशियल योग आपकी मदद कर सकता है। इस योग क्रिया को करने से मात्र 10 मिनट में आग और दिमाग रिलेक्स हो जाएंगे। क्या आप कंप्यूटर के सामने बैठते वक्त अपनी आंखों को रगड़ते हैं। अगर ऐसा है, तो आप अेकेले नहीं हैं। आजकल औसत वयस्क अब दिन में आठ घंटे से ज्यादा समय किसी न किसी प्रकार की स्क्रीन के सामने बैठे रहते हैं। इस बढ़ते स्क्रीन टाइम ने आंखों में धुंधलापन, खुजली, सिरदर्द, थकान और आंखों में दर्द से पीड़ित लोगों की संख्या में वृद्धि की है।

दरअसल, स्क्रीन पर ज्यादातर समय बिताने की प्रक्रिया में लोग अपने शरीर के सबसे जरूरी अंग आंखों को भूल जाते हैं। कंप्यूटर और लैपटाप पर काम करते-करते आंखों में दर्द , जलन या थकान महसूस करने लगते हैं। कमजोर या थकी हुई आंखों के कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन अगर आप भविष्य में आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आंखों के लिए योगा की कुछ क्रियाएं आपकी मदद कर सकती हैं। इन्हें करने से मात्र 10 मिनट में न केवल आंखों को बल्कि दिमाग को भी आराम मिल जाएगा। आंखों को आराम देने वाली 3 योग क्रियाएं -

स्टेप-1

- फेशियल योग करने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। इसे पोंछकर चेहरे पर कोई सिरम या फेस ऑयल लगा लें।
- अब कुछ सैकंड्स इससे मसाज करें। आपका फेस योगा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।
- सबसे पहले स्टेप में उंगली से अंदर आंखों पर अंदर से बाहर की तरफ मसाज करें।
- हल्के प्रेशर के साथ उंगली को घुमाएं। वैसे आप चाहें, तो इस दौरान आंखें खुली रख सकते हैं , लेकिन बंद रखेंगे तो आंखों को ज्यादा आराम मिलेगा।
- इस स्टेप को आप दो से तीन मिनट तक दोहराएं।
- इसके बाद बाहर से अंदर की ओर सर्कल बनाते हुए मसाज करें।
- कुछ देर मसाज करने के बाद रिलेक्स करें।

स्टेप-2

- इस स्टेप में इंडेक्स और मिडिल फिंगर से वी शेप बनाएं।
- इसे अपनी आंखों के दोनों कोनों पर रखें।
- अब कुछ देर बिना रूके पलकों को झपकाते रहें। रिलेक्स करें और फिर दोहराएं। यहां आंखों पर रखी उंगलियों मसल्स को सपोर्ट करेंगी, जिससे आंखों पर बहुत ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा।
- इस स्टेप को एक बार में एक मिनट तक करें, रिलेक्स हो जाएं और फिर शुरू करें।

स्टेप-3

- अपनी आंखों को बंद कर लें ।
- अब आईबॉल पर उंगली से हल्का प्रेशर करते हुए अंदर से बाहर की ओर घुमाएं। इसके बाद बाहर से अंदर की ओर घुमाएं।
- अब अपने हाथों की सभी उंगलियों को एकसाथ मिला लें और एक-एक हाथ कारके आंखों पर एक-एक कर रखें।
- फिर दोनों हाथों की उंगलियों को आंखों पर रखकर रिलेक्स करें।
- इस स्टेप को आप एक बार में दो से तीन मिनट तक रिपीट कर सकते हैं। चूंकि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए इसे करते समय ध्यान रखें कि आंखों पर ज्यादा दबाव न पड़े।

इन फेशियल एक्सरसाइज को दिन के किसी भी समय किया जा सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि योग करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें। त्वचा पर सीरम या मॉइश्चराइजर लगा लें। ऐसा करने से स्टेप करना आसान हो जाएगा और स्किन भी डैमेज नहीं होगी।

रंगों की बाल कविता

होली

चल निकली है रंग में डूबी
हम बच्चों की टोली,
कोई नटखट बना कन्हैया,
कोई राधिका भोली।
नीला, पीला या फिर लाल,
हर चेहरे पर सजे गुलाल,
बोल रही है हर पिचकारी
बस रंगों की बोली।

अपने हो या गैर सभी,
आज भुला दें बैर सभी,
गले लगाकर एक-दूजे को
आज मनाएँ होली।

पुआ, पूरी और पकवान,
हर होठों पे हो मुस्कान,
मानो किसी फरिश्ते ने
मिसरी हवा में घोली।

चल निकली है रंग में डूबी
हम बच्चों की टोली।

बिल्लू का छक्का

उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर में 8 साल का एक बेहद चुलबुला बच्चा रहता था, जिसका नाम था 'बिल्लू'। बिल्लू के अंदर क्रिकेट का ऐसा जुनून था कि सोते-जागते, खाते-पीते उसे बस बैट और बॉल ही दिखाई देते थे। वह खुद को मोहल्ले का सूर्यकुमार यादव समझता था।

गर्मियों की छुट्टियों का दिन था। दोपहर की तेज धूप के कारण बिल्लू की मम्मी ने उसे बाहर खेलने जाने से मना कर दिया था। लेकिन बिल्लू का मन कहाँ मानने वाला था! उसने अपना प्लास्टिक का पीला बैट उठाया, एक पुरानी टेनिस बॉल ली और सीधे अपने दादाजी (जिन्हें वह बाबूजी कहता था) के कमरे में पहुँच गया।

'बाबूजी! चलिए न, मुझे थोड़ी सी बॉलिंग कराइए। आज तो मैं ऐसा बिल्लू का छक्का मारूंगा कि गेंद सीधे टीवी के पार जाएगी!' बिल्लू ने पूरे भौकाल में कहा।

बाबूजी अपनी आरामकुर्सी पर अखबार पढ़ रहे थे। उन्होंने अपना चश्मा नाक के नीचे खिसकाया और आँखें तरेरते हुए बोले, 'अरे लल्ला! दिमाग खराब हो गया है क्या? बैठक (ड्राइंग रूम) में कहीं क्रिकेट खेला जाता है? सामने नया स्मार्ट टीवी टंगा है, उधर फ्रिज रखा है। अगर तुम्हारी बॉल लग गई न, तो तुम्हारी मम्मी मेरा और तुम्हारा, दोनों का छक्का छुड़ा देंगी।'

बिल्लू ने थोड़ा मुँह फुलाया, 'तो बाबूजी, बाहर आँगन (पार्किंग) में खेल लेते हैं। वहां तो कोई टीवी नहीं है।'

बाबूजी ने अखबार मोड़ते हुए कहा, 'बेटा, आँगन में भी नो एंट्री है। वहां तुम्हारे पापा की नई कार और मेरा पुराना 'बजाज चेतक' स्कूटर खड़ा है। अगर तुम्हारी गेंद से गाड़ियों के शीशे (मिरर) चटक गए, तो फिर मरम्मत के पैसे क्या तुम्हारी गुल्लक से आएंगे?'

बिल्लू को लगा कि बाबूजी तो हर जगह बस बहाने बना रहे हैं। वह चिढ़कर बोला, 'आप भी न बाबूजी, सीधे कह दो कि आपके घुटनों में दर्द है और आप खेल नहीं सकते। मैं खुद ही खेल लूँगा।' बाबूजी मुस्कुराए और उसे कमरे में खेलने से सख्त मना करके नहाने चले गए।

बाबूजी के बाथरूम में घुसते ही बिल्लू का 'क्रिकेटर' जाग गया। उसने सोचा, 'धीरे से मारूंगा, किसी को पता भी नहीं चलेगा।' उसने गेंद को हवा में उछाला और पूरे जोश के साथ बैट घुमा दिया।

ठहाक... छन्नन्न! एक जोरदार आवाज आई। बिल्लू का शॉट सीधा टीवी के ऊपर रखे उस खूबसूरत चीनी मिट्टी के गमले पर लगा, जो उसकी मम्मी कल ही बाजार से लाई थीं। गमला जमीन पर गिरकर चकनाचूर हो गया।

बिल्लू के पसीने छूट गए। उसका सारा भौकाल हवा हो गया। जब बाबूजी नहाकर तौलिया लपेटे बाहर आए, तो उन्होंने देखा कि बिल्लू जमीन पर बैठा फेविकोल से गमले के टुकड़ों को जोड़ने की नाकाम कोशिश कर रहा है।

'लग गया बिल्लू का छक्का? मैंने कहा था न कि अंदर मत खेलो!' बाबूजी ने सख्त आवाज में पूछा।

बिल्लू लगभग रोने वाली शक्ल बनाकर बाबूजी के पैरों से लिपट गया, 'बाबूजी, मुझे बचा लो! मम्मी मुझे बहुत डांटेंगी। आप किसी को मत बताना। मैं कसम खाता हूँ, आज के बाद कभी घर के अंदर बैट नहीं उठाऊंगा।'

बाबूजी को अपने पोते की घबराई हुई शक्ल देखकर दया आ गई। उन्होंने कहा, 'ठीक है, मैं किसी से कुछ नहीं कहूँगा।'

शाम को जब मम्मी ने चाय देते वक्त टूटा हुआ गमला देखा, तो पूरे घर में भूचाल आ गया। 'ये मेरा सबसे महँगा गमला किसने तोड़ा?' मम्मी ने गुस्से में पूछा।

दादी ने बिल्लू की तरफ देखा, 'बिल्लू, तू यहीं खेल रहा था न? तूने तोड़ा है क्या?'

बिल्लू ने बिना पलक झपकाए बहुत ही सफाई से झूठ बोल दिया, 'नहीं दादी! मैंने नहीं तोड़ा। वो... पड़ोस वाली काली बिल्ली खिड़की से आई थी, उसी ने छलांग मारी और गमला गिर गया। मैंने खुद अपनी आँखों से देखा है।'

बिल्लू ने देखा कि किसी ने उसे नहीं डांटा। सबने बिल्ली को कोसा और बात खत्म हो गई। बिल्लू मन ही मन अपनी होशियारी पर बहुत खुश हुआ। उसे लगा कि उसने कितना शानदार झूठ (स्क्क्) बोलकर खुद को बचा लिया।

रात को सोने से पहले बाबूजी ने बिल्लू को अपने पास बुलाया। बाबूजी ने बड़े ही शांत स्वर में कहा, 'बिल्लू, आज शाम को जब तुम ट्यूशन गए थे, तो मैंने तुम्हारी मम्मी और दादी को सच बता दिया था कि गमला तुम्हारी गेंद से टूटा है। मैंने उनसे यह भी कह दिया था कि वो तुम्हें न डांटें।' बिल्लू की आँखें फटी की फटी रह गईं। 'क्या? आपने सबको सच बता दिया था? पर मुझे तो किसी ने कुछ नहीं कहा! और आपने तो मुझसे वादा किया था कि आप किसी को नहीं बताएंगे।'

बाबूजी ने प्यार से बिल्लू के सिर पर हाथ फेरा और प्रेरणादायक कहानी वाले अंदाज़ में समझाया, 'लल्ला, जब तुमने मुझसे वादा लिया था, तब तुम डरे हुए थे। मुझे लगा तुम अपनी गलती समझ गए हो। लेकिन शाम को मैंने देखा कि तुम कितनी बेबाकी से सबके सामने बिल्ली का बहाना बनाकर झूठ बोल रहे थे। तुम्हारी आँखों में कोई पछतावा नहीं था।'

बाबूजी ने आगे कहा, 'गलती इंसान से ही होती है बेटा। अगर तुम सच बोल देते, तो शायद तुम्हें थोड़ी डांट पड़ती, लेकिन सबका तुम पर भरोसा बना रहता। आज तुमने एक टूटे गमले को छिपाने के लिए अपने परिवार का भरोसा तोड़ दिया। याद रखना, झूठ के पाँव नहीं होते, वह कभी न कभी पकड़ा ही जाता है।'

एक नई शुरुआत

बाबूजी की बातें बिल्लू के दिल में सीधे उतर गईं। उसे अपनी चालाकी पर शर्म आने लगी। उसे समझ आ गया कि सच्चाई और ईमानदारी से बढ़कर कोई होशियारी नहीं है।

बिल्लू तुरंत अपनी मम्मी के पास गया, उनके गले लगा और रोते हुए माफ़ी मांगी, 'मम्मी, वो बिल्ली ने नहीं, मेरे छक्के ने गमला तोड़ा था। मुझे माफ़ कर दो, मैं अब कभी झूठ नहीं बोलूंगा।'

मम्मी ने मुस्कुराकर उसे गले लगा लिया। उस दिन के बाद से घर के अंदर कभी बिल्लू का छक्का नहीं लगा। अब वह रोज शाम को अपनी किट उठाकर बाहर मैदान में ही खेलने जाता था।

सीख

सच बोलने की हिम्मत: गलती हो जाना आम बात है, लेकिन उसे झूठ बोलकर छिपाना सबसे बड़ी गलती है। सच बोलने से लोग हमेशा माफ़ कर देते हैं।

बड़ों की सलाह मानें: घर के बड़े अगर किसी काम के लिए मना करते हैं, तो उसमें हमारा ही भला छिपा होता है।

जगह का चुनाव: खेलने-कूदने के लिए सही जगह (जैसे मैदान या पार्क) का ही इस्तेमाल करना चाहिए ताकि घर का नुकसान न हो।

चॉकलेट और टॉफी से बच्चे हो रहे हैं चिड़चिड़े, खिलाने से पहले लें डॉक्टर की सलाह

आजकल बच्चों में चिड़चिड़ापन और गुस्सा बढ़ने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, और इसके पीछे मुख्य वजह है ज्यादा मीठा और प्रोसेस्ड फूड। चॉकलेट, टॉफी, कुकीज और कोल्ड ड्रिंक जैसी चीजें बच्चों को अस्थायी रूप से खुश और हाइपरएक्टिव तो बना देती हैं, लेकिन बाद में ब्लड शुगर गिरने के कारण वे जल्दी चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बच्चों को मीठा खिलाने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की सलाह लेना जरूरी है, ताकि उनके स्वास्थ्य और व्यवहार पर नकारात्मक असर न पड़े।

चीनी कैसे बन रही बच्चों के लिए खतरा

जब बच्चे टॉफी या चॉकलेट खाते हैं तो उनके दिमाग में डोपामाइन हार्मोन रिलीज होता है, जिससे वह कुछ समय के लिए हाइपर एक्टिव और खुश दिखते हैं। लेकिन जैसे ही ब्लड शुगर का स्तर तेजी से गिरता है, बच्चा अचानक चिड़चिड़ा और गुस्सैल हो जाता है। पिछले दस साल में बच्चों को आसानी से प्रोसेस्ड फूड उपलब्ध होने के कारण ऐसे मामले बढ़े हैं। इसके अलावा, ज्यादा चीनी का सेवन मोटापे का कारण भी बन रहा है।

पैरेंट्स की मुश्किलें और उदाहरण

क्लास में नहीं टिक पाना: आठ साल के एक बच्चे की स्कूल से शिकायत आती थी कि वह क्लास में ध्यान नहीं दे पा रहा। जांच में पता चला कि वह रोज कुकीज, चॉकलेट और पेस्ट्री खाता था। जैसे ही रिफाइंड शुगर कम की गई, बच्चा अधिक शांत और फोकस्ड हो गया।

बचपन में मोटापा और चिड़चिड़ापन: 12 साल की एक बच्ची का वजन 75 किलो हो गया। इसके पीछे कारण था अधिक कोल्ड ड्रिंक, बिस्किट और पेस्ट्री का सेवन। धीरे-धीरे उसका स्वभाव भी चिड़चिड़ा होने लगा। डॉक्टरों ने इसकी मुख्य वजह अत्यधिक चीनी को बताया।

कैसे करें मीठे का सही सेवन

एक्सपर्ट्स और डॉक्टर्स के अनुसार बच्चों को एकदम मीठा बंद करने की बजाय धीरे-धीरे कम करना चाहिए। इसके लिए कुछ आसान उपाय हैं नेचुरल शुगर अपनाएं: रिफाइंड शुगर की जगह फल, खजूर, गुड़ दें।

फलों को प्राथमिकता दें: बच्चों के सामने खुद ताजा फलों का जूस पीएं और घर में हमेशा फल की बास्केट रखें। भूख लगने पर बच्चे फल ही खाएं।

हेल्दी स्नैक्स: चॉकलेट की बजाय नट्स और होममेड हेल्दी विकल्प दें।

स्कूल में हेल्दी विकल्प: बच्चों को स्कूल कैंटीन में भी स्वस्थ विकल्प उपलब्ध कराना जरूरी है।

इन उपायों से न केवल बच्चों की चिड़चिड़ाहट कम होगी, बल्कि उनका स्वास्थ्य और वजन नियंत्रित रहेगा।

आंवला, एलोवेरा के प्रयोग से बचाएं बालों का झड़ना

अगर आप लंबे समय से झड़ते बालों की समस्या से परेशान है तो आंवला और एलोवेरा का प्रयोग करें। ये बालों की जड़ें मजबूत करने के साथ उनको हेल्दी बनाता है।

आंवला विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर है। ये जड़ों को मजबूत करने के साथ नए बाल उगाने में मदद करता है। समय से पहले बाल सफेद होने की प्रक्रिया को भी धीमा बनाता है। इसमें मौजूद आयरन बालों में चमक लाते हैं। एलोवेरा बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है। विटामिन ए, सी, ई, जिंक और मैग्नीशियम हैं जो बालों को मजबूत बनाते हैं। डैंड्रफ और खुजली जैसी समस्या को खत्म करते हैं।

आंवला-एलोवेरा का हेयर मास्क बनाये। इसके लिए आंवला पाउडर, एलोवेरा जेल, नारियल तेल का पेस्ट बना लें और बालों की जड़ों पर मालिश करें। इसके बाद 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इसके आवा आंवला-एलोवेरा हेयर ऑयल का इस्तेमाल करे। इसे इस प्रकार बनायें।

रोज 10-12 किशमिश खाएं, शरीर की बड़ी समस्याएं दूर भगाएं

किशमिश, ये छोटी सी मीठी चीज सिर्फ स्वाद बढ़ाने के काम नहीं आती, बल्कि शरीर की कई बड़ी परेशानियों का हल भी है। अक्सर हमारे घरों में ये आसानी से मिल जाती है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसमें इतनी जबरदस्त ताकत होती है कि अगर आप रोज 10-12 किशमिश खाएं, तो कुछ ही दिनों में शरीर की बड़ी समस्याएं दूर होने लगती हैं और पॉजिटिव बदलाव दिखने लगते हैं। दरअसल, किशमिश सूखे अंगूर होते हैं, जिनमें पोषक तत्व बहुत ज्यादा मात्रा में होते हैं। इसमें आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फाइबर भरपूर होता है। इतना ही नहीं, किशमिश एनर्जी का बहुत अच्छा सोर्स भी है क्योंकि इसमें नेचुरल शुगर और कार्बोहाइड्रेट होते हैं। अगर आप सूखी किशमिश की बजाय रातभर भीगी हुई किशमिश खाते हैं, तो उसका असर और ज्यादा बढ़ जाता है। आपको बस इतना करना है कि रात को 10-15 किशमिश एक गिलास पानी में भिगो दें और सुबह खाली पेट इन्हें चबाकर खा लें। इससे पाचन अच्छा रहेगा, एनर्जी लेवल बढ़ेगा और शरीर डिटॉक्स भी होगा। किशमिश खाने से इम्यूनिटी यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। इसमें ऐसे न्यूट्रिएंट्स होते हैं जो ठंड, बैक्टीरिया और इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं। अगर आप अक्सर सर्दी-जुकाम से परेशान रहते हैं, तो किशमिश को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हड्डियों के लिए भी किशमिश बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद कैल्शियम और माइक्रो न्यूट्रिएंट्स हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और जोड़ों के दर्द में भी राहत देते हैं। पाचन के मामले में भी किशमिश का जवाब नहीं। इसमें फाइबर भरपूर होता है, जो कब्ज जैसी समस्या को दूर करता है।

सुबह खाली पेट किशमिश और उसका पानी पीने से पेट साफ रहता है और डाइजेशन बेहतर होता है। इतना ही नहीं, जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए भी किशमिश मददगार साबित होती है। अगर आप रोजाना एक्सरसाइज के साथ किशमिश खाते हैं, तो ये फैट बर्न करने में मदद करती है और शरीर को अंदर से हेल्दी बनाती है।

बच्चों का मुंडन करवाना क्यों होता है जरूरी?

हिंदू धर्म में मुंडन संस्कार (चूड़ाकर्म) 16 संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार माना जाता है। यह शिशु के जन्म के बाद किए जाने वाले प्रमुख धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल है। मान्यता है कि जन्म के समय आए बाल पूर्व जन्म के संस्कारों और अशुद्धियों का प्रतीक होते हैं। मुंडन करने से नकारात्मकता दूर होती है और बच्चे का जीवन शुभ बनता है।

मुंडन के संभावित लाभ

मुंडन करने से बच्चे में की बल बुद्धि का विकास होता है। ज्योतिष शास्त्र में माना गया है कि यदि बच्चे के बाल नहीं कटवाएं गए हैं और बच्चा बाहर जाता है तो उसे पर ऊपरी साया लगने का खतरा रहता है. जिससे बच्चे को बहुत सी परेशानियां से गुजरना पड़ सकता हैं। मुंडन से बालों की गुणवत्ता और त्वचा में सुधार होता है, हमेशा चेहरा सूर्य की तरह चमकता रहता है। सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार का दिन मुंडन के लिए बिल्कुल सही है।. हीं अगर उत्तम माह की बात करें तो हिंदू पंचांग के अनुसार, माघ माह, फाल्गुन माह मुंडन के लिए उत्तम माने जाते हैं।

मुंडन करवाने का सही समय

शास्त्रों में जन्मकालीन बालों का बच्चे के प्रथम, तीसरे या पांचवे वर्ष में या कुल की परम्परानुसार शुभ मुहुर्त में मुण्डन करने का विधान है । जन्म से तीसरे वर्ष में मुण्डन संस्कार उत्तम माना गया है ।पांचवे या सातवें वर्ष में मध्यम और दसवें व ग्यारहवें वर्ष में मुण्डन संस्कार करना निम्न श्रेणी का माना जाता है । बच्चे का मुण्डन शुभ मुहुर्त में किसी देवी-देवता या कुल देवता के स्थान पर या पवित्र नदी के तट पर कराया जाता है । अपने गोत्र की परम्परानुसार मुंडन करके बालों को नदी के तट पर या गोशाला में गाड़ दिया जाता है । कहीं-कहीं कुल देवता को ये बाल समर्पित कर फिर उन्हें विसर्जित किया जाता है ।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया में सैन्य कार्रवाई में 45 उग्रवादियों की मौत

नाइजीरिया, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य कत्सिना में सेना और उग्रवादियों के बीच हुई भीषण झड़पों में 45 उग्रवादियों के मारे जाने की खबर है। यह घटना शुक्रवार को दानमुसा क्षेत्र में हुई। राज्य के आंतरिक सुरक्षा और गृह मामलों के आयुक्त, नासिर मुआजू ने एक बयान में बताया कि यह झड़प गुरुवार को उग्रवादियों द्वारा मवेशी चोरी की कोशिश के बाद हुई। जिसमें उग्रवादियों और सेना के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें 45 उग्रवादियों को ढेर कर दिया गया। नाइजीरिया देश के उत्तरी क्षेत्रों में विभिन्न सशस्त्र समूहों से जूझ रहा है। जिनमें बोको हराम और उसके गुट, इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस लिंवड लकुरवा, और अपहरण, फिरौती और अवैध खनन में विशेषज्ञता रखने वाले अन्य डाकू समूह शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, नाइजीरिया में हजारों लोग इन संघर्षों में मारे जा चुके हैं। केन्या की राजधानी नैरोबी में रात भर हुई भारी बारिश के बाद बाढ़ से 23 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार कुछ लोग बाढ़ में डूब गए और कुछ की करंट लगने से मौत हुई। सड़कों पर पानी भरने से सैकड़ों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और यातायात ठप हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राहत कार्यों के लिए सेना को तैनात किया गया है। केन्या एयरवेज ने कई उड़ानें रद्द कर दी या उनके मार्ग बदल दिए। रेड क्रॉस की टीमें फंसे हुए लोगों को निकालने में जुटी हैं। बारिश के कारण घरों में पानी भर गया है और कई वाहन सड़कों पर पलट गए हैं।

कोमिल्ला में मंदिर के पास विस्फोट, सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के कोमिल्ला शहर में कलागाछितला मंदिर और पास की सड़क के पास हुई सिलसिलेवार पेट्रोल बम धमाकों में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में मंदिर के पुजारी केशव चक्रवर्ती और स्थानीय निवासी अब्दुल बारेक शामिल हैं। तीसरे घायल व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घटना शनिवार शाम (07 मार्च) की है, जिसके चलते सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका जताई जा रही है। कोमिल्ला पुलिस अधीक्षक मो. अनीसुज्जमान ने बताया कि पुजारी और दो अन्य, जिनमें एक राहगीर भी शामिल है, विस्फोटों में घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस जिम्मेदार लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान चला रही है। कोटवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी मो. तौहीदुल अनवर ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर लिया है और घटना की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, 'इस समय, हम मकसद की पुष्टि नहीं कर सकते या विस्फोटों के पीछे के लोगों की पहचान नहीं कर सकते। हालांकि, अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं।' सीसीटीवी फुटेज के अनुसार शाम करीब 6:28 बजे एक नकाबपोश व्यक्ति एक बैग लेकर मंदिर परिसर में घुसता है। आसपास कई अन्य लोग भी खड़े दिखाई दे रहे थे। बैग रखने के बाद नकाबपोश व्यक्ति भाग गया, और कुछ ही क्षणों बाद एक विस्फोट हुआ, जिसमें पुजारी केशव चक्रवर्ती घायल हो गए। उन्हें बाद में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने भागते समय पास के एक बौद्ध मंदिर और आस-पास की सड़क पर दो और क्रूड बम विस्फोट किए।

चीन ने यूएस-इस्राइल के ईरान युद्ध की निंदा की

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए गए युद्ध को चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को 'कभी नहीं होना चाहिए था' बताते हुए कड़ी निंदा की। बीजिंग में पत्रकारों से बात करते हुए वांग यी ने कहा दुनिया को जंगल के कानून पर लौटने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। सैन्य कार्रवाई तुरंत समाप्त होनी चाहिए। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध को लेकर अपने आत्मविश्वास का इजहार किया। ट्रंप ने कहा कि ईरान की सेना और नेतृत्व को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है और युद्ध अभी कुछ समय तक जारी रहेगा।

ईरान के कई तेल डिपो पर अमेरिका और इस्राइल का बड़ा हमला

तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच इस्राइल ने ईरान की राजधानी तेहरान में ईंधन भंडारण केंद्रों पर बड़े हमले की पुष्टि की है। इस्राइल की सेना ने कहा कि उसने तेहरान में कई फ्यूल स्टोरेज कॉम्प्लेक्स को निशाना बनाया। हमलों के बाद शहर के कई इलाकों में आग और घना धुआं फैल गया। ईरानी मीडिया के अनुसार दक्षिण तेहरान में स्थित एक तेल डिपो पर भी हमला हुआ। यह पहली बार बताया जा रहा है कि ईरान के तेल ढांचे को इस स्तर पर निशाना बनाया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार दक्षिण तेहरान के एक बड़े तेल भंडारण केंद्र पर अमेरिका और इस्राइल के हमले हुए। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने कहा कि इस हमले में तेल डिपो को निशाना बनाया गया। हालांकि एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया कि पास स्थित मुख्य रिफाइनरी की सुविधाओं को नुकसान नहीं पहुंचा है। इस्राइली सेना ने भी बयान जारी कर कहा कि उसने तेहरान में कई ईंधन भंडारण परिसरों पर हमला किया है, जिनका इस्तेमाल ईरानी सैन्य ढांचे के संचालन के लिए किया जाता था।

तेहरान में धुएं और आग से दहशत

हमले के बाद शहर में क्या हालात बने?

हमलों के बाद तेहरान और आसपास के इलाकों में भारी धुआं फैल गया। शहर में रहने वाली एक युवती ने बताया कि पूरे शहर में धुआं दिखाई दे रहा था और जलने की गंध महसूस हो रही थी। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में आसमान में आग की ऊंची लपटें दिखाई दीं। बताया गया कि कई जगहों पर रात के समय भी आसमान लाल दिखाई दे रहा था। हालांकि अब तक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शहर में भी लोगों ने जोरदार धमाकों की आवाज सुनी। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि पहले आसमान में तेज लाल रोशनी दिखाई दी और उसके बाद पूरे इलाके में आग की लपटें फैल गईं। उन्होंने कहा कि उनकी मां काफी डर गई थीं और परिवार के लोग छत पर जाकर देखने लगे कि आखिर क्या हुआ है। एक अन्य युवक ने कहा कि धमाके के बाद ऐसा लगा जैसे रात अचानक दिन में बदल गई हो।

क्या फंस गए ट्रंप और नेतन्याहू: अपने विरोधियों को ऐसे झटका देगा ईरान, किस रणनीति पर काम कर रहा

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और अमेरिका के साथ संघर्ष में ईरान की रणनीति पारंपरिक सैन्य जीत हासिल करने की नहीं बल्कि लंबे समय तक टिके रहने की मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार तेहरान विरोधियों के लिए युद्ध को महंगा बनाने की कोशिश कर रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। अमेरिका-इस्राइल जहां जीत की बात कर रहे हैं, तो वहीं ईरान अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। ऐसे में यह सवाल उठने लगा है कि कहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक लंबे संघर्ष में तो नहीं फंसते जा रहे हैं। दरअसल इस मामले पर विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान की सैन्य रणनीति पारंपरिक युद्ध की तरह जीत हासिल करने की नहीं है। उसका मकसद लंबे समय तक संघर्ष जारी रखना और विरोधियों के लिए युद्ध को महंगा बनाना है। माना जा रहा है कि तेहरान अपनी सैन्य और रणनीतिक ताकत का इस्तेमाल इस तरह कर रहा है कि अमेरिका और इस्राइल को लगातार दबाव में रखा जा सके। विश्लेषकों के अनुसार ईरान ने पिछले एक दशक में अपनी सैन्य रणनीति को अलग ढंग से तैयार किया है। उसका ध्यान सीधे सैन्य जीत से ज्यादा अपने शासन और सैन्य ढांचे को सुरक्षित रखने पर है। विशेषज्ञ आमिर अजीमी के अनुसार ईरान को पहले से अंदाजा था कि उसकी बहुती क्षेत्रीय भूमिका किसी समय अमेरिका या इस्राइल के साथ सीधे टकराव को जन्म दे सकती है।

इसलिए उसने पहले से ही ऐसी रणनीति पर काम किया जिसमें वह लंबी लड़ाई झेल सके और विरोधियों को लगातार थकाता रहे। दो सिद्धांतों पर आधारित रणनीति... ईरान की सैन्य नीति मुख्य रूप से दो सिद्धांतों पर टिकी है। पहला डिटरेंस यानी विरोधी को हमले से रोकने की क्षमता और दूसरा एंड्योरेंस यानी लंबे समय तक युद्ध झेलने की तैयारी। मिसाइल क्षमता को मजबूत बनाना... इन मिसाइलों की मदद से वह पश्चिम एशिया में मौजूद कई सैन्य ठिकानों तक हमला कर सकता है। ईरान ने बड़ी संख्या में लंबी दूरी के ड्रोन तैयार किए हैं। ये ड्रोन कम लागत में दूर तक हमला करने की क्षमता रखते हैं और युद्ध के दौरान लगातार दबाव बनाए रखने में मदद करते हैं। क्षेत्रीय सहयोगी समूहों का नेटवर्क... ईरान ने पश्चिम एशिया के कई हिस्सों में सहयोगी सशस्त्र समूहों का नेटवर्क बनाया है। इससे वह अलग-अलग मोर्चों से विरोधियों पर दबाव बना सकता है। अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर दबाव की क्षमता... ईरान भले ही अमेरिका की मुख्यभूमि तक हमला नहीं कर सकता। लेकिन पश्चिम एशिया में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसकी मिसाइल और ड्रोन की पहुंच में आते हैं। इस्राइल भी मारक दायरे में... ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता के कारण इस्राइल भी उसकी सीधी मारक सीमा में आता है।

तीन दिन में ईरान की नौसेना के 42 जहाज किए नष्ट', ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर भी बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने तीन दिनों के भीतर ईरान की नौसेना के 42 जहाज नष्ट कर दिए हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि यह कदम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए उठाया गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की नौसेना को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप ने कहा कि पिछले तीन दिनों में अमेरिका ने ईरान की नौसेना के 42 जहाजों को नष्ट कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्रवाई में ईरान की संचार प्रणाली और सैन्य क्षमताओं को भी गंभीर नुकसान हुआ है। ट्रंप ने यह बयान शील्ड ऑफ अमेरिका समिट में अपने संबोधन के दौरान दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ तेज और सटीक सैन्य कार्रवाई की। उन्होंने दावा किया कि तीन दिनों के भीतर ईरान की नौसेना के 42 जहाजों को खत्म कर दिया गया। ट्रंप के मुताबिक इनमें कई बड़े युद्धपोत भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस अभियान में ईरान की वायुसेना और संचार व्यवस्था को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया गया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर क्या कहा गया? ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने यह कार्रवाई इसलिए की क्योंकि ईरान परमाणु हथियार बनाने के बहुत करीब पहुंच गया था। उन्होंने दावा किया कि अगर अमेरिका ने बी-2 विमान से किया गया मिडनाइट हैमर हमला नहीं किया होता तो ईरान आठ महीने पहले ही परमाणु हथियार हासिल कर सकता था। ट्रंप ने कहा कि इस कार्रवाई से दुनिया को एक बड़े खतरे से बचाया गया है। वेनजुएला को लेकर ट्रंप ने क्या कहा? अपने भाषण में ट्रंप ने वेनेजुएला का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व के तहत एक सटीक सैन्य कार्रवाई की थी। ट्रंप के अनुसार इस ऑपरेशन के दौरान पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका वेनेजुएला की नई सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है और दोनों देशों के बीच सोने और खनिज संसाधनों को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता भी हुआ है।

वयूबा और अन्य देशों को लेकर क्या संकेत दिए गए?

युद्ध की आर्थिक लागत बढ़ाने की रणनीति क्यों अहम है?

विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान की रणनीति का बड़ा हिस्सा युद्ध की आर्थिक लागत बढ़ाना भी है। अमेरिका और इस्राइल को आने वाले ड्रोन और मिसाइलों को रोकने के लिए बेहद महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों का इस्तेमाल करना पड़ता है। इसके मुकाबले ईरान कई मामलों में कम लागत वाले ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करता है। इसका मतलब यह है कि अगर युद्ध लंबा चलता है तो विरोधियों पर आर्थिक दबाव लगातार बढ़ता जाएगा। हर सफल हमले का असर केवल सैन्य स्तर पर ही नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी पड़ता है।

***ऊर्जा मार्ग और समय की भूमिका क्या हो सकती है?** : पश्चिम एशिया में ऊर्जा बाजार भी इस संघर्ष का अहम हिस्सा बन सकता है। फारस की खाड़ी में स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल और गैस मार्गों में से एक है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान को इसे पूरी तरह बंद करने की जरूरत नहीं है। अगर केवल धमकी या सीमित व्यवधान भी पैदा किया जाए तो इससे वैश्विक तेल कीमतों पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर समय भी इस संघर्ष में अहम भूमिका निभा सकता है। ईरान के मिसाइल भंडार सीमित हैं, लेकिन इस्राइल की वायु रक्षा प्रणाली पर भी भारी दबाव है और अमेरिका को भी लंबे सैन्य अभियान की लागत और ऊर्जा बाजार पर असर का आकलन करना पड़ रहा है।*

नेतन्याहू ने ईरान पर क्या आरोप लगाए?

परमाणु खतरे को खत्म करना दुनिया के लिए जरूरी

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने हाल के दिनों में आसपास के कई देशों को निशाना बनाया है। इसके साथ ही नेतन्याहू ने इस्राइल की सैन्य ताकत पर कई बातें कहीं। आइए विस्तार से जानते हैं कि क्या कुछ नेतन्याहू ने इस्राइली जनता संबोधित किया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना सिर्फ इस्राइल के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर इस्राइल अपने अभियान में सफल होता है तो इससे क्षेत्र में शांति का दायरा और बढ़ेगा और कई नए देशों के साथ सहयोग के रास्ते खुलेंगे। इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि ईरान में अयातुल्ला शासन पूरी दुनिया के लिए खतरा बन गया है। उनके अनुसार हाल के दिनों में ईरान ने अपने आसपास के 12 देशों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि इन देशों की सुरक्षा को लेकर इस्राइल उनके साथ खड़ा है। नेतन्याहू का कहना है कि ईरान की नीतियां पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा

कर रही हैं और इसे रोकना जरूरी है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान से कहा है कि 2024 के युद्धविराम समझौते को लागू करना उसकी जिम्मेदारी है। एक वीडियो बयान में नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान को हिजबुल्लाह को निरस्त्र करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो हिजबुल्ला की कार्रवाई से लेबनान को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

नेतन्याहू ने आगे कहा कि इस्राइल अपने नागरिकों और सीमावर्ती समुदायों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने लेबनान से कहा कि वह अपनी किस्मत खुद तय करे। वहीं क्षेत्र में तनाव के बीच इस्राइल ने लेबनान के कई इलाकों, जिनमें राजधानी भी शामिल है, पर हमले जारी रखे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि कई देशों ने इस्राइल की सैन्य ताकत और उसकी तैयारी को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल की सेना, उसके सैनिकों की बहादुरी और देश की तकनीकी क्षमता ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उनके अनुसार इस्राइल तेहरान के शासकों के खिलाफ मजबूती से खड़ा है और जरूरत पड़ने पर अपनी सुरक्षा के लिए हर कदम उठाने को तैयार है। नेतन्याहू ने दावा किया कि मौजूदा हालात में कई देश इस्राइल के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई देशों ने इस्राइल की क्षमताओं को देखते हुए उससे संपर्क किया है।

अब हमें मदद की जरूरत नहीं, लेकिन याद रखेंगे', ईरान युद्ध पर डोनाल्ड ट्रंप ने स्टार्मर पर साधा निशाना

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर तीखा हमला बोला है। ट्रंप ने कहा कि ब्रिटेन अब मध्य पूर्व में दो विमानवाहक पोत भेजने पर विचार कर रहा है, लेकिन अब इसकी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि युद्ध लगभग जीत लेने के बाद सहयोग देने का कोई मतलब नहीं होता। ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका ऐसे देशों को याद रखता है जो संघर्ष के समय साथ खड़े होते हैं और जो देर से आते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि ब्रिटेन कभी अमेरिका का सबसे बड़ा सहयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि अब ब्रिटेन मध्य पूर्व में दो विमानवाहक पोत भेजने पर विचार कर रहा है, लेकिन अमेरिका को अब उसकी जरूरत नहीं है। ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका उन लोगों को नहीं चाहता जो युद्ध खत्म होने के बाद शामिल होते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यह जरूर याद रखेगा कि किसने कब सहयोग दिया। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री शुरुआती दौर में सैन्य सहयोग देने से हिचक रहे थे।

ट्रंप ने ईरानी शासन पर लगाया आरोप, कहा- इसमें अमेरिका का हाथ नहीं

क्या ईरान ने ही मिनाब स्कूल पर किया हमला?

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के मिनाब शहर के एक स्कूल पर हुआ हमला खुद ईरान ने किया था। इस हमले में 165 लोगों की मौत हुई। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इसमें शामिल नहीं है। आइए, जानते हैं इस पर ट्रंप ने क्या कुछ कहा। अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान के जारी संघर्ष के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के मिनाब शहर में जिस प्राथमिक स्कूल पर हमला हुआ और जिसमें कम से कम 165 लोगों की मौत हुई, उसके पीछे खुद ईरान जिम्मेदार है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस हमले में शामिल नहीं है। ट्रंप से डेलावेयर के डोवर एयर फोर्स बेस पर एक पत्रकार ने पूछा था कि क्या अमेरिका ने उस स्कूल पर हमला किया था। इस पर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का इससे कोई लेना-देना नहीं है और यह हमला ईरान की ओर से किया गया। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि रूस ईरान की मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष में कई तरह की अफवाहें फैल रही हैं, लेकिन अभी तक रूस की प्रत्यक्ष भूमिका के कोई प्रमाण सामने नहीं आए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह नहीं चाहते कि कुर्द बल ईरान के अंदर जाकर किसी तरह की सैन्य कार्रवाई करें। उनके अनुसार इससे क्षेत्र में स्थिति और ज्यादा जटिल हो सकती है। ईरान के नेतृत्व को लेकर ट्रंप का क्या बयान रहा? ट्रंप ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि ईरान में ऐसा राष्ट्रपति हो जो देश को

युद्ध की दिशा में न ले जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका हर कुछ वर्षों में फिर से संघर्ष की स्थिति नहीं चाहता। उनके अनुसार अगर ईरान में ऐसा नेतृत्व आता है जो शांति और स्थिरता को प्राथमिकता देता है तो इससे पूरे क्षेत्र में तनाव कम हो सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर ईरान बिना शर्त आत्मसमर्पण करता है या उसकी सैन्य क्षमता खत्म हो जाती है, तो इसे संघर्ष के अंत के रूप में देखा जाएगा।

डोवर एयर फोर्स बेस पर क्या हुआ?

इस बीच ट्रंप डेलावेयर के डोवर एयर फोर्स बेस पहुंचे, जहां उन्होंने अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में मारे गए अमेरिकी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। वहां अमेरिकी झंडे में लिपटे ताबूतों को विमान से उतारा गया। इस दौरान ट्रंप ने सैनिकों को सलामी दी और उन्हें सम्मान दिया। डोवर एयर फोर्स बेस अमेरिका में युद्ध में मारे गए सैनिकों के पार्थिव शरीर लाने का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

तेल की कीमतों और हमलों के आरोपों पर क्या बोले ट्रंप?

ट्रंप ने कहा कि मौजूदा संघर्ष के कारण तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, लेकिन बाद में वे तेजी से गिर भी सकती हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार इस स्थिति को धीरे-धीरे संभाल लेगा। वहीं ईरान के उस दावे पर कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास क्रेश्म द्वीप पर जल शोधन संयंत्र को निशाना बनाया, ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

ईरान का हमला: ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 की 27वीं स्ट्राइक, नए ड्रोन-मिसाइलों से अमेरिका-इस्राइल ठिकानों पर निशाना

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 के तहत 27वीं लहर के हमलों की शुरुआत करने का दावा किया है। ईरान के इस विशिष्ट सैन्य बल ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिका और इस्राइल की ओर से कथित उकसावे वाली सैन्य कार्रवाई के जवाब में की गई है। ईरानी सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, इस चरण में ड्रोन और मिसाइलों के संयुक्त हमले किए गए, जिनका मुख्य निशाना इस्राइल के उत्तरी हिस्सों में मौजूद सैन्य ढांचे को बनाया गया। आईआरजीसी ने बताया कि इस हमले में उसकी एयरोस्पेस डिवीजन ने नए खैबर-शेकन सॉलिड-फ्यूल मिसाइलों का उपयोग किया। इन मिसाइलों में टारगेट तक पहुंचने के अंतिम चरण तक मार्गदर्शन की क्षमता मौजूद है। ईरानी सैन्य बयान के मुताबिक इन मिसाइलों से इस्राइल के उत्तरी शहर हाइफा में मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार आईआरजीसी ने ड्रोन के

जरिए उन इलाकों को भी निशाना बनाया जहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। दावा किया गया कि एक ड्रोन यूनिट ने उस स्थान को निशाना बनाया जहां अमेरिकी बल मौजूद थे और जो वार्नर ब्रदर्स कंपनी की इमारतों के पास स्थित है। आईआरजीसी ने यह भी कहा कि उसकी नौसेना ने बहरीन के सलमान पोर्ट पर मौजूद अमेरिकी नौसेना के ढांचे को निशाना बनाया। यह स्थान अमेरिकी नेवी के पांचवें फ्लीट से जुड़ा माना जाता है। ईरानी सेना के अनुसार यहां मानव रहित सतही जहाजों के कमांड सेंटर और सैन्य सहायता हैंगर पर हमले किए गए। ईरान का दावा है कि इन हमलों के बाद इस्राइल के कई क्षेत्रों में लगातार आपातकालीन सायरन बज रहे हैं और हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। आईआरजीसी ने यह भी आरोप लगाया कि इस्राइली प्रशासन सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए नागरिकों को कुछ इलाकों में सीमित कर रहा है।

आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा कि ईरानी सशस्त्र बल लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के लिए तैयार हैं और उनकी यूनिट्स सटीक योजना के साथ अमेरिकी बलों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। गौरतलब है कि ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 की शुरुआत पिछले सप्ताह विदेशी हमलों के बाद हुई थी। इसके बाद से ईरान की ओर से सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइल और आत्मघाती ड्रोन दागे जाने का दावा किया गया है। इनमें तेल अवीव, यरूशलेम और बेर्शेबा जैसे अहम इलाकों को निशाना बनाने की बात कही गई है।

संजू सैमसन को कहा 'दुखी मत हो'

रोहित शर्मा ने खोला वायरल बातचीत का राज

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के बीच हुई एक बातचीत का वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। अब रोहित शर्मा ने खुद बताया है कि उन्होंने सैमसन को 'दुखी मत हो' क्यों कहा था। रोहित का कहना है कि वह समझ सकते हैं कि जब किसी खिलाड़ी को लंबे समय तक मौका नहीं मिलता तो वह कैसा महसूस करता है।

वायरल हुआ रोहित और सैमसन का वीडियो

दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एक अहम मुकाबले में नाबाद 97 रन की शानदार पारी खेली थी। इसके बाद रोहित शर्मा और सैमसन की बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।इस वीडियो में रोहित सैमसन को समझाते नजर आए थे कि वह निराश न हों क्योंकि टूर्नामेंट लंबा है और मौका कभी भी मिल सकता है। बाद में वही बात सच साबित हुई और सैमसन ने लगातार दो मैचों में मैच जिताने वाली पारियां खेलीं।

'मैं खिलाड़ी की भावना समझ सकता हूं'

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले आईसीसी से बातचीत में रोहित शर्मा ने बताया कि उन्होंने सैमसन को इसलिए समझाया क्योंकि वह खुद भी ऐसे हालात से गुजर चुके हैं।रोहित ने कहा, 'कभी-कभी मैं खिलाड़ी की भावनाओं को महसूस कर सकता हूं। मैं भी ऐसे दौर से गुजरा हूं जब किसी बड़े टूर्नामेंट में मौके नहीं मिले। ऐसे समय में फोकस बनाए रखना जरूरी होता है और निराश नहीं होना चाहिए। मुझे लगा कि संजू भी उसी स्थिति में है।'

टीम से बाहर हो गए थे सैमसन

रोहित शर्मा ने आगे बताया कि सैमसन लगातार टीम इंडिया के लिए खेल रहे थे, लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था।रोहित ने कहा, 'मैं बस उसे यह बताना चाहता था कि टूर्नामेंट लंबा है और क्रिकेट में कभी भी कुछ भी हो सकता है। इसलिए मैंने उसे भरोसा दिलाया कि उसका मौका जरूर आएगा। और जब मौका मिला तो उसने शानदार पारी खेली।'

रोहित की 'पेप टॉक' की कहानी

रोहित और सैमसन के बीच ऐसी बातचीत पहले भी हो चुकी है। पिछले टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल से पहले भी रोहित ने आखिरी समय में सैमसन को बताया था कि वह मैच नहीं खेल पाएंगे।बाद में सैमसन ने खुलासा किया था कि उन्होंने रोहित से कहा था कि उन्हें अफसोस है कि वह इतने महान कप्तान के साथ ज्यादा मैच नहीं खेल पाए।

लक्ष्य सेन पहुंचे फाइनल में

बर्मिंघम, एजेंसी। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। लक्ष्य दो बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में कनाडा के विक्टर लाई को हराते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। 24 साल के लक्ष्य ने दाहिने पैर के अंगूठे में छालों के बावजूद एक घंटे 37 मिनट तक चले मुकाबले में विक्टर लाई को 21-16, 18-21, 21-15 से मात दी। सेन के मेंटोर प्रकाश पादुकोण 1980 और 1981 में ऑल इंग्लैंड फाइनल में पहुंचे थे, और उन्होंने पहली बार में ही खिताबी मुकाबले में जीत दर्ज की थी। शनिवार को सेन और लाई के बीच हुए सेमीफाइनल मैच में दोनों खिलाड़ियों के स्टैमिना का टेस्ट हुआ, क्योंकि उन्होंने कई रैलियां कीं जो 50 स्ट्रोक से ज्यादा चलीं। सेन की अतिरिक्त गेयर ढूंढने की काबिलियत ने ही भारतीय खिलाड़ी को पहला गेम जीतने में मदद की। लक्ष्य ने पहले गेम को 17-16 से अपने नाम किया। हालांकि, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाले पहले कैनेडियन खिलाड़ी लाई ने दूसरे गेम में वापसी की और मिड-गेम के ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली। छालों से जूझ रहे सेन ने जबरदस्त वापसी की और स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। हालांकि, लाई ने एक बार फिर बढ़त बनाई और डिसाइडर में गेम को अपने नाम कर लिया। 24 वर्षीय लक्ष्य ने अपनी सुझबूझ के दम पर अगले गेम में 15-9 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अंत तक लड़ने के लिए मशहूर लाई ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और स्कोर को 17-15 तक पहुंचा दिया।

गुकेश ने स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने कल चेक गणराज्य में आयोजित प्राग अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट के मास्टर्स वर्ग के नौवें और अंतिम दौर में स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो को हराया। भारत के अरविंद चिदंबरम ने अंतिम दौर में चेक गणराज्य के डेविड नवारा को हराकर 5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव 6 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहे। चैलेंजर्स वर्ग में, भारत की दिव्या देशमुख ने चेक गणराज्य की हर्बेक स्टेपन को हराकर 5 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। ग्रैंडमास्टर सूर्य शेखर गांगुली 4 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

हीली की यादगार विदाई, टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 10 विकेट से जीत

***पर्थ (एजेंसी)।** पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को करारी शिकस्त देते हुए 10 विकेट से जीत दर्ज की। कप्तान एलिसा हीली ने अपने विदाई मुकाबले को यादगार बनाते हुए टीम को शानदार जीत दिलाई, जबकि एनेबेल सदरलैंड ने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल करते हुए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब जीता।पर्थ के ग्राउंड में खेले गए इस महिला पिंक-बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा। भारत ने दूसरी पारी में संघर्ष करते हुए फॉलो-ऑन से बचने की कोशिश की, लेकिन लक्ष्य केवल 25 रन का रह गया जिसे ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने मल्टी-फॉर्मेट सीरीज भी 12-4 से अपने नाम कर ली।*

प्रतिका रावल और स्नेह राणा की संघर्षपूर्ण साझेदारी

तीसरे दिन भारत ने 105/6 के स्कोर से अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई। प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की। प्रतिका ने दिन की पहली बाउंड्री लगाई, 105 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की; हालांकि एश्ले गार्डनर ने स्नेह राणा को 30 रन पर आउट कर यह साझेदारी तोड़ दी।

निचला क्रम जल्दी सिमटा

इसके बाद भारतीय बल्लेबाजी ज्यादा देर टिक नहीं पाई। कश्वी गौतम अलाना किंग की गेंद पर स्लिप में कैच देकर शून्य पर आउट हुईं; सायली सतघरे भी ज्यादा देर नहीं टिक सकीं और 3 रन बनाकर आउट हो गईं, आखिरकार प्रतिका रावल आखिरी विकेट के रूप में आउट हुईं। उन्होंने 137 गेंदों में 63 रन की जुझारू पारी खेली जिसमें 8 चौके शामिल थे। भारत की पूरी टीम 149 रन पर सिमट गई।

25 रन का लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के लिए आसान

25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के ओपनर्स ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर मैच खत्म कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से आसान जीत दर्ज की और हीली का विदाई मैच जीत के साथ समाप्त हुआ। इस मैच की सबसे बड़ी स्टार एनेबेल सदरलैंड रहीं। पहली पारी में 4 विकेट, दूसरी पारी में 2 विकेट, बल्लेबाजी में 129 रन; उनकी 129 रन की पारी में 17 चौके शामिल थे और उन्होंने एलिस पेरी (76) के साथ चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन बनाए थे। भारत की ओर से सायली सटघरे ने 4 विकेट लिए।

डोमेस्टिक टूर्नामेंट में ब्रेट ने लिए पांच गेंदों में पांच विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के घरेलू टूर्नामेंट प्लंकेट शील्ड में 8 मार्च को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के ब्रेट रैंडेल नाम के तेज गेंदबाज ने इतिहास रच दिया। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स और नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के बीच नेपियर के मैकलीन पार्क में खेले जा रहे मुकाबले में रैंडेल ने पहली पारी में लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट झटक लिए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में पहली बार किसी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटके हैं। इससे पहले आयरलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैम्फर ने 2021 में एक घरेलू टी-20 मैच में लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटके थे। रैंडेल की गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की टॉप ऑर्डर ढह गई। टीम 9 रन पर 5 विकेट गंवा बैठी, वह भी सिर्फ रैंडेल की पांच गेंदों में। रैंडेल ने अपनी दूसरी ओवर की आखिरी गेंद पर ओपनर हेनरी कूपर को बोल्ड किया।

अमेलिया ने रचा इतिहास, 7 विकेट लेकर 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

डुनेडिन (न्यूजीलैंड) : न्यूजीलैंड की महिला टीम की कप्तान अमेलिया केर ने रविवार को डुनेडिन में तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार सात विकेट लेकर 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। अमेलिया केर की कोशिश से टीम ने 8 विकेट से आसान जीत दर्ज की और 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। केर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूनिवर्सिटी ओवल में 34 रन देकर 7 विकेट लिए और जिम्बाब्वे को सिर्फ 102 रन पर ऑल आउट कर दिया जिससे उन्होंने 1982 के आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफि जैकी लॉई के 6/10 के 44 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया और न्यूजीलैंड की किसी महिला द्वारा सबसे अच्छे वनडे बॉलिंग का नया रिकॉर्ड बनाया। केर के सात विकेट हॉल के साथ यह सिर्फ सातवीं बार है जब किसी गेंदबाज ने महिला वनडे में सात विकेट लिए हैं, जिससे वह पाकिस्तान की साजिदा शाह, इंग्लैंड की जो चेम्बरलेन, वेस्टइंडीज की अनीसा मोहम्मद और ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग, एलिस पेरी, और मौजूदा कोच शेली निट्स्के के साथ एक एलीट ग्रुप में आ गईं। न्यूजीलैंड बनाम जिम्बाब्वे मैच की बात करें तो मौली पेनफोल्ड (3/17) ने जल्दी विकेट लिए जिससे जिम्बाब्वे का स्कोर 48/3 कर दिया और केर के अटैक में आने से मेहमान टीम और परेशान हो गई क्योंकि न्यूजीलैंड की कप्तान ने बड़े विकेट हासिल किए।

महिलाओं के वनडे में बेस्ट बॉलिंग आंकड़े

- साजिदा शाह (पाकिस्तान) : 7/4 बनाम जापान, 2003
- जो चेम्बरलेन (इंग्लैंड): 7/8 बनाम डेनमार्क, 1991
- अनीसा (वेस्टइंडीज): 7/14 बनाम पाकिस्तान, 2011
- अलाना(ऑस्ट्रेलिया): 7/18 बनाम साउथ अफ्रीका, 2025
- एलिस पेरी (ऑस्ट्रेलिया): 7/22 बनाम इंग्लैंड, 2019
- शेली निट्स्के (ऑस्ट्रेलिया): 7/24 बनाम इंग्लैंड, 2005
- अमेलिया केर (न्यूजीलैंड): 7/34 बनाम जिम्बाब्वे, 2026

ली ताहूहू का वनडे क्रिकेट से संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड विमेंस क्रिकेट टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहूहू ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 35 साल की ताहूहू ने अपने 15 साल लंबे वनडे करियर पर ब्रेक लगाया। वे टी-20 क्रिकेट खेलना जारी रखेंगी, उन्होंने कहा कि उनका टारगेट इस साल जून में होने वाला वर्ल्ड कप है। न्यूजीलैंड की सबसे सफल वनडे गेंदबाज ताहूहू ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। तब से वे कीवी टीम के बॉलिंग डिपार्टमेंट की लीड कर रही हैं। उन्होंने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी वनडे खेला। इस मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 1 विकेट लिया।ताहूहू संन्यास की घोषणा करते हुए ताहूहू भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, 'व्हाइटफर्न्स के लिए वनडे खेलना हमेशा गर्व की बात रही। जब मैंने शुरुआत की थी, तो एक मैच खेलना भी बड़ी बात थी, लेकिन अपने देश के लिए 100 से ज्यादा मैच खेलना मेरे लिए सपने जैसा है।

10000 रुपए में बेच रहे थे भारत बनाम न्यूजीलैंड फाइनल के टिकट, दो लोगों को पुलिस ने पकड़ा

अहमदाबाद(एजेंसी)। अहमदाबाद सिटी क्राइम ब्रांच ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल के टिकट गैर-कानूनी तरीके से ज्यादा कीमत पर बेचे थे। मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। एक टिप पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने उस्मानपुरा गुजरात विद्यापीठ रूज़. बस स्टैंड के पास जाल बिछाया, जहां दो लोगों को रोका गया और उनकी तलाशी ली गई। उनके पास से मैच के 8 टिकट मिले।

आरोपियों ने टिकट पहले ही ऑनलाइन खरीद लिए थे और उन्हें असली कीमत से तीन गुना ज्यादा कीमत पर बेच रहे थे, फैंस से हर टिकट के लिए 10,000 रुपए ले रहे थे। सभी टिकट जब्त कर लिए गए हैं और दोनों लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस रैकेट में कोई बड़ा नेटवर्क शामिल है।

यह गिरफ्तारी अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक चेतावनी देने के बाद हुई है कि ब्लैक मार्केट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फाइनल से पहले रिपोर्ट्स से बात करते हुए मलिक ने कहा कि पुलिस ने इस बड़े दिन के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। उन्होंने कहा, 'नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक ऐतिहासिक टी20 वर्ल्ड कप फाइनल हुआ। जहां3,000 से ज्यादा पुलिसवाले और करीब 1,000 होमगार्ड तैनात कर रहे हैं।'

ब्लैक मार्केटिंग के मुद्दे पर मलिक ने साफ कहा, 'अगर ऐसी कोई भी एक्टिविटी हमारे ध्यान में आती है, तो पुलिस केस दर्ज करेगी। हमें ऊपर के अधिकारियों से भी साफ निर्देश मिले हैं कि ब्लैक मार्केटिंग में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए।' मलिक ने यह भी कहा कि भीड़ को मैनेज करने और स्टेडियम के एंट्रेंस के पास किसी भी तरह की भीड़ या भगदड़ जैसी स्थिति को रोकने के लिए गेट 1 और गेट 2 के पास होल्डिंग एरिया बनाए गए थे।

फाइनल में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 100,000 से ज्यादा फैंस के आए थे, इसलिए टिकटों की डिमांड बहुत ज्यादा हो गई थी, जिससे जल्दी प्रॉफिट कमाने की चाहत रखने वाले दलालों के लिए अच्छा माहौल बन गया।